हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 6, अंकः 180, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 16 दिसम्बर, 2021 दिन गुरुवार गाजीपुर/वाराणसी

यूपी को नंबर एक बनाना हमारा संकल्प : मुख्यमंत्री

सीएम योगी ने लांच किया संकल्प अभियान, बोले- जनता दे सुझाव

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2022 के लिए भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) जनता के सुझावों पर अपना संकल्प पत्र (घोषणा पत्र) तैयार करेगी। इसके लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को भारतीय जनता पार्टी के 'यूपी नंहर 1 : सुझाव आपका, संकल्प हमारा' अभियान का शुभारंभ किया। इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित कार्यक्रम में सीएम योगी ने पिछली और वर्तमान सरकार का फर्क विभिन्न उदाहरणों से समझाया। उन्होंने कहा कि कहा कि पिछली सरकारों में आतंकियों के मुकदमे वापस लिए जाते थे, आज माफिया पर कार्रवाई की जाती है।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 2017 में जो संकल्प पत्र जारी किया गया था, उसका प्रत्येक संकल्प पूरा किया गया। घोषणाएं कालातीत हो जाती हैं, जबकि संकल्प लोक कल्याण का आधार बनते हैं। मुख्यमंत्री ने जनता को आश्वस्त किया कि आप लोग सुझाव दें, वह यूपी को नंबर एक बनाने का संकल्प लेते हैं। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह, उपमुख्यमंत्री दिनेश शर्मा, लोक कल्याण संकल्प समिति के अध्यक्ष व वित्त मंत्री सुरेश खन्ना, सांसद कांता कर्दम, सीमा द्विवेदी, राजेश वर्मा, विजयपाल सिंह तोमर, प्रदेश उपाध्यक्ष अरविंद कुमार शर्मा भी मौजूद थे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि 2017 में हुए विधानसभा चुनाव से पहले हमने विपक्षी पार्टियों की तरह घोषणा पत्र नहीं जारी किया था, बल्कि संकल्प पत्र को जारी किया था। संकल्प लोक कल्याण का माध्यम है। संकल्प व्यक्ति के लिए लोक कल्याण और राष्ट्र कल्याण के लिया जाता है। इसी संकल्प के साथ वर्ष 2017 में हम जुड़े थे और उसे पूरा करने का कार्य किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि विपक्षी पार्टियों द्वारा घोषणा पत्र जारी किया जाता है जो समय के साथ ही कहीं किनारे लग जाता है। वहीं, भाजपा का संकल्प पत्र लोक कल्याण और राष्ट्र कल्याण के लिए होता है।

उन्होंने कहा कि फर्क साफ है वो इस बात को लेकर कि पहले की सरकारें किसानों पर गोलियां चलाती थीं। हमने किसानों को ऋण से मुक्ति देने के लिए उनका ऋण माफ किया। फर्क साफ है कि पहले की सरकार में गौ हत्या और तस्करी होती थी। हमने अवैध बूचड़खाने बंद कर गोवंश संरक्षण शुरू कर, गौ पालकों को 900 रुपये प्रति माह देने का काम किया। किसानों के गन्ना मूल्य का भुगतान 10 साल से नहीं हुआ था। 2017 में भाजपा सरकार आई तो हमने अपने संकल्प को पूरा कर किसानों के बकाया पैसों का भुगतान किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जब हम 2014 और 2017 में प्रचार के लिए निकले थे तब पश्चिम यूपी में हर अभिभावक चिंतित रहता था कि उसकी बेटी सुरक्षित हैं कि नहीं, लेकिन 2017 के बाद पूरे प्रदेश का हाल बदल गया और आज हर कोई सुरक्षित है। आज आस्था के केंद्रों को सम्मान मिल रहा है। अब यूपी में दंगा नहीं होता, बल्कि पर्व-त्यौहार धूमधाम से मनाए जा रहे हैं। जब काम ईमानदारी से होता है, तो सोच ईमानदार और काम दमदार दिखता है। आज यूपी दमदार कामों से जाना जाता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हमारी सरकार में 4.5 लाख से अधिक सरकारी नियुक्तियां हुईं लेकिन कोई भी भ्रष्टाचार का आरोप नहीं लगा सकता। आज उत्तर प्रदेश विभिन्न 44 योजनाओं में नंबर वन है, लेकिन हमें यूपी की अर्थव्यवस्था को एक नंबर पर पहुंचाना है। भाजपा के प्रदेश महामंत्री अश्वनी त्यागी ने बताया कि भाजपा की डबल इंजन सरकार द्वारा अगले पांच वर्षों में उत्तर प्रदेश को हर क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनाने का संकल्प लिया गया है। इसी विजन के साथ प्रदेशवासियों से उनकी अपेक्षाएं, आकांक्षाएं और सुझाव विभिन्न माध्यमों से एकत्रित किए जाएंगे। आकांक्षा पेटी के माध्यम से समाज के सभी वर्गों से उनके सुझाव लेने के लिए विधानसभा स्तर तक कार्यकर्ता जाएंगे।

बॉम्बे हाई कोर्ट से आर्यन खान को राहत

मुम्बई। ड्रग्स केस में शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान को बॉम्बे हाई कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। अब आर्यन को हर शुक्रवार ठउइ के ऑफिस में हाजिरी नहीं लगानी पड़ेगी। हालांकि जब कभी SIT दिल्ली उन्हें समन करेगी, तब उन्हें टीम के सामने 72 घंटे के अंदर पूछताछ के लिए आना पड़ेगा। आर्थर रोड जेल में लगभग 26 दिन बिताने के बाद, आर्यन को 28 अक्तूबर को बॉम्बे हाई कोर्ट ने जमानत दे दी और 30 अक्तूबर को उनकी रिहाई हुई। आर्यन को जमानत देते हुए कोर्ट ने 14 शर्तें लगाई हैं, जिनमें से एक यह है कि उन्हें हर शुक्रवार को सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे के बीच एनसीबी कार्यालय में अपनी उपस्थिति दर्ज करानी होगी। हालांकि आर्यन के द्वारा लगाई याचिका पर बुधवार दोपहर को बॉम्बे हाई कोर्ट में सुनवाई हुई। जिसका फैसला आर्यन के पक्ष में आया। आर्यन की याचिका में कहा गया था कि उन्हें इस शर्त (हर शुक्रवार को हाजिरी) में छूट दी जा सकती है, क्योंकि क्रूज शिप ड्रग केस NCB दिल्ली ने SIT को सौंप दिया है। शाहरुख खान की दोस्त और एक्ट्रेस जूही चावला आर्यन खान की जमानती बनी थीं। जूही चावला ने सेशन कोर्ट पहुंचकर कागजात पर दस्तखत किए और आर्यन को जेल से रिहा करवाया था।

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री के इस्तीफे की मांग पर दोनों सदनों में हंगामा

नई दिल्ली। संसद के शीतकालीन सत्र में बुधवार को भी हंगामे के आसार दिखाई दे रहे हैं। विपक्ष लगातार अपने 12 सांसदों के निलंबन पर सरकार पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहा है। मंगलवार को विपक्ष ने इस मुद्दे पर मार्च भी किया। इस दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि सरकार उनके उठाए मुद्दों पर ध्यान नहीं देना चाहती है। उन्होंने ये भी कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी सदन में आते नहीं है। इस तरह से लोकतंत्र को नहीं चलाया जा सकता है। इस बीच मंगलवार संसद में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआइ) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के निदेशकों के कार्यकाल की वर्तमान सीमा दो साल से बढ़ा कर पांच साल तक करने के प्रावधान वाले विधेयकों मंजूरी मिल गई। विपक्ष की अनुपस्थिति में राज्यसभा में ये विधेयक पास कर दिया गया। इसके अलावा मंगलवार को 'दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन (संशोधन) विधेयक 2021' और 'केंद्रीय सतर्कता आयोग (संशोधन) विधेयक 2021' को भी पास कर दिया गया है। ये दोनों विधेयक नौ दिसंबर को पारित हो चुके हैं। संसद में आज देश में लगातार बढ़ रहे कोरोना वायरस के ओमिक्रोन वैरिएंट के मामलों पर भी चर्चा होने की उम्मीद है। इसके अलावा आज विपक्ष सदन में अपनी रणनीति को लेकर बैठक भी कर रहा है। इसमें सरकार पर दबाव बनाने की रणनीति पर विचार किया जाएगा। बता दें कि सांसदों के निलंबन पर सरकार और विपक्ष लगातार एक दूसरे पर आरोप लगा रहा है। टीएमसी सांसद ने लखीमपुर खीरी मामले में चर्चा की मांग की है। क्रिप्टोकरंसी बिल पर भी आज सदन में चर्चा होने की संभावना है। गौरतलब है कि डिजिटल मुद्रा का अध्ययन करने के लिए आर्थिक मामलों के सचिव की अध्यक्षता में गठित क्रिप्टोकरंसी संबंधित अंतर-मंत्रालयी पैनल ने अपनी रिपोर्ट पहले ही सरकार को सौंप दी है। लोकसभा की कार्यवाही शुरू होते के साथ ही विपक्षी सांसदों ने लखीमपुर कांड पर हंगामा शुरू कर दिया। स्पीकार ओम बिरला ने सांसदों को शांत कराने और अपनी सीट पर बैठने की कई बार अपील भी की। उन्होंने कहा कि सभी को बोलने का मौका दिया जाएगा। आज कई महत्वपूर्ण बिलों पर चर्चा होनी है लिहाजा सांसद सहयोग करें। बता दें कि विपक्ष लगातार अजय मिश्रा टेनी के इस्तीफे की मांग कर रहा है। लोकसभा में भी केंद्रीय गृह राज्य मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर कांग्रेस समेत समूचे विपक्ष ने काफी हंगामा किया, जिसके बाद सदन की कार्यवाही को दोपहर दो बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया। राहुल गांधी ने मांग की कि प्रधानमंत्री को केंद्रीय गृह राज्य मंत्री से इस्तीफा लेना चाहिए या उन्हें बर्खास्त करना चाहिए। केसी वेणुगोपाल ने कहा कि सरकार लखीमपुर खीरी कांड पर संसद में चर्चा तक नहीं होने दे रही है।

लखीमपुर खीरी हिंसाः बेटे पर सवाल किया तो भड़के गृह राज्य मंत्री अजय मिश्र, पत्रकारों से की अभद्रता

लखीमपुर खीरी। लखीमपुर खीरी में मदर चाइल्ड केयर सेंटर में ऑक्सीजन प्लांट का उद्घाटन करने गए गृह राज्य मंत्री अजय मिश्र टेनी से जब एक पत्रकारों ने तिकुनिया कांड के मुख्य आरोपी उनके बेटे आशीष

मिश्र पर हत्या की साजिश संबंधी धाराएं बढ़ाने पर सवाल किया तो वह आपा खो बैठे। उन्होंने पत्रकारों के लिए अभद्र भाषा का प्रयोग किया। उनका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जो वीडियो सामने आई है, उसमें केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी ने पत्रकार पर हाथ उठाने की भी कोशिश की, लेकिन साथ में खड़े लोगों ने रोक लिया। इसके बाद फिर अजय मिश्रा टेनी ने पत्रकारों को गाली दी। तिकुनिया कांड में मुख्य आरोपी आशीष मिश्र मोनू समेत सभी 13 आरोपियों पर दुर्घटना की धाराएं हटाकर हत्या की कोशिश व अंगभंग करने की धाराएं बढ़ाई गई हैं। मंगलवार को सीजेएम कोर्ट में दाखिल हुए सभी 13 आरोपियों पर अदालत ने हत्या की कोशिश की धारा 307, अंगभंग 326, शस्त्र के दुरुपयोग की धारा 3/25/30 व शस्त्र अधिनियम की धारा 35 की बढ़ोतरी की है। इससे पहले जांच टीम ने सोमवार को अदालत में अर्जी दाखिल कर सभी आरोपियों पर दुर्घटना की धाराएं हटाकर हत्या के प्रयास और साजिश की धाराएं बढ़ाने के लिए अर्जी दाखिल की थी, जिस पर अदालत ने सभी 13 आरोपियों को मंगलवार तलब किया था। तिकुनिया कांड के 70 दिन बाद मामले की जांच कर रही जांच टीम ने माना कि तीन अक्तूबर को हुआ खूनी संघर्ष दुर्घटना नहीं थी, बल्कि यह हत्या की सोची समझी साजिश थी। तीन अक्तूबर को हुए तिकुनिया कांड में चार किसानों समेत आठ लोग मारे गए थे। तीन अक्तूबर की रात में ही तिकुनिया थाने में किसानों की ओर से दर्ज कराई 219 नंबर एफआईआर में आशीष मिश्र समेत अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया था। वहीं चार अक्तूबर की सुबह सदर थाने में 220 नंबर एफआईआर में भाजपा पार्षद सुमित जायसवाल ने अज्ञात किसानों पर मुकदमा दर्ज कराया था।

किसानों के हित में केंद्रीय मंत्रिमंडल का बड़ा फैसला, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना को 2025-26 तक चालू रखने का निर्णय

नई दिल्ली। केंद्रीय कैबिनेट बैठक में प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना को 2021-22 से लेकर 2025-26 तक चालू रखने का निर्णय किया गया है। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने इसकी जानकारी देते हुए कहा कि इसमें 93 हजार करोड़ रुपये से अधिक खर्च आएंगे। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले बोर्ड के विनिर्माण को प्रोत्साहन के लिए पीएलआई योजना की भी मंजूरी दी है।

किसानों के हित में लिए गए फैसले को केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने सरकार का बड़ा कदम बताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना से देश के 22 लाख किसानों के जीवन में परिवर्तन आएगा और इस योजना में जो और परियोजनाएं जुड़ेंगे उससे लाखों किसानों के जीवन में परिवर्तन आएगा और किसानों की आमदनी बढ़ेगी। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने यह भी बताया कि देश में रुपे डेबिट कार्ड और कम मूल्य के भीम यूपीआई के द्वारा डिजिटल ट्रांजेक्शन को बढ़ावा देने के लिए इंसेंटिव दिए जाने की मंजूरी दी गई। इस पर 1300 करोड़ रुपए खर्च होगा। वहीं केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि प्रधानमंत्री ने एक ऐतिहासिक फैसला लिया है। इससे देश में सेमीकंडक्टर चिप्स का डिजाइन, फैब्रिकेशन, पैकेजिंग, टेस्टिंग और कंप्लीट इको सिस्टम डेवलप हो सके ऐसा फैसला लिया है। जिसके लिए आज 76 हजार करोड़ रुपए के इन्वेस्टमेंट का अनुमोदन हुआ है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि आज भारत के करीब 20 फीसद इंजीनियर्स सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री में हैं। इस संख्या को बढ़ाने के लिए 85 हजार हाइली क्वालिफाइड, वेल ट्रेंड इंजीनियर के लिए 'चिप्स टू स्टार्टअप' प्रोग्राम बनाया गया है। जिसमें बी-टेक, एम-टेक, पीएचडी इंजीनियर्स को तैयार किया जाएगा।

जिंदगी की जंग हार गए ग्रुप कैप्टन वरुण सिंह, सीडीएस बिपिन रावत के साथ हेलिकॉप्टर हादसे में गंभीर रूप से हुए थे घायल

नई दिल्ली। तमिलनाडु के कुन्नूर में हेलिकॉप्टर हादसे में घायल हुए ग्रुप कैप्टन वरुण सिंह का भी बुधवार को निधन हो गया। वह सीडीएस जनरल बिपिन रावत के साथ हेलिकॉप्टर में यात्रा कर रहे 14 लोगों के दल में शामिल थे और हादसे में एक मात्र जिंदा बचे सैन्य अधिकारी थे। वायुसेना की ओर से उनके निधन की पुष्टि की गई है। भारतीय वायुसेना ने अपने ट्वीट में कहा है कि यह बताते हुए काफी दुख हो रहा है कि ग्रुप कैप्टन का इलाज के दौरान आज निधन हो गया। वे आठ दिसंबर 2021 को हुए हादसे में अकेले जिंदा बचे थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनके निधन पर शोक जताते हुए ट्वीट किया है। उन्होंने लिखा है कि ग्रुप कैप्टन वरुण सिंह को श्रद्धांजलि। देश के लिए उनकी सेवा को सभी भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने पराक्रम, अत्यंत पेशेवराना अंदाज से देश की सेवा की। उनके परिवार और मित्रों के प्रति मेरी संवेदनाएं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी उनके निधन

पर शोक जताया है। उन्होंने ट्वीट किया है-कअऋ पायलट ग्रुप कैप्टन वरुण सिंह के निधन से हुए दर्द को शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। वह सच्चे फाइटर थे, जिन्होंने अपनी अंतिम सांस तक जंग जारी रखी। वरुण सिंह देवरिया के कन्हौली गांव के रहने वाले थे। वह मूलरूप से फाइटर पायलट थे। साल 2007 से 2009 तक उनकी गोरखपुर में पोस्टिंग रही। वह जगुआर फाइटर प्लेन उड़ाते थे। गोरखपुर से उनका हैदराबाद तबादला हुआ था। वर्तमान में तमिलनाडु के वेलिंगटन में तैनात थे। वेलिंगटन स्थित डिफेंस एकेडमी के कार्यक्रम में सीडीएस रावत को हिस्सा लेना था, कैप्टन उनके साथ जा रहे थे, लेकिन पहले ही हादसा हो गया। ग्रुप कैप्टन वरुण सिंह, कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता व पूर्व विधायक अखिलेश प्रताप सिंह के भतीजे हैं। 12 अक्तूबर 2020 को फ्लाइंग कंट्रोल सिस्टम खराब होने के बावजूद, वरुण ने करीब दस हजार फीट की ऊंचाई से विमान की सफल लैंडिंग कराई थी। इसके लिए 15 अगस्त को राष्ट्रपति ने उन्हें शौर्य चक्र से सम्मानित किया था।

कश्मीर में राष्ट्र विरोधी नारे लगाने के आरोप में मां-बेटी गिरफ्तार, महिला थाने में भेजा

श्रीनगर। कश्मीर के रंगरेथ इलाके में राष्ट्र विरोधी नारे लगाने के आरोप में मां-बेटी को गिरफ्तार किया गया है। इन दोनों को महिला थाने में भेज दिया गया है। जानकारी के अनुसार, कश्मीर के रंगरेथ इलाके में मुठभेड़ के उपरांत मां-बेटी सड़क के बीचोबीच आ गए और देश विरोधी नारेबाजी करने लगे। इस घटना की तुरंत जानकारी मिलते ही पुलिस स्टेशन सदर के अधिकारी और जवान घटनास्थल पर पहुंच गए। इसी दौरान रामबाग महिला पुलिस स्टेशन से भी महिला पुलिस कर्मी भी पहुंच गई और राष्ट्र विरोधी नारेबाजी करने वाली मां-बेटी को गिरफ्तार कर लिया गया। इनकी पहचान अफरूजा पत्नी मुश्ताक अहमद सोफी और आशिया पुत्री मुश्ताक अहमद सोफी निवासी रोज एनक्लेव वानबाल रावलपोरा श्रीनगर के रूप में हुई है।इन दोनों के खिलाफ एफआइआर 209/2021 के अंतर्गत 147, 148, 149 और 326 धाराओं के अंतर्गत क्षेत्र में कानून और व्यवस्था की स्थिति को बिगाड़ने के संबंध में मामला दर्ज कर लिया गया है। फिलहाल इन दोनों को रामबाग पुलिस स्टेशन द्वारा गिरफ्तार किया गया है। यहां यह बता दें कि गत 13 दिसंबर को श्रीनगर के रंगरेथ इलाके में मुठभेड़ के दौरान दो आतंकियों को सुरक्षाबलों को मार गिराने में सफलता मिली थी। इस घटनाक्रम के उपरांत सुरक्षाबलों पर मां-बेटी ने पथराव कर राष्ट्र विरोधी नारेबाजी शुरू कर दी थी। सुरक्षाबलों ने लश्कर-ए-तैयबा के दो आतंकियों को मार गिराया था। इनमें से एक आतंकी ही पहचान आदिल अहमद वानी पुत्र बशीर अहमद वानी निवासी दरमदूरा शोपियां के रूप में हुई थी। आदिल ने पाकिस्तान में स्थित आतंकी शिविर में प्रशिक्षण लिया था और ए श्रेणी का आतंकी था। इस मुठभेड़ में मारा गया दूसरा विदेशी आतंकी था।

अयोध्या पहुंचे भाजपा शासित राज्यों के सीएम, नड्डा के साथ की सरयू घाट पर पूजा

अयोध्या। अयोध्या में पहली बार भाजपा शासित 11 राज्यों के मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री बुधवार को एक साथ रामलला के दर्शन करेंगे। देश में इस समय 11 राज्यों में भाजपा की सरकार है। देश के विभिन्न प्रांतों के मुख्यमंत्रियों का अयोध्या में प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यहां पहुंचने पर स्वागत किया। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा समेत सभी भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों व उपमुख्यमंत्रियों ने सरयू घाट पर पूजा-अर्चना की। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के नेतृत्व में भाजपा शासित राज्यों के सीएम अयोध्या पहुंचे हैं।

यहां पहुंचकर पत्रकारों से बात करते हुए जेपी नड्डा ने कहा कि यह दिल की तमन्ना थी कि यहां भव्य राम मंदिर बने। यह बहुत ही हर्ष का विषय है कि करोड़ों भारतीयों का सपना पूरा हो रहा है। काशी विश्वनाथ धाम का लोकार्पण हो जाने के बाद वहां मुख्यमंत्रियों की एक बैठक हुई। हम सभी राम लला के दर्शन करना चाहते थे। हम बन रहे भव्य मंदिर का निरीक्षण भी करना चाहते थे। मुख्यमंत्री समय-समय पर मिलते रहते हैं। चूंकि सभी काशी आए थे तो वो साथ में राम लला के भी दर्शन करना चाहते थे। मध्य प्रदेश के सीएम शिवराज सिंह चौहान, गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत, असम के सीएम हिमंता बिस्वा शर्मा और हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल भी अयोध्या पहुंचे हैं, जहां इन सब का स्वागत हुआ। त्रिपुरा के सीएम बिप्लब देव, बिहार की डिप्टी सीएम रेणु देवी, अरुणाचल के सीएम प्रेमा खांडू और मणिपुर के सीएम एन बिरेन सिंह अयोध्या पहुंचे चुके हैं। यहां यह लोग राम लला के मंदिर, हनुमान गढ़ी और सरयू घाट देखने जाएंगे। काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के लोकार्पण के बाद आज अयोध्या में 11 राज्यों के मुख्यमंत्री व उपमुख्यमंत्री का भ्रमण कार्यक्रम है। भ्रमण कार्यक्रम के मद्देनजर मंगलवार को डीएम नितीश कुमार व एसएसपी शैलेश कुमार पांडेय ने भ्रमण कार्यक्रम स्थलों का निरीक्षण किया। अफसरों की टीम ने हवाई पट्टी, पंचशील होटल, हनुमानगढ़ी, राम की पैड़ी, सरयू आरती स्थल, राम जन्मभूमि परिसर की व्यवस्था को देखा। अफसरों ने मौके पर मौजूद अधिकारियों से कहा कि आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली जाय। बताया गया कि महानुभावों का संभावित आगमन बुधवार को अयोध्या हवाई पट्टी पर दोपहर के आसपास होगा। इसके बाद बाईपास स्थित होटल जाएंगे। इसके बाद हनुमानगढ़ी, सरयू घाट, राम की पैड़ी और वहां से लौटकर श्रीराम जन्मभूमि परिसर का अवलोकन व दर्शन पूजन करेंगे। इसके बाद होटल पहुंचेंगे। फिर लखनऊ आदि के लिए प्रस्थान प्रस्तावित है। इस कार्यक्रम में कहीं भी मीडिया से वार्ता या संवाद नहीं है।

संसद में हमें बोलने नहीं दिया जा रहा, लखीमपुर हिंसा पर चर्चा जरूरी, केंद्रीय मंत्री अजय टेनी दें इस्तीफा : राहुल

नई दिल्ली। लखीमपुर खीरी हिंसा मामले में आज राहुल गांधी द्वारा लोकसभा में स्थगन प्रस्ताव नोटिस देने के बाद जमकर हंगामा हुआ, जिसके चलते सदन की कार्यवाही को दोपहर दो बजे तक के लिए स्थगित करना पड़ा। कार्यवाही शुरू होते ही सांसदों ने केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। वहीं इस मामले पर जब राहुल गांधी से सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार हमें बोलने नहीं दे रही है इसलिए सदन को बाधित किया जा रहा है। हमने कहा कि लखीमपुर खीरी हिंसा पर फैसला आ गया है और इसमें एक मंत्री शामिल हैं, चर्चा की अनुमति दी जाए। लेकिन वे चर्चा नहीं करना चाहते। वे चर्चा से भाग रहे हैं। दरअसल, एसआईटी जांच टीम के बयान के बाद राहुल गांधी समेत विपक्ष के कई नेता सरकार पर हमलावर हो गए हैं। एसआईची जांच टीम ने लखीमपुर खेरी हिंसा मामले में नई धाराएं बढ़ाते हुए मामले को दुर्घटना का नहीं बल्कि सोची समझी हत्या की साजिश बताया है। अब तक एसआईटी एक्सीडेंटल केस के साथ ही विकल्प के रूप में हत्या की धाराओं के साथ मैदान में थी, जबकि सोमवार को एसआईटी से जुडे. मुख्य विवेचक विद्याराम दिवाकर ने साफ कर दिया कि

बारीकी से जांच करने पर यह स्पष्ट हुआ है कि लापरवाही और उपेक्षापूर्वक गाड़ी चलाते हुए मृत्यु कारित करने का दुर्घटना मामला नहीं है बल्कि सोची समझी साजिश के चलते भीड़ को कुचलने हत्या करने और हत्या के प्रयत्न के साथ ही अंग भंग करने की साजिश का साफ-साफ मामला है। इसलिए केस को परिवर्तन करते हुए हत्या और हत्या के प्रयास के साथ ही अंग भंग करने की धाराएं लगाई जानी चाहिए।

चिंतन मनन

रैली से घिरी कांग्रेस

जनता के मुद्दों पर केंद्र सरकार को घेरने की कांग्रेस की हर कोशिश उसी के गले पड़ जाती है। भाजपा और केंद्र सरकार के खिलाफ माहौल बनना तो दूर खुद कांग्रेस अपनी जग हंसाई कर बैठती है। ऐसा एक नहीं कई बार हो चुका है। इस बार कांग्रेस की महारैली कारण बना है। दरअसल, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, गोवा सहित 5 राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव से ठीक पहले कांग्रेस महंगाई को सबसे बड़ा मुद्दा बनाने जा रही है। इसके लिए रविवार को पार्टी ने जयपुर में महारैली की। रैली में देश भर के कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता जमा हुए। लंबे समय के बाद गांधी परिवार यानी सोनिया, राहुल और प्रियंका एक मंच में नजर आए। लेकिन दिलचस्प यह है कि महंगाई के खिलाफ रैली करने के लिए कांग्रेस ने जिस राज्य का चयन किया। उस कांग्रेस शासित राज्य में पेट्रोल, डीजल और बिजली सबसे अधिक महंगी है, जिसका असर खाने पानी के समान से लेकर हर प्रकार के वस्तुओं पर पड़ता है। राजस्थान में पेट्रोल और डीजल पर उत्तर भारत के दूसरे राज्यों के मुकाबले अधिक वैट लिया जा रहा है। यहां तक कि कांग्रेस शासित राज्य पंजाब में भी राजस्थान के मुकाबले कम वैट है। राजस्थान में डीजल और पेट्रोल के भाव आसमान छू रहे हैं। ऐसे में दिल्ली के सियासी गलियारों में चर्चा है कि कांग्रेस को सबसे पहले अपने घर को ठीक करने की जरूरत है, क्योंकि राजस्थान में केवल अकेले पेट्रोल, डीजल ही महंगा नहीं है। शराब, बिजली, स्टाम्प, अन्य राज्यों की तुलना में बेहद ज्यादा है। कांग्रेस भले ही मोदी के दूसरे कार्यकाल में महंगाई को मुद्दा बनाकर घेरने की तैयारी कर ली हो, लेकिन यह बड़ी बात है कि गुजरात, उतर प्रदेश, हरियाणा और पंजाब राजस्थान के पड़ोसी राज्य हैं। इनमें तीन राज्यों में भाजपा की सरकार चल रही है, जबकि पंजाब में कांग्रेस की सरकार है। राजस्थान के ट्रांसपोर्ट वाले हो या टैक्सी चालक या फिर चारों राज्यों के बॉर्डर के नजदीक लगने वाले किसान हो, ज्यादातर लोग राजस्थान से तेल नहीं लेते। राजस्थान के साथ लगते हुए राज्यों की बात करें तो वहां पेट्रोल और डीजल के भाव में काफी अंतर है। राजस्थान में पेट्रोल 107 से 115 रुपए प्रति लीटर तक बिक रहा है। जबकि गुजरात, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और पंजाब में 94 से 95 रुपए प्रति लीटर ही पेट्रोल का भाव है। डीजल के रेट की भी करीब ऐसी ही स्थिति है। राजस्थान में और राज्यों की तुलना में बिजली भी महंगी है। राजस्थान में बिजली टैरिफ प्लान की बात करें तो 8.13 रुपए है। जिस पर राज्य सरकार सेस अलग से लेती है। इससे प्रति यूनिट बिजली 10 से 15 रुपए प्रति यूनिट तक पहुंच जाती है। वहीं हरियाणा की बात करे तो 5.65 रुपए है और उतर प्रदेश में 6.76 रुपए के हिसाब से बिजली मिल रही हैं। पंजाब में भी बिजली सस्ती है। इसी तरह स्टाम्प ड्यूटी पर भी सरकार अधिक पैसा जनता से वसूल रही है। गहलोत सरकार ने इन सभी चीजों पर सेस अलग से लगाया हुआ है। ऐसे में सवाल उठता है कि महंगाई के खिलाफ महारैली करने वाली कांग्रेस अपने राज्य राजस्थान में ऐसा कौन सा कदम उठा रही है, जिससे महंगाई को नियंत्रित करने में आसानी हो।

हो ऐक्शन तत्काल !

मिला है सबूत तो ।
हो ऐक्शन तत्काल ।।
जांच में खुलासा ।
फिर क्यों ये भौकाल ?
लोगों को धमकाना ।
कर दो अब तो बंद ।।
ठीक नहीं है लगता ।
विचरण ये स्वच्छंद ।।
दादागिरी नहीं चलेगी ।
दे दो त्यागपत्र ।।
आप के विचार अब ।
घूम रहे सर्वत्र ।।
राजनीति साफ-सुथरी ।
हैं करने को आए ।।
लिप्त गलत काम में ।
जो मन को है भाए ।।

-कृष्णेन्द्र राय

उन्हें बदचलन कहता है गोदी मीडिया...!

व्यवस्था में सुधार कठिन हैं पर असम्भव नहीं हैं। यदि होते तो केरला दिल्ली से लेकर पश्चिम बंगाल में लोग सत्ता के खिलाफ वोट न देते होते क्योंकि ज्यादातर सत्तायें इसी भ्रष्ट व्यवस्था को बनाये रखना चाहती है। जिसमें 5-7 फीसदी लोग सत्ता की मलाईदार कुर्सियों का 70 फीसद हिस्सा हड़पना चाहते आ

रहे हैं। कहीं पुजारियों, मठाधीशों को सत्ता की कुर्सी पर बैठा दिया जाता है। गैर अनुभवी इन लोगों के चलते लखनऊ से कुछ चतुर्वेदी, अवस्थी, दुबे जी, सिंह, सेंगर राज करने लगते हैं व दलित व पिछड़े वर्ग की युवतियों व महिलाओं का जीना दूभर कर दिया जाता है और सत्ता और इसके दलाल मस्ती से दूर से इसे मनोरंजन का खेल जैसा देखने लगते हैं। गोदी मीडिया इन महिलाओं को ही गलत बताने लगता है। यू.पी. का हाथरस और विधायक सेंगर काण्ड यही हालात बयान करता है जिसे सत्ता के दलाल सत्ता का शौर्य बताते हैं। मीडिया का एक वर्ग उसे जरूर कुछ उठाता है वरना गोदी मीडिया तो इसे सिर्फ बदचलन महिलाओं का कारनामा कहता आया है। इस ऊंची जाति द्वारा थोपी गई गलत व्यवस्था को बनाये रखना चाहते हैं। कम्युनिष्टों के कमजोर होने से व समाजवादियों की सत्ता के लिये बेचैनी से भी व्यवस्था के परिवर्तन का अभियान काफी कुछ कमजोर हुआ है। एक दौर में डॉ. राममनोहर लोहिया से लेकर जयप्रकाश नारायण व केरल के नमुद्रीपाद ए.के. गोपाल साहब कानपुर से दादा बनर्जी तक जिससे वहां उत्तर भारत के बीमारू राज्यों बिहार, राजस्थान, मध्य प्रदेश व यू.पी. जैसा जंगलराज केरल में नहीं है, तमिलनाडु में नहीं है। वहां कोई पुरानी परम्परा वाला योगी या पुजारी मुख्यमंत्री की कुर्सी पर नहीं बैठा है। व्यवस्था बदलने की उम्मीद ममता बनर्जी या केजरीवाल से जरूर है आम जनता को देखते हैं आगे क्या होगा।

व्यवस्था परिवर्तन करना चाहते देखे गये। ममता बनर्जी, ज्योति बसु, भट्टाचार्य तक परिवर्तन करना चाहते थे पर पूँजीवादी व्यवस्था लागू करने वालों व इसे बनाये रखने के समर्थकों भा.ज.पा. व कांग्रेसी आकाओं ने भ्रष्ट व गरीबों की जेब काटने वाली जातिवादी व्यवस्था को जारी करने के अभियान में साथ काम किया, अपना गांधीवाद समाजवाद का तमगा उतार फेंका।। आज तो देशभर में मुम्बई का डांगे साहब का न मजदूरों का आंदोलन बच पाया न उत्तर भारत के कानपुर व कोलकत्ता के मजदूरों व केरला का मजदूरों का आंदोलन बच पाया। केरला में शिक्ष का अलख काफी गहरा है जिससे वाम विचारों पर चलने वाले समझदारों की फौज आज भी बची है। कुछ कांग्रेसियों में गांधीवाद भी वहीं देखा जा रहा है।

विवाह की अनमोल भेंट

प्रायः देखा गया है कि अभी भी समाज का कुछ वर्ग दहेज के मायाजाल में उलझा हुआ है। विवाह का मूल उद्देश्य तो खुशहाल जिंदगी में निहित है, जो किसी भी धनराशि पर निर्भर नहीं है, परंतु विवाह की नींव इसी धनराशि को तय करने के बाद रखी जाती है। शंकर के माता-पिता दहेज को लेकर बहुत सारे सपने बुन रखे थे। जब उन्होने शंकर के सामने दहेज की बात रखी तो उसने अपनी उदार सोच उनके सामने रखी। उसने कहा कि मेरी जीवनसाथी की तुलना आप धनराशि से करना चाहते हो। मेरी होने वाली पत्नी भी तो किसी माँ की जिंदगी होगी। चौबीस घंटे अपनी गुड़िया के लिए सुंदर सपने बुनने वाली माँ की जान होगी। अपना सब कुछ लुटाकर उसकी खुशियों के लिए जीने वाले पिता के लिए उनकी बेटी के क्या मायने है यह शायद माता-पिता के लिए शब्दों में व्यक्त करना तो संभव भी नहीं है। वह तो अपने भाई-बहन की छाया और दोस्त होगी। उस परिवार की जिंदगी होगी। मैं तो विवाह के पश्चात यूंही अमीर बन जाऊंगा और आप मुझे पैसो के तराजू पर तौलने की कोशिश कर रहे है। जो माता-पिता उसके भावों को देखकर उसका दुःख-दर्द समझ जाते है, वह अब मुझे और मेरे परिवार को समझने में अपना सारा समय व्यतीत करेंगी। अपनी ख़्वाहिशों को भूलकर मेरे लिए सब कुछ त्याग करेंगी। उसके समर्पण, त्याग की मैं क्या कीमत लूँ। मैं इतना स्वार्थी नहीं होना चाहता। मेरी जीवनसाथी मेरे लिए अमूल्य है। मुझे दहेज के मायाजाल में नहीं फंसना है। इस लघुकथा से यह शिक्षा मिलती है कि यदि पुरुष अपनी उदार सोच का परिचय दे तो दहेज जैसी समस्या को मूल से समाप्त किया जा सकता है। समाज में परिवर्तन की दिशा में सबकों मिलकर प्रयास करने होंगे और अच्छी सोच का खुलकर स्वागत करना होगा। शंकर ने माता-पिता अंधभक्त बनना स्वीकार नहीं किया बल्कि पूरे तथ्यों के साथ अपने मनोभाव माता-पिता के सामने रखें और सही सोच को अपनाने पर बल दिया, इसलिए सदैव सत्य के लिए लड़े केवल आज्ञाकारी बनकर गलत निर्णय को स्वीकार न करें और न ही करने को बढ़ावा दे।

जब भारतीय सेना ने पाकिस्तान को किया मजबूर

भारतीय सैनिकों की वीरता की गाथाओं से हम परिचित हैं। आज जब भारत की सीमाओं पर शत्रु देश अवसर की ताक में है, तब हमारी सेनाएं अत्यंत चौकन्ना हैं और उसी वजह से हम सुरक्षित हैं और हमारा देश भी सुरक्षित है। आज हम स्मरण कर रहे हैं भारत के सैन्य शक्ति के उस शौर्य की, जिसमें 16 दिसंबर 1971 को भारत ने पाकिस्तान के 93 हजार सैनिकों को घुटने टेके पर मजबूर कर दिया।

आज हमारा देश ढाका विजय दिवस की 50वीं सालगिरह को एक यादगार के रूप में मना रहा है। यह दिवस आज इसलिए भी प्रासंगिक है, क्योंकि इस वर्ष भारत देश स्वतंत्रता का अमृत महोत्सव मना रहा है। दुनियां में एकमात्र इस सीधी लड़ाई 1971 में बांग्लादेश की आजादी को लेकर भारत और पाकिस्तान की सेनाओं के बीच हुई। इस सीधी लड़ाई में भारतीय सेना के नायक जगजीत सिंह अरोड़ा के सामने पाकिस्तान सेना के प्रमुख जनरल नियाजी ने अपने 93 हजार सैनिकों के साथ आत्म समर्पण किया था।

1969 में सेना प्रमुख सैम हॉरमुसजी फ्रेमजी जमशेदजी मानेकशॉ ने जेएफआर जैकब को पूर्वी कमान प्रमुख बना दिया था। जैकब ने 1971 की लड़ाई में अहम भूमिका निभाते हुए दुश्मनों को रणनीतिक मात दी थी। जैकब के मुताबिक 1971 में पूर्वी पाकिस्तान वर्तमान में बांग्लादेश में युद्ध के बादल मंडरा रहे थे। बेहतर जिन्दगी की तलाश में बांग्लादेश के शरणार्थी लाखों की संख्या में सीमा पार करके देश के पूर्वी हिस्सों में प्रवेश कर रहे थे। पूर्वी पाकिस्तान में लोग इस्लामी कानूनों के लागू होने और उर्दू को बतौर राष्ट्रीय भाषा बनाए जाने का विरोध कर रहे थे। इसलिए हालात ज्यादा खतरनाक हो गए थे। पाकिस्तानी फौज को आत्मसमर्पण के लिए मजबूर करने वाले जनरल रिटायर्ड जैकब फर्ज रफेल जेएफआर जैकब के मुताबिक भारत के तीखे हमलों से परेशान होकर पाकिस्तान सेना ने संयुक्त राष्ट्र के तत्वावधान में युद्ध विराम की पेशकश की जिसे भारतीय सेना ने अपनी चतुराई और पराक्रम से पाकिस्तान के पूर्वी कमान के 93000 सैनिकों के सरेंडर में बदल दिया। नियाजी के पास ढाका में ही करीब 30 हजार सैनिक थे जबकि भारतीय सैनिकों की संख्या लगभग तीन हजार रही। जैकब के मुताबिक उसके पास कई हफ्तों तक लड़ाई लड़ने की क्षमता थी। अगर नियाजी ने समर्पण करने की बजाय युद्ध लड़ता तो पोलिश रिजॉल्यूशन जिस पर संयुक्त राष्ट्र में बहस हो रही थी वह लागू हो जाता और बांग्लादेश की आजादी का सपना अधूरा रह जाता। लेकिन वह समर्पण के लिए तैयार हो गया। पूर्वी पाकिस्तान से बांग्लादेश बनाने में सबसे अहम

भूमिका मुक्ति वाहिनी की रही। मुक्ति वाहिनी ने बांग्लादेश की आजादी के आंदोलन में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। भारत में पूर्वी पाकिस्तान से लगातार आ रहे शरणार्थियों की समस्या से निपटने के लिए भारत की तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने मुक्ति वाहिनी को मजबूत करने का निर्णय लिया। इस फैसले के तहत मुक्ति वाहिनी को हथियार दिए गए।

इसके साथ ही युद्ध खत्म हो गया और बांग्लादेश का उदय हुआ। हार से तिलमिलाए नियाजी ने कहा जैकब ने मुझे ब्लैकमेल किया, हार से तिलमिलाए पाकिस्तान ने कुछ हफ्तों बाद चीफ जस्टिस हमीदुर रहमान को युद्ध जांच आयोग का प्रमुख बनाकर हार की वजह का पता लगाने का काम सौंपा गया। कमीशन ने जनरल नियाजी को तलब कर पूछा कि जब ढाका में उनके पास 26400 जवान थे, तब उन्होंने ऐसे शर्मनाक तरीके से क्यों समर्पण किया जबकि वहां पर सिर्फ कुछ हजार ही भारतीय फौज थी। जनरल नियाजी ने जवाब दिया, मुझे ऐसा करने पर मजबूर होना पड़ा। जेएफआर जैकब के मुताबिक 1971 की लड़ाई में पश्चिमी मोर्चे पर रक्षात्मक, आक्रामक और पूर्वी मोर्चे पर पाकिस्तान के खिलाफ युद्ध की बेहद आक्रामक रणनीति बनी थी। बारिश रुकने तक बांग्लादेश पर हमला न करने की बात जनरल जैकब ने कही थी। इस बीच जनरल ने युद्ध की सारी तैयारियां पूरी कर लीं। और जब युद्ध शुरू हुआ तो जनरल जैकब ने खुलना और चटगांव पर हमला बोलने के आदेश को नजर अंदाज करते हुए ढाका पर फोकस करना उचित समझा। जैकब जब ढाका के पास पहुंचे तो उनके पास 3 हजार जवानों की फौज थी जबकि नियाजी के पास करीब 30 हजार फौजी थे। लेकिन नियाजी जानता था कि बंगाली लोग उसके खिलाफ हैं। नियाजी ने संयुक्त राष्ट्र के नियमों के तहत युद्ध विराम समझौता करने की पेशकश कर दी। 16 दिसंबर को जैकब बिल्कुल निहत्थे हाथों में सिर्फ सरेंडर के कागज लेकर नियाजी के मुख्यालय पहुंच गए। समर्पण के कागज जैकब ने खुद ड्राफ्ट किए थे, लेकिन इस पर आलाकमान से मंजूरी नहीं मिली थी। इस बीच राजधानी में मुक्ति वाहिनी और पाकिस्तानी सेना के बीच युद्ध जारी था।

भारत की ओर से पूर्वी कमान का नेतृत्व कर रहे जेएफआर जैकब ने नियाजी से कहा मैं आपको भरोसा दिलाता हूँ कि आप अगर जनता के बीच आत्मसमर्पण करना चाहते हैं तो हम आपकी और आपके फौजियों की सुरक्षा की गारंटी लेते हैं। मैं तुम्हें 30 मिनट देता हूं। अगर तुम कोई फैसला नहीं कर पाए तो मैं हमले का आदेश दे दूंगा। बाद में नियाजी के दफ्तर से जैकब लौट आए। उस समय की घटना के संबंध में जैकब बताते है कि वे नियाजी के पास दोबारा पहुंचे और उन्होंने मेज पर समर्पण के कागजात रखे हुए थे। मैंने पूछा जनरल क्या आप इसे मंजूर करते हैं मैंने नियाजी से तीन बार पूछा। लेकिन उन्होंने जवाब नहीं दिया। इसके बाद पाकिस्तान सेना ने समर्पण कर दिया। 1971की लड़ाई में पाकिस्तानी सेना भारतीय फौजों के सामने सिर्फ 13 दिन ही टिक सकी। इतिहास की सबसे कम दिनों तक चलने वाली लड़ाइयों में से एक इस लड़ाई के बाद पाकिस्तान के करीब 93 हजार सैनिकों ने आत्मसमर्पण कर दिया था। आधुनिक सैन्य काल में इस पैमाने पर किसी फौज के आत्मसमर्पण का यह पहला मामला था।

राजनीति ने थामी धर्म की बैसाखी....?

हमारे भारतीय संविधान में चाहे धर्म और राजनीति को अलग-अलग खांचों में रखा हो, किंतु अब जबकि स्वार्थ, सत्ता और वर्चस्व ही राजनीति के लक्ष्य बना दिये गए हो, तो फिर संविधान की इस वर्जना को मानता ही कौन है? आज की राजनीति का एकमात्र लक्ष्य सत्ता है और जनसेवा का पूरी तरह लोप हो चुका है। इसीलिए मंहगाई विरोधी रैली में चर्चा मंहगाई की नहीं, बल्कि हिन्दू तथा हिन्दुत्व की की जाती है। देश की जनता को यह समझाया जाता है कि आज हिन्दुस्तान में सत्ता हिन्दू की नहीं बल्कि हिन्दुत्व वादियों की है और देश की असली हिन्दू (काँग्रेसी) सत्याग्रही और हिन्दुत्ववादी सत्ताग्रही है, कुल मिलाकर आज की राजनीति कभी टोपी पर केन्द्रीत रहती है तो कभी धर्म पर, जबकि ये राजनेता धर्म का क, ख, ग भी नही जानते। यही नहीं इनकी नजर में देश की नासमझ, अनपढ़ और अज्ञानी जनता को यह ज्ञान देना चाहते है कि गांधी जी हिन्दू थे और उनकी हत्या करने वाला नाथूराम गोड़से हिन्दूत्ववादी और आज देश में गांधीवादियों की नहीं गोड़सेवादियों की सरकार है।

वास्तव में इसमें ऐसा कहने और देश को ऐसा समझाने वालों की कोई गलती नहीं है, ये बैचारे तो आजाद भारत की पैदाईश है, इन्हें क्या पता कि भारत को आजादी के लिए किन संघर्षों के दौर से गुजरना पड़ा और संघर्ष झेलने वाले कौन थे? इनका दोष सिर्फ इतना है कि इन्होंने यह सब जानने-समझने की भी कौशिश नहीं की। जब आज देश का भविष्य ऐसे लोगों के हाथों में है तो सहज ही कल्पना की जा सकती है कि देश का भविष्य क्या व कैसा होगा?

आज प्रजातंत्र व लोकतंत्र

केवल दिखावे की वस्तु रह गई है, पिछले दिनों अन्तर्राष्ट्रीय मंच पर लोकतंत्र को लेकर लम्बी बहस हुई और मौजूदा लोकतंत्र को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति जो ब्राईडेन से लेकर भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र भाई मोदी तक ने चिंता व्यक्त की, किंतु क्या किसी ने भी यह जानने की कौशिश की कि लोक या प्रजा और तंत्र में आज सर्वोपरी कौन है और आज का कथित लोकतंत्र किसके भरोसे चल रहा है? अब तो लोकतंत्र व प्रजातंत्र केवल राजनीति में प्रदर्शन की वस्तु बनकर रह गए है और इसीलिए आज की राजनीति कौशिश की जाती है और इस स्पर्द्धा में जो विजयी रहता है, वह जनसेवा या लोकसेवा से दूर और सत्ता के निकट पहुंच जाता है और इन्हें इस स्थान पर पहुंचाने वाला फिर पांच साल के लिए उपेक्षित होकर अपने भाग्य के भरोसे हो जाता है।

आज की राजनीति की यही त्रासदी है और यह त्रासदी किसी राजनीतिक दल विशेष तक सीमित नहीं रहकर पूरी राजनीति या उससे जुड़े दलों तक विस्तारित है.... और जहां तक संविधान, कानून या नैतिकता का सवाल है, आज की राजनीति का इनसे दूर का भी कोई सम्बंध नहीं रहा, आज लोक या प्रजा अपने दुर्भाग्य पर आँसू बहाने को मजबूर है तो तंत्र राजनीति की कठपुतली बनने को विवश है, आज धर्म, राजनीति, मयार्दा, नैतिकता या संविधान की बात करने वाला महान अपराधी माना जाता है।

ऐसा कतई नहीं है कि मेरे द्वारा की गई व्याख्या को कोई समझने वाला नहीं है, देश में अभी भी जागरूकता, नैतिकता व ईमानदारी पूर्ण राष्ट्रभक्ति है, किंतु दुर्भाग्य यह है कि यह देश के अल्प संख्यक (जाति धर्म के नहीं) जनवर्ग के पास है और राजनीति के नगाड़ों के शोर में इनकी आवाज दबकर रह गई है, इसीलिए अब लोकतंत्र व प्रजातंत्र को समझने व मौजूदा परिवेश में समझाने की कौशिशें की जा रही है।

आपको सिर्फ घने बाल चाहिए या स्वस्थ बाल ?

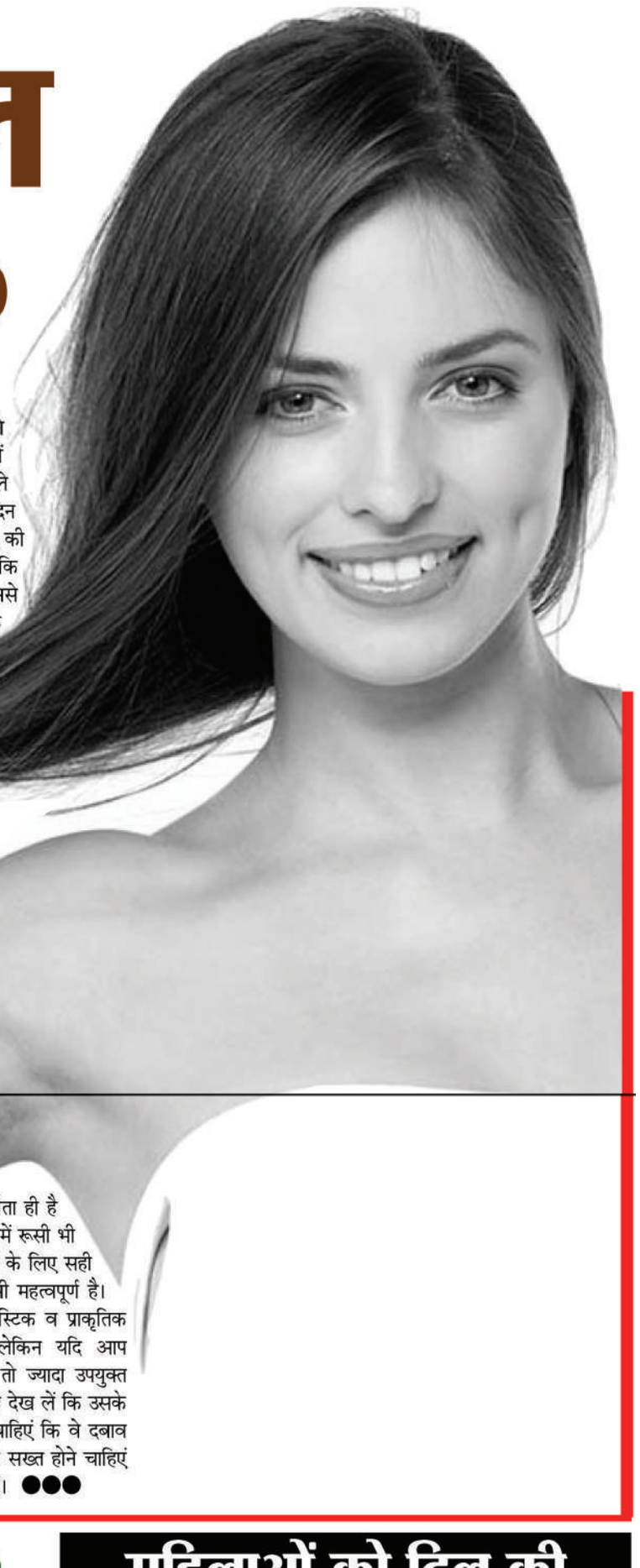

काले घने, लंबे व रेशम जैसे बालों की चाह हर महिला की होती है। लेकिन यह बात बहुत कम महिलाओं को पता होती है कि बालों के रूप व गुणों का सीधा संबंध उनके स्वास्थ्य से होता है और स्वास्थ्य का सीधा संबंध केशों को ब्रश या कंघी द्वारा सही ढंग से संवारने की आदत व तरीके से है।

पौष्टिक भोजन के साथ ही स्वस्थ वातावरण व केशों को संवारने के सही तरीके काफी हद तक उनके रूप व गुणों को तय करते हैं। लेकिन इस प्रक्रिया में ब्रशिंग व कोबिंग भी उतनी ही महत्वपूर्ण है जितना की खाना-पीना। यदि केशों में ब्रशिंग व कोबिंग को सही मात्रा में समय दिया जाए तो केशों के हर छिद्र में पर्याप्त आक्सीजन व पोषण आसानी से पहुंचेगा। लेकिन ब्रश करने का अर्थ केवल यही नहीं है कि जब भी समय मिले, कंघी करने बैठ जाएं। जरूरत से ज्यादा कंघी करने से केश टूट जाते हैं। ब्रश करने का सबसे सही तरीका है कि अपने शरीर को कमर से आगे की ओर झुका कर सिर को नीचे की तरफ झुका लिया जाए। ब्रश को गरदन के पीछे केशों की रेखा पर रख कर ब्रश का स्ट्रोक आगे माथे पर केशों की रेखा तक आने के बाद केशों के अंतिम सिरों तक लगाएं जिससे पूरे सिर की त्वचा पर ब्रश के दांतों की रगड़ महसूस होने के साथ ही केशों में कंपन भी महसूस हो।

ब्रशिंग के बाद केशों में फुलाव, बाडी व स्ट्रेंथ देने के लिए खुले केशों में ही ब्रश करने के तत्काल बाद शरीर को कमर से आगे की ओर इस प्रकार झुकाएं कि केश नीचे की ओर झूलने लगें। इसके बाद शरीर को सीधा करें व गरदन को पीछे की तरफ जितना झुका सकें, झुकाएं। इस क्रिया को पांच बार दोहराने के बाद अपने सिर को पांच बार कंधों की तरफ बारी-बारी से हिलाएं।

आप चाहें तो केशों में ब्रश कभी भी कर सकती हैं लेकिन किसी निर्धारित समय पर केशों में ब्रश करना ठीक रहता है। सुबह ब्रश करने से सिर के सभी तंतु जागरूक हो जाते हैं जिसके परिणामस्वरूप उनकी कार्यशीलता बनी रहती है। केशों में शैंपू करने से पहले ब्रश करना भी लाभदायक रहता है इससे उलझे हुए केश तो ठीक हो ही जाते हैं साथ ही नहाने के बाद आपको केशों को सुलझाने की मशक्कत भी नहीं करनी पड़ेगी। रात को सोने से पहले केशों में रबड़, पिन, क्लिप या दिन के समय की हुई किसी भी प्रकार की सेटिंग को खोल देना चाहिए ताकि मांसपेशियों को आराम मिले। इससे केशों में हवा का संचार ठीक प्रकार से तो होता ही है साथ ही उनमें रूसी भी नहीं लगती। केशों के लिए सही ब्रश का चुनाव करना भी महत्वपूर्ण है। वैसे तो बाजार में नाइलान, प्लास्टिक व प्राकृतिक ब्रिसल वाले ब्रश मिलते हैं लेकिन यदि आप प्राकृतिक ब्रिसल वाले ब्रश लें तो ज्यादा उपयुक्त रहेगा। ब्रश का चुनाव करते समय देख लें कि उसके ब्रिसल इतने कमजोर नहीं होने चाहिएं कि वे दबाव पड़ते ही मुड़ जाएं न ही वह इतने सख्त होने चाहिएं कि सिर की त्वचा को ही छील दें। ●●●

पौष्टिक भोजन के साथ ही स्वस्थ वातावरण व केशों को संवारने के सही तरीके काफी हद तक उनके रूप व गुणों को तय करते हैं। लेकिन इस प्रक्रिया में ब्रशिंग व कोबिंग भी उतनी ही महत्वपूर्ण है जितना की खाना-पीना। यदि केशों में ब्रशिंग व कोबिंग को सही मात्रा में समय दिया जाए तो केशों के हर छिद्र में पर्याप्त आक्सीजन व पोषण आसानी से पहुंचेगा।

हीनभावना को दूर करें पति-पत्नी

पति-पत्नी गृहस्थी के दो पहिए हैं। एक-दूसरे के बिना गृहस्थी की गाड़ी नहीं चल सकती। ऐसे में आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में किसी एक का हीनभावना से ग्रस्त हो जाना पूरे परिवार की गाड़ी में ब्रेक लगा देता है। हीनभावना का कारण चाहे कुछ भी हो परन्तु पति-पत्नी को एक-दूसरे की हीनभावना को दूर करने का प्रयास करना चाहिए। कई बार महिलाएं समझ ही नहीं पाती हैं कि उनके पति हीनभावना से ग्रस्त हैं। इसके लिए उनके व्यवहार में आए बदलाव को नोट किया जा सकता है। यदि पति आफिस से आकर अपने कपड़े तथा जूते-मोजे इधर-उधर फेंक कर कमरा अस्त-व्यस्त कर दे तो समझ जाइए कि उन्हें आफिस में कोई परेशानी है। कई बार होता यह है कि आफिस में महिला बॉस आ जाए और वह सख्ती शुरू करे तो पुरुष उसे आसानी से सहन नहीं कर पाते। महिला बॉस की एक-दो डांट से ही पुरुषों के मन में हीनभावना पनपने लगती है। कई बार पत्नी की खूबसूरती भी पति में हीनभावना पनपाने में सहायक होती है। हर कोई जब पत्नी की खूबसूरती की तारीफें करता रहे और पति को पूछे भी न और यह कहे कि तुम्हारी तो लाटरी खुल गई जो तुम जैसे को इतनी खूबसूरत पत्नी मिल

गई। ऐसे में पति के मन में हीनभावना पनपना स्वाभाविक ही है। अपने पति को हीनभावना से निकालना आपका कर्तव्य है। पहले तो प्रयास करें कि ऐसे लोगों से दूर रहें जो आपके गुणों के कारण नहीं बल्कि खूबसूरती के कारण आपकी तारीफ करते हैं। अपने पति को यह अहसास दिलाना जरूरी है कि आपकी नजरों में खूबसूरती से ज्यादा गुण महत्व रखते हैं और आप उन्हें इसीलिए चाहती हैं क्योंकि उनमें सब गुण मौजूद हैं। उन्हें बताइए कि आप उनके कुछ गुणों को अपनाना चाहती हैं। पति की उदासीनता के कई कारण माने गए हैं पर सबसे बड़ा कारण अहं होता है। जब किसी आदमी के अहं को ठेस पहुंचती है तो वह या तो दुनिया से स्वयं को काट लेता है या दुनिया पर हावी हो जाने की कोशिश करता है। जो व्यक्ति हावी हो जाता है वह अपनी हीनभावना की कड़वाहट को प्रसिद्धि पाने के प्रयास में उपयोग कर लेता है और जो व्यक्ति स्वयं को दुनिया से अलग कर एक जगह बंद हो जाता है उसका व्यक्तित्व ही समाप्त हो जाता है। कई बार पत्नी की शोहरत से ईर्ष्या कर के भी पति के मन में हीनभावना आ जाती है। पति के मन में यदि हीनभावना घर कर जाए तो वह आपको नजरअंदाज तो करेगा ही और बच्चों की तरफ भी ज्यादा नहीं ध्यान देगा। निश्चय ही वह अपने लिए बाहर कोई सहारा तलाश करेगा। यदि आप पत्नी होकर पति से अपने बर्थडे व अन्य खास बातें याद रखने को कहती हैं तो पत्नी होकर आपका भी दायित्व बनता है कि आप पति के साथ कदम से कदम मिला कर दांपत्य जीवन को सफल बनाएं न कि पति के हीनभावना से ग्रस्त होने पर उनका दामन छोड़ कर मायके चली जाएं। पति-पत्नी दोनों के ही कुछ कर्तव्य होते हैं। जब आपको पति ने कुछ हक दिए हैं तो उसी के साथ आपके कुछ कर्तव्य भी हैं जिनका पालन करना आपके लिए बेहद जरूरी है। आपको चाहिए कि पति की हीनभावना दूर करने के लिए भरसक प्रयास करें। ●●●

महिलाओं को दिल की बीमारियों का खतरा अधिक

दुनिया भर में दिल की बीमारियों के तेजी से बढ़ते मामलों के बीच महिलाओं के सामने इन बीमारियों का खतरा ज्यादा पैदा हो सकता है क्योंकि वे अक्सर दिल की बीमारियों को कमतर आंकती हैं। डॉक्टर उपेंद्र कौल के अनुसार, दिल से जुड़ी बीमारियों के मामले में महिलाएं भी पुरुषों से कहीं पीछे नहीं हैं। मधुमेह होने पर एक महिला में हृदयाघात की संभावना तीन से चार गुना ज्यादा हो जाती है। 29 सितंबर के दिन को वर्ल्ड हार्ट फेडरेान विश्व हृदय दिवस' के रूप में मनाता है। फेडरेान ने इस वर्ष (2012) को महिलाओं और बच्चों का दिल की बीमारियों से बचाव' के रूप में मनाने की घोषणा की है। डॉक्टर कौल कहते हैं कि महिलाएं अभी भी इस भ्रम से नहीं निकल पाई हैं कि हृदयाघात पुरुषों की बीमारी है'। जबकि महिलाओं में कम से कम आधी मौतों की वजह दिल की बीमारियों या इससे जुड़ी समस्याओं से होती हैं। पुरुषों को हृदयाघात होने पर सीने में दर्द होता है जबकि महिलाओं में यह कुछ अलग तरीके से भी हो सकता है।

कुछ महिलाओं को हृदयाघात आने पर सीने में दर्द नहीं होता। इसके साथ ही कुछ महिलाओं को कुछ अतिरिक्त लक्षण दिखाई पड़ते हैं। इन लक्षणों में कमर में दर्द, पेट के निचले हिस्से में दर्द, जबड़े में दर्द, सांस की कमी, उबकाई और उल्टी आना शामिल हैं। इन लक्षणों में बदलाव की वजह से अक्सर महिलाओं में हृदयाघात की पहचान में देरी हो जाती है जिससे आगे चलकर जटिलताएं और मौतों की संख्या बढ़ जाती हैं। हृदयरोग विशेषज्ञों का कहना है कि बेाक यह बीमारी व्यक्ति के वयस्क होने पर नजर आती है लेकिन इसकी नींव बचपन से ही पड़ जाती है। इसलिए रहन-सहन के सही तरीके और आदतों को जीवन के शुरूआती दौर से ही अपना लेना चाहिए। दिल के लिए स्वास्थ्यकारी खानपान और शारीरिक कसरत को गुरू से अपनाकर दिल से जुड़ी बीमारियों से बचा जा सकता है। हर व्यक्ति को रोजाना लगभग आधे घंटे का शारीरिक कार्य तो करना ही चाहिए। साथ ही खून में कोलेस्ट्रॉल का स्तर बढ़ाने वाली संतृप्त वसा की मात्रा को अपने भोजन में कम करें। इससे धमनियों से जुड़ी बीमारियों के खतरे को कम किया जा सकता है। रोज नियमित व्यायाम से वजन पर नियंत्रण करने में मदद मिलती है। इससे घातक हृदय रोगों का खतरा कम होता है। संतुलित खानपान समेत अन्य रहन-सहन से जुड़ी चीजों के साथ मिलकर इन अभ्यास का परिणाम और अच्छा आता है। ●●●

छुट्टियों के लिए अच्छी जगह तेनी

तमिलनाडु का महत्वपूर्ण जिला तेनी हॉलिडे के लिए परफेक्ट जगह हैं। यहां आपको ग्रामीण परिवेश की झलक मिलेगी। पश्चिमी घाट की गोद में बसा यह नया जिला अपने आप में कई जगह समेटे हुए हैं जैसे पेरियाकुलम, उत्तमपलायम और एंडीपति जो अपने हैंडीक्राफ्ट और हैंडलूम के लिए मशहूर है। तेनी वैसे तो शॉपिंग के लिए बेहतरीन माना जाता हैं पर यहां के मसालों की खुशबू देश-विदेश के पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती है। यहां आने पर शॉपिग करना न भूलें। यहां के मुलायम तौलिए, रसीले आम, और बेहतरीन सिल्क कॉटन बेहद खास हैं। मसालों की खुशबू से यह जिला हमेशा महकता रहता है। खुशबुदार इलायची, तीखी मिर्च, तरोताजा कर देने वाली काफी बींस और स्वास्थ्यवर्धक ग्रीन टी यहां की खास चीजों में शामिल है। तेनी अपने आप में इतनी खूबसूरती समेटे हुए हैं कि आपकी नजरें यहीं ठहर जाएंगी। मगर पर्यटन के हिसाब से यहां के और भी कई मुख्य आकर्षण हैं। तेनी को लैंड ऑफ डैम, टेंपल और वाटरफॉल भी कहा जाता है। यहां के बांध खूबसूरत पिकनिक स्पॉट भी हैं, जैसे सोदुपराई और शैनमुगनंदी डैम। सुरूली फाल्स यहां खूबसूरत वॉटरफाल में से हैं। तेनी हिंदुओं का तीर्थस्थान भी हैं। यहां कई मंदिर हैं। पूरे भारत से तीर्थयात्री यहां मंदिरों में दर्शन के लिए आते हैं। मुख्य मंदिर में गोमरियामन मंदिर, देवअदनपाती कामाक्षी मंदिर और बालासुब्रहमण्यम मंदिर हैं। इसके अलावा तेनी में कई और पर्यटक स्थल दर्शनीय हैं- जैसे मेघामलाई हिल्स, बोदी मेट्टू, पर्वसा उलागम बाटर थीम पार्क। फरवरी-मार्च में यहां त्योहारों और मेलों का मजा लिया जा सकता हैं। पोंगल, शिवरात्रि यहां धूमधाम से मनाई जाती हैं। त्योहारों के दौरान बैलगाड़ी की प्रतियोगिता यहां मुख्य आकर्षण है। तेनी आप कभी भी जा सकते हैं पर त्योहारों के समय यहां घूमने का मजा दुगुना हो जाता है। तेनी दूसरे शहरों से सड़क और रेल यातायात से बेहतर तरीके से जुड़ा हैं। नजदीकी हवाई अड्डा मदुरै है। ●●●

बड़े लोगों के गहरे संदेश

दुनिया भर के युवाओं को खासा प्रभावित करने वाले एलन का अपने नन्हें से बच्चे को गोद में लेकर यूं गंभीर चर्चा में शामिल होना, बड़ा संदेश दे सकता है। खासकर इस वर्क फ्रॉम होम वाले वक्त में।

दुनिया के सबसे अमीर शख्स एलन मस्क की सोशल मीडिया पर खूब चर्चा होती रहती है। दो हफ्ते पहले ही उनका वीडियो वायरल हुआ। जिसमें वह वर्चुअल मीटिंग कर रहे हैं। इस मीटिंग की सबसे खास बात है कि इस दौरान अनकी गोद में बच्चा मौजूद है। 16 माह का बेटा एलन की गोद में बैठ कर बीच-बीच में हाथ हिला रहा है और हंस भी रहा है। यह कोई साधारण मीटिंग नहीं है। बल्कि वह अंतरिक्ष अध्ययन बोर्ड के ऑन लाइन कार्यक्रम में बोल रहे थे। इस वीडियो को देखकर युवाओं का बड़ा वर्ग काफी प्रभावित हुआ। यूजर्स ने बाप-बेटे की खुलकर तारीफ की। बीते दिनों अपनी कंपनी के 92 लाख शेअर दो बार में बेचने वाले एलन के तीन शादियों से पांच बच्चे हैं। अपने फॅ लोवर्स को वह लगातार सलाहें देते रहते हैं और उनसे गंभीर मसलों पर राय भी मांगते हैं। दुनिया भर के युवाओं को खासा प्रभावित करने वाले एलन का अपने नन्हें से बच्चे को गोद में लेकर यूं गंभीर चर्चा में शामिल होना, बड़ा संदेश दे सकता है। खासकर इस वर्क फ्रॉम होम वाले वक्त में। जब पिताओं ने अपने काम के दबाव और बच्चों के हस्तक्षेप/टोका-टोकी से त्रस्त होने का रोना रोया। परिवारों में तो मांओं की ड्यूटी में बच्चों पर सख्तियां करना भी शामिल हो गया था। पिता जितनी देर मीटिंग करता, मां बच्चों को घुड़कियों, दबी आवाज में धमकियों और डराने में लगी रहती। जाहिर है, नौकरीयाफ्ता स्त्रियों के लिए घर से काम करना बेहद तनावपूर्ण होता हैं। खासकर नन्हें बच्चों वाले एकल परिवार में। जहां पति-पत्नी दोनों को स्क्रीन के सामने घंटों बैठना है। कहा जा सकता है कि एलन यह सब इस लिए कर सकते हैं क्योंकि वह अरबपति हैं। वह किसी की मुलाजमत नहीं कर रहे। लेकिन ऐसा क्यों नहीं हो सकता कि मालिकान/कंपनियां इतनी मानवता दिखाएं। अपने कर्मचारियों को इतनी सहूलियत दें कि वे बच्चों के साथ बेहतर वक्त बिताते हुए, अपना काम भी निपटाएं। इस हकीकत से मुकरा नहीं जा सकता है कि कुछ बच्चे उपद्रवी भी होते हैं। कुछ बेवजह तवज्जो के लिए चीख-चिल्ला या रो भी सकते हैं। थोड़ी बेतकुल्लफी को स्वाभाविक माना जाए। फेस बुक के मालिक मार्क जकरबर्ग ने अपनी दूसरी बेटी के जन्म के बाद बाकायदा दो महीने के पितृत्व अवकाश का एलान किया। ग्यारह हजार करोड़ डॉलर से ज्यादा संपत्ति के मालिक जकरबर्ग अपनी नन्हीं बच्चियों को सामने बिठाकर ना सिर्फ जूठे बर्तन धोते हुए फोटो वस्पाते हैं बल्कि उन्हें नन्हीं सी उम्र में कोडिंग सिखाने के वीडियो भी शेयर करते रहते हैं। ये नई लाइनें खींचने वाले लोग हैं। जिन्होंने सिर्फ अपनी समृद्धि और चकाचौंध से ही दुनिया को प्रभावित किया है बल्कि अपनी लाइफ स्टाइल और अतरंगी बर्ताव से भी गंभीर संदेश दे रहे हैं।

2017 मई में आस्ट्रेलियन सिनेटर लारिसा वाटर्स पार्लियामेंट में स्तनपान करवा कर दुनिया में ऐसा करने वाली पहली राजनीतिज्ञ बन गयी। अपनी दो माह की बच्ची को लेकर वह वोट देने के लिए आई थीं। बीबीसी वर्ल्ड सर्विस से वाटर्स ने इस पर कहा था- असल में, किसी का अपनी बच्ची को दूध पिलाना क्या इंटरनैशनल खबर है, वास्तव में यह बेतुकी बात है। औरतें हमेशा से ही दुग्धपान कराती आई हैं। मैं केवल अपने नवजात को दूध नहीं पिला रही थी बल्कि पार्लियामेंट की तमाम औरतों को संदेश भी दे रही थी। वाटर्स इस घटना से कुछ ही समय पहले फेसबुक पर लिख चुकी थीं - पारिवारिक व लचीला कार्यस्थल, हर किसी के लिए बच्चों की केयर करने वाला। लारिसा की वह तस्वीर दुनिया भर के अखबारों/पत्रिकाओं में प्रमुखता से छपी जरूर थी पर किसी ने उस गंभीरता को समझने की कोशिश तनिक नहीं की, जो वह संदेश दे रही थी। औरतें विभिन्न क्षेत्रों में परचम लहरा रही हैं। उनके संघर्ष दुनिया भर में समान हैं। जिन्हें छोटी-छोटी बात कह कर कंधे उचका लिए जाते हैं, वे दरसल औरतों के हौंसलों को छलनी कर देता है। मेरी पहली पुस्तक जब प्रकाशित हुई थी, मेरा बेटा बहुत छोटा था। वह जिद करके मंच पर साथ बैठा और मेरे वक्तव्य के दरम्यान लगातार करीब खड़ा श्रोताओं को निहारता रहा। अपनी वे तस्वीरें देखकर आज भी वह भावुक हो उठता है। ये साधारण से पल होते हैं, जो यकायक असाधारण बन जाते हैं। हम कोई जंग नहीं लड़ रहे होते, जो बच्चों को दबा-छिपा कर रखें। उन्हें तौर-तरीके सिखाना पालकों का काम है। वे बहुत संवेदनशील होते हैं। अपने इर्द-गिर्द से सीखते चलते हैं। काम, मेहनत, नतीजों और भावनात्मक अहसासात के दरम्यान संतुलन बनाना किसी व्यक्ति विशेष की नहीं, सारे समाज की जिम्मेदारी है। बेहतर कर्मचारी यदि बेहतरीन परिवारी भी हो तो ना सिर्फ उसकी ऊर्जा बढ़ेगी बल्कि वह सुकून से, उत्साह से और पहले से अच्छा काम कर सकेगा। ■

औरतें हमेशा से ही दुग्धपान कराती आई हैं। मैं केवल अपने नवजात को दूध नहीं पिला रही थी बल्कि पार्लियामेंट की तमाम औरतों को संदेश भी दे रही थी। वाटर्स इस घटना से कुछ ही समय पहले फेसबुक पर लिख चुकी थीं -

टैरो

ऋचा श्रीवास्तव
(15-21 दिसम्बर)

मेष -(21मार्च -20अप्रैल)- सोच एवं प्रतिभा से दूसरों को प्रभावित करेंगे। लगन एवं मेहनत से किये गए कार्य में सफलता अवश्य मिलेगी। वित्तीय परियोजनाओं को लेकर आगे बढ़ने का है। यदि परिवर्तन चाहते हैं तो अभी थोड़ा समय लगेगा। यदि दूसरी नौकरी का प्रयास कर रहे है तो प्रयास जारी रखें सफलता अवश्य मिलेगी। स्वास्थ का ध्यान रखें। समय पर उठें, खाएं एवं व्यायाम करें। कुछ समय संगीत सुनें। पारिवारिक जीवन में थोड़ी कटुता आ सकती है।

वृषभ (21अप्रैल -21मई)- चुनौतियों का सामना करें और कार्य ना छोड़ें। बदलाव का समय है। कुछ नया करने में ऊर्जा लगाएं। नौकरी में बदलाव की सम्भावना है। प्राथमिकताओं की सूची बनाएं, उसी के अनुसार कार्य करें। मूड में बदलाव हो सकता है। कार्य रोकने का मन हो सकता है पर कार्य लगन के साथ करते रहें, अंत में सफलता अवश्य मिलेगी। पारिवारिक जीवन में बहुत सोच समझकर एवं संभलकर चलना है। रिश्ते में प्यार एवं विश्वास बना कर चलें , किसी भी गलतफहमी के शिकार ना हों।

मिथुन (22मई -21जून)- ज्यादा चुनौतियां होंगी क्योंकि काम का दबाव बना रहेगा। काम के सम्बन्ध में मन मुताबिक सहयोग नही मिल पायेगा। अवांछनीय यात्राओं में हानि और परेशानी हो सकती है। खानपान एवं सेहत के प्रति लापरवाही ना बरतें। समय से उठें ,खाएं एवं व्यायाम करें। साझेदारी में सावधान रहें एवं किसी पर भरोसा करने से बचें। वैवाहिक जीवन में मनमुटाव की सम्भावना है। जीवन साथी की भावनाओं को समझने की कोशिश करें। आर्थिक निवेश के प्रति सतर्कता बरतें। क्रोध पर नियंत्रण रखें। पारिवारिक जीवन में संयम से काम लें।

कर्क (22जून -22जुलाई)- घाव छिपाते हुए स्वयं को आहत कर रहे है। दूसरों से मन की बातें व दर्द साझा करें ताकि घावों का उपचार हो सके। ऊर्जा का संचय करें व प्राथमिकताओं पर सम्पूर्ण ध्यान केंद्रित करें। काम में अत्यधिक व्यस्तता के कारण थकान का अनुभव करेंगी। अवकाश लेकर स्वयं को तरोताजा करने की जरु रत है। ध्यान एवं व्यायाम के लिए समय निकालें। कार्यक्षेत्र में सावधानी बरतें। तर्क वितर्क से बचें। धोखा मिल सकता है। निजी संबंधों को प्रेम से सींचें। आर्थिक निवेश करने से पूर्व अच्छे से जांच पड़ताल कर लें। परिवार के साथ समय बिताएं।

सिंह (23जुलाई -21अगस्त)- सप्ताह उत्तम फलदायक है। व्यवसाय व साझेदार से लाभ मिलने की सम्भावना है। प्रदर्शन उत्तम रहेगा। यदि बदलाव चाहते हैं तो समय अनुकूल है। पदोन्नति के भी योग हैं। परिवार में सुख समृद्धि बनी रहेगी। दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा । जीवन साथी का सहयोग मिलेगा। निर्णय लाभदायक होंगे। परिवार में मांगलिक कार्य अथवा उत्सव संभव है। भूमि और संपत्ति खरीदने के योग हैं। आर्थिक निवेश के लिए समय अनुकूल है। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। मित्रों से मुलाकात होगी। स्वास्थ्य में सुधार होगा। संतान पक्ष से कोई खुशखबरी मिल सकती है।

कन्या (22अगस्त-23सितम्बर)- आजीविका में बहुत उज्जवल है। किसी वरिष्ठ महिला अधिकारी का सहयोग मिलेगा। वातावरण सुखद होगा। मेहनत और लगन से किये गए कार्य में अनुकूल लाभ मिलेगा। नए मित्र बनाएंगे। मनोरंजन गतिविधियों में शामिल होंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। किसी महत्वपूर्ण कार्य को तय समय में पूरा करने से लाभ प्राप्त होगा। पारिवारिक जीवन मधुर होगा। जीवनसाथी का सहयोग एवं सानिध्य प्राप्त होगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। जीवन शैली में बदलाव लाएं। व्यायाम अथवा योग के लिए समय निकालें। आर्थिक निवेश के लिए समय अनुकूल है।

तुला (24सितम्बर -23अक्टूबर)- फाइनैंशयली मजबूत रहेंगे। सम्पति में इजाफा होने की सम्भावना है। करियर में काफी अच्छा रहेगा , नई नौकरी मिल सकती है। पार्टनर के साथ मिलकर नया व्यवसाय भी शुरू कर सकते है। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। लम्बे समय से बीमार की सेहत में सुधार देखने को मिलेगा। पारिवारिक जीवन मधुर होगा। जीवन साथी का सहयोग एवं सान्निध्य प्राप्त होगा। धार्मिक कार्यो में रूचि बढ़ेगी। अविवाहित के विवाह का योग बन रहा है।

वृश्चिक (24अक्टूबर -22नवम्बर)- प्रेम संबंधों में कोई वादा ना करें, जो आगे जाकर विवादों में डाल दे। खान पान का ध्यान दें। समय पर सोएं। सुबह सूर्य नमस्कार करें। उत्साह बनाये रखें और साहस के साथ चुनौतियों का सामना करें। समस्याओं का हल निकालें। मेहनत के बदले ख्याति मिलेगी। टीम को साथ लेकर चलें। महिला अधिकारी का सहयोग प्राप्त होगा। पारिवारिक जीवन में मतभेद की सम्भावना है। दाम्पत्य जीवन में एकदूसरे को समय दें एवं बातचीत के द्वारा मतभेद को दूर करने की कोशिश करें। वाणी पर संयम रखें।

धनु (23नवम्बर -22दिसम्बर)- सकारात्मक ऊर्जा से ओतप्रोत रहेंगे। किसी बड़े कार्य की शुरु आत करेंगे। बुद्धिमत्ता एवं मेहनत से कार्य को सफलतापूर्वक आगे ले जायेंगे। नौकरीपेशा जातकों का रु तबा बढ़ेगा। पदोन्नति और अच्छी नौकरी मिलने की सम्भावना है। व्यापर में लाभ होगा। दाम्पत्य जीवन में मधुरता आएगी। विवाह का योग बन रहा है। संतान पक्ष से खुशखबरी प्राप्त हो सकती है। निवेश के लिए समय अनुकूल है। खान पान पर ध्यान दें। नियमित व्यायाम करें। स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही ना बरतें।

मकर (23दिसम्बर-20जनवरी)- साथियों और अधिकारीयों के साथ कुछ तर्क वितर्क कर सकते है। वांछित परिणाम पाने के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी। काम पर लगातार ध्यान देने से सफलता मिलेगी। अगर कार्यक्षेत्र बदलना चाहते हैं तो धैर्य से काम लें। अगर किसी बात की उलझन हो तो किसी जानकार व्यक्ति से सलाह लें। आर्थिक निवेश बहुत सोच समझकर करें अन्यथा पैसा फंस सकता है। व्यवसाय अथवा नौकरी में उतार चढाव आते रहेंगे। पारिवारिक जीवन में परेशानियां आ सकती है । इसीलिए स्वयं पर नियंत्रण बनाये रखें और बुद्धि को भ्रमित ना होने दें। दाम्पत्य जीवन में मतभेद की सम्भावना है।

कुम्भ (21जनवरी -19फरवरी)- यात्रा करते वक्त सावधानी बरतें। जोखिम भरे कार्य ना करें। नकारात्मक विचारों से दूर रहें। साझेदारी या व्यापार में कोई भी निर्णय लेने दें जल्दबाजी ना करें। आय के नए स्त्रोत खुलने के योग बन रहे हैं। मेहनत और लगन से कार्य करते रहें। पदोन्नति की संभावना है। पति पत्नी एक दूसरे के साथ समय व्यतीत करने की कोशिश करें, बिखर चुकी चीजों को पुनः संगठित करने में ऊर्जा लगाएं। वहां चलते समय सचेत रहें। परिवार में सुख समृद्धि बनाये रखने के लिए व्यवहार में बदलाव करना होगा।

मीन (20फरवरी -20मार्च)- विचारों का आदान प्रदान करने में समय बिताएंगे। रोजगार में की गयी मेहनत रंग लाएगी। कई तरह की व्यावसायिक संभावनाएं रहेंगी , जो आपके करियर और प्रतिष्ठा को बढ़ाएंगी। अगर रोजगार की तलाश में है तो समय अनुकूल है। पदोन्नति के भी योग है। जीवन साथी के संबंध मधुर होंगे। परिवार में मधुरता बनी रहेगी। दयालु और उदार बने रहकर प्रियजनों के और करीब आ जायेंगे। धन को लेकर सतर्क रहें। खर्च बढ़ सकता है। खान पान का विशेष ध्यान दें। ■

कैबेज रोल

सामग्री- फ्रेश कैबेज का पत्ता 8-10,कद्दूकस किया पनीर 200 ग्राम, कद्दूकस किया नारियल 2 चम्मच, बारीक कटा प्याज 2, अदरक लहसुन पेस्ट एक चम्मच,कटी हरी धनिया एक चम्मच, नमक स्वादानुसार, तेल आवश्यकतानुसार, 2-3 हरी मिर्च कटी हुई, 50 ग्राम मटर गाजर बारीक कटा दो कैपसीकम एक बारीक कटा हुआ, एक चम्मच, कार्न फ्लोर दो चम्मच , बेसन 100ग्राम, ,लाल मिर्च पाउडर एक चम्मच, हल्दी एक छोटा चम्मच,एक चम्मच, नींबू का रस।

विधि-सबसे पहले बंध गोभी के पत्ते को हल्का सा उबाल लें। एक प्लेट में पत्ते को बिछाए। फिर कढ़ाही में तेल डाल कर गरम करें। अब इसमें प्याज डालकर सुनहरा होने पर बारीक कटा कैपसीकम, गाजर और छीला हुआ मटर , कद्दूकस किया नारियल और पनीर को मैश करके डाल दें। सारे मिश्रण को अच्छे से पकाएं। अब अंत में नींबू का रस डालें। गैस बंद कर दे। पूरे मिश्रण को एक प्लेट में निकाल लें। एक बाउल में बेसन,कार्नफ्लोर, लाल मिर्च पाउडर, हल्दी पाउडर, नमक और अंदाज भर पानी डालकर बैटर तैयार कर लें। अब बंध गोभी के पत्ते में थोड़ा मिश्रण डाल कर उसे रोल के आकार में लपेट लें। कढ़ाही में तेल डालकर गरम करें। अब इस बंधगोभी रोल को बैटर में डूबोकर गरम तेल में डाल दें । दोनों तरफ सुनहरा होने तक तले। तैयार हो गया कैबेज रोल। गरमा-गरम सॉस के साथ परोसें ।

वेज कबाब

सामग्री- 200 ग्राम कद्दूकस किया गाजर, 100 ग्राम पनीर, आधा कप कॉर्न फ्लेक्स (दरदरा पीसा हुआ). एक चम्मच अदरक लहसुन पेस्ट,एक चम्मच खटाई, एक चुटकी चाट मसाला, 8-10 बारीक कटे काजू, नमक स्वादानुसार, तलने के लिए तेल

विधि- एक बर्तन में कद्दूकस किया गाजर, पनीर . अदरक लहसुन पेस्ट, खटाई, चाट मसाला को अच्छी तरह मिला लें। तैयार मिश्रण से छोटी और बराबर आकार की लोईयां बना लें। एक लोई लेकर इसके बीच में थोड़ी काजू डालकर फिर से गोल करें। और कबाब का आकार दें। इसी तरह से सारे लोईयों से कबाब बना लें। एक प्लेट में कार्नफ्लावर पाउडर फैला कर रख लें। इस कबाब को कॉर्न फ्लेक्स पाउडर पर अच्छी तरह लपेट लें। मीडियम आंच पर फ्राई पैन रखें। पैन गरम होन पर तेल डालें। तेल गरम हो जाने के बाद एक साथ 4-5 कबाब रखकर दोनों तरफ सुनहरा होने तक सेंक लें। तैयार हो गया वेज कबाब हरी चटनी के साथ खाएं और खिलाएं।

आलू बड़ा

सामग्री- आलू दो उबले हुए, पनीर एक कप कद्दूकस किया हुआ, दही दो कप, कार्नफ्लॉवर 2 बड़े चम्मच, हरी मिर्च 2-3 बारीक कटा हुआ। अदरक आधा इंच कद्दूकस किया हुआ. भूना जीरा दो बड़े चम्मच, लाल मिर्च पाउडर 1/2 चम्मच, काली मिर्च पाउडर 1/2 चम्मच, काला नमक 2 चम्मच, तलने के लिए तेल, दो चम्मच कटी हुई धनिया, स्वादानुसार नमक

विधि- सबसे पहले उबले आलू को मैश कर लें। उसमें कद्दूकस किया हुआ पनीर मिलाएं। अब दोनो को अच्छे से मिलाएं। इस मिश्रण में कार्नफ्लॉवर अदरक, हरी मिर्च और नमक भी डालें और अच्छी तरह गूंथ लें। गूंथी हुई सामग्री में से थोड़ा सा मिश्रण लें और उसे हथेली में रखकर गोले बड़े के आकार का बना लें। अब बड़ा तलने के लिए कढ़ाही में तेल डालें और गरम करें। तेल जब अच्छी तरह गरम हो जाए तो उसमें तीन-चार बड़े कढ़ाही में डालें और उन्हें दोनों तरफ से उलट-पूलट करकें सुनहरा होने तक तल लें। तले हुए बड़े को प्लेट में निकाल कर ऊपर से दही, नमक, काला नमक, भुना हुआ जीरा, काली मिर्च पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, मीठी चटनी और हरी चटनी और धनिया पत्ती डालें। स्वादिष्ट आलू बड़ा तैयार है।

पांच साल की उम्र में मोटापा

■ क्षमा शर्मा

यही है जिंदगी

हाल ही में नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे में बताया गया कि देश में पांच साल तक के बच्चों में मोटापा तेजी से बढ़ रहा है। सिर्फ बच्चे ही नहीं स्त्री और पुरु ष, भी मोटे हो रहे हैं। इसी सर्वे में यह भी बताया गया कि गोवा, दमन द्वीप, दादर नगर हवेली, तमिलनाडु में बच्चों के मोटापे में कमी आई है। आखिर इसकी वजह क्या है। मोटापा बढ़ने का कारण कम शारीरिक गतिविधियां बताया जा रहा है, तो क्या इन इलाकों के बच्चे अधिक शारीरिक गतिविधियां करते हैं। ज्यादा खेलते-कूदते हैं, पैदल चलते हैं। क्या उनके खान-पान की आदतें भी ठीक हैं। क्योंकि शारीरिक गतिविधियों में कमी के अलावा मोटापे का दूसरा कारण परिवारों की आय का बढ़ना भी माना गया है। जब आय बढ़ती है तो खान-पान के तौर-तरीके भी बदलते हैं।

घर के बनाए खाने के मुकाबले बाहर से मंगाकर खाने पर जोर बढ़ता है। हम जानते हैं कि बाहर का खाना अतिरिक्त कैलोरीज, चीनी, नमक से भरपूर होता है। इस कारण शरीर में अतिरिक्त कैलोरी मोटापे को बढ़ाती है। इसके अलावा शहरी इलाकों में बहुत-से स्कूल ऐसे भी हैं, जहां खेलने कूदने की जगह बहुत कम होती है। कोरोना काल में वैसे भी बच्चे घर से बाहर कम निकले हैं। उनकी शारीरिक गतिविधियों में कमी भी आई है।

इसके अलावा स्कूलों की कैंटीन में पाया जाने वाला जंक फूड भी बच्चों में बढ़ते मोटापे के लिए जिम्मेदार है। कई प्रदेशों ने स्कूल कैंटीन्स में जंक फूड बेचने पर पाबंदी भी लगा दी है, लेकिन स्कूलों के आसपास की दुकानों में यह खूब मिलता है। फिर अपने यहां आने वाले विज्ञापनों को देखकर भी बच्चे ऐसे पदार्थ खाने की मांग करते हैं। इसके अलावा अपने साथ पढ़ने वाले,खेलने वाले बच्चों को खाते देखकर भी वे वैसी ही चीजें मांगते हैं। अगर माता-पिता मना भी करें तो नहीं मानते। रूठ जाते हैं। बहुत से माता-पिता कहते है कि अगर ऐसे खाद्य पदार्थ बाजारों में न मिलें तो बच्चे खाएं ही क्यों, लेकिन एकतरफ उद्योग है, जो अपने उत्पाद को बेचने के लिए तरह-तरह से हार्ड मार्केटिंग का सहारा लेते है तो दूसरी तरफ बच्चे का स्वास्थ्य है। बहुत-से लोग कहते है कि अगर इस तरह से उद्योग बंद हों, तो लोग बड़ी संख्या में बेरोजगार हो जाएंगे इसलिए माता-पिता और स्कूल इन बातों पर ध्यान दें कि बच्चे इस तरह से जंक फूड न खाएं। जबकि अकसर इस तरह उत्पादों से बच्चों को लुभाया जा सके इसके लिए तरह-तरह के आकर्षक संगीत, खान पान के उत्पादों के रंग-बिरंगे चित्र ही प्रस्तुत नहीं किए जाते, ऐसे विज्ञापनों में अक्सर बच्चों को दिखाया जाता है।

लेकिन क्या बच्चों के स्वास्थ्य के साथ इस तरह से खिलवाड़ किया जा सकता है। दशकों पहले ब्रिटेन की सरकार ने अपने यहां जंक फूड बनाने वाली कंपनियों को चेतावनी दी थी कि वे अपने उत्पादों की हार्ड मार्केटिंग बंद करें। वरना सरकार कड़ा एक्शन लेगी। सरकार की इस चेतावनी का जंक फूड बनाने और बेचने वाली कंपनियों पर खासा असर हुआ था। क्या अपने यहां भी ऐसा कुछ हो सकता है। जहां तक शारीरिक गतिविधियों की बात है, इसे अनुभव से भी जाना जा सकता है कि शहरों की तो छोड़िए, इन दिनों गांवों में भी बहुत से लोग पैदल नहीं चलते, अकसर बाइक्स का इस्तेमाल करते हैं। साइकिल चलाने में जो श्रम करना पड़ता था, बाइक में वह भी नहीं करना पड़ता है। बच्चे भी पैदल चलने के मुकाबले बस में स्कूल जाते हैं। दुख की बात यह है कि पैदल चलने को हैसियत के विरुद्ध समझा जाने लगा है जबकि यदि बच्चों को बचपन से ही पैदल चलने की आदत डाली जाए, तो वे जीवन भर इसका पालन कर सकते हैं और बहुत से रोगों से बच सकते हैं। ■

विंटर फेस पैक

■ शहनाज हुसैन

ब्यूटी

पैक्स को मौसम और व्यक्तिगत जरूरतों के अनुसार चुनना चाहिए। मॉइस्चराइजिंग और पौष्टिक पैक सर्दियों की देखभाल और सामान्य से शुष्क त्वचा के लिए है, इसे मॉइस्चराइज करने और महीन रेखाओं को बाहर निकालने में मदद करते हैं। सर्दियों में नमी की कमी के कारण त्वचा में नमी की कमी और रूखापन होने लगता है। अगर त्वचा बहुत शुष्क है, तो दानेदार पैक का उपयोग करने से बचें। ऐसे पैक का प्रयोग करें जो त्वचा को नमी बनाए रखने में मदद करें। शुष्क त्वचा के लिए, एक मॉइस्चराइजिंग और पौष्टिक पैक का उपयोग किया जाना चाहिए जिसमें शहद, एलोवेरा, संतरे का रस, दूध की मलाई (मलाई), दही, बादाम का तेल (बादाम रोगन) आदि सामग्री शामिल हो।

यहां सर्दियों के लिए कुछ फेस पैक दिए गए हैं

- एक अंडे की जर्दी में आधा चम्मच शहद और एक चम्मच सूखे दूध का पाउडर का पेस्ट बनाएं और चेहरे पर लगाएं। 20 मिनट बाद सादे पानी से धो लें।
- तैलीय और मुंहासे वाली त्वचा के लिए एक चम्मच शहद, एक अंडे का सफेद भाग और एक चम्मच दही मिलाएं और साथ में मुल्तानी मिट्टी (मुल्तानी मिट्टी) डालें। तैयार पेस्ट को चेहरे पर लगाएं। 20 मिनट बाद पानी से धो लें।
- गाजर को कद्दूकस करके चेहरे पर 15 से 20 मिनट के लिए लगाएं। इसके बाद सादे पानी से धो लें। गाजर विटामिन ए से भरपूर होती है और सर्दियों में त्वचा की समस्याओं के लिए लाभदायक है।
- पके पपीते का गूदा बनाकर चेहरे पर लगाएं। पपीते में मृत कोशिकाओं को नरम करके और उन्हें हटाने में मदद मदद करता है।
- पका हुआ एवोकाडो, एक चम्मच नारियल का तेल, दही और शहद मिलाकर पेस्ट बनाएं। बाद में इसे चेहरे पर लगाएं और इसे 20 मिनट के लिए छोड़ दें। इसके बाद पानी से धो लें।
- एक चम्मच चोकर (गेहूं का चोकर), एक चम्मच संतरे के छिलके का पाउडर और दही और एक चम्मच एलोवेरा जेल लें। एक साथ मिलाकर इसे अपने त्वचा पर लगाएं। 30 मिनट के बाद इसे पानी से धो लें।
- एक चम्मच संतरे के रस में शहद मिलाकर चेहरे पर लगाने से यह मुलायम हो जाता है। इसे 20 मिनट बाद पानी से धो लें।

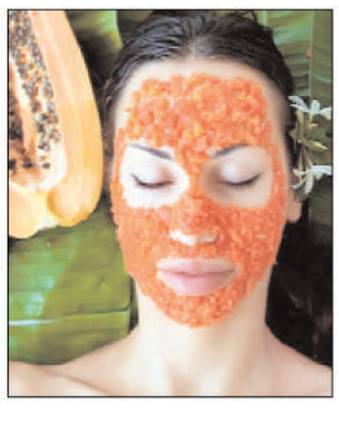

चित्रकूट : पावन तपोभूमि पर महाकुंभ में भई संतन की भीड़.., हिंदू एकता के लिए दिखे सभी गंभीर

कानपुर। तपोभूमि चित्रकूट में जगद्गुरू तुलसी पीठाधीश्वर पद्म विभूषण स्वामी रामभद्राचार्य की पहल पर आयोजित हिंदू एकता महाकुंभ में बुधवार की सुबह से पावन धरती पर चाहे पंथ अनेक हों-हम सब हिंदू एक हों... की गूंज सुनाई दे रही है। हिंदू एकता के मंच पर देश के प्रमुख हिस्सों से आए संतों की भीड़ है तो सभी जन हिंदू एकता के लिए खास गंभीर हैं। मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत के साथ जगद्गुरु ने शंखनाद और वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच दीप प्रज्वलन करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया है। मंच पर मौजूद समेत संत समाज, हिंदू संगठनों और राजनीती से जुड़ी तमाम हस्तियों ने वंदे मातरम गान किया और हिंदू एकता पर बल दिया। श्रीराम की संकल्प एवं पावन तपोभूमि चित्रकूट में नया बस अड्डा बेड़ा पुलिया के पास हिंदू एकता महाकुंभ की औपचारिक शुरूआत तो मंगलवार को कलश यात्रा के साथ हुई। लेकिन बुधवार को खास कार्यक्रम में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत, श्रीश्री रविशंकर, ज्ञानानंदजी गीता मनीषी, सद्गुरु ब्रह्मेश्वरानंद, महानिवार्णी अखाड़ा से रविंद्र पुरी, आचार्य लोकेश मुनि, साध्वी ऋतंभरा, स्वामी चिदानंद सरस्वती, रमेशभाई ओझा,

निंबाकाचार्यश्री जी महाराज, आचार्य रामचंद्र दास, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के प्रतिनिधि केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे समेत संत समाज के लोग मंच पर मौजूद हैं। शंखनाद और वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम की शुरूआत हो चुकी है। श्री श्री रविशंकर ने कहा कि जब अन्य लोग एकत्र होते हैं तो दहशत होती है, जबकि हिंदू एक होता है तो देशहित के कार्य होते हैं। जो ईश्वर को नहीं मानते उनकी देशभक्ति पर बहुत बड़ा सवाल है। 12 बिंदुओं पर जो मंथन हो रहा है, वह वाकई सराहनीय है। वासुदेवानंद सरस्वती जी महाराज ने कहा कि हिंदुओं को बिखरना नहीं चाहिए। हमें खरबूजा दिखना चाहिए संतरा नहीं। बाहर भले ही धारियां हों लेकिन भीतर से एक हों। गऊ माता को जिंदा दफना दिया जा रहा है। सड़क पर बेहाल घूम रही हैं, गऊ और ब्राह्मण की रक्षा होनी जरूरी है। हर व्यक्ति घर में गाय बैल जरूर पालें।

उन्होंने कहा कि माध्यमिक शिक्षा में संस्कृत को अनिवार्य किया जाना चाहिए। संस्कृत पाठशालाओं में शिक्षकों की नियुक्ति हो तो ताकि जो संस्कार व संस्कृति चाहते, वह मिले। हमें एक होना चाहिए। पंजाब के महंत ज्ञानवीर सिंह ने कहा कि हम सब एक हों। हिमालय के हिंदू पर्वत से लेकर कन्याकुमारी तक हिंदुस्तान एक है, इसमें हमारा जन्म हुआ। यहां जन्म लेने वाले हिंदू हैं। आप अपने मूल में आ जाएं। भूला हुआ घर लौटे तो भूला नहीं कहते। अव्वल अल्लाह नूर उपाया, कुदरत के सब बंदे। एक नूर से जग उपजया, कौन भला कौन चंगे। कार्यक्रम में चिदानंद सरस्वती मुनि जी महाराज ने कहा कि मंदाकिनी तट पर आरती का बीड़ा उठाएं। रामचंद्र दासजी महाराज ने हम दो हमारे दो का संकल्प कराया और सरकार से आह्वान किया कि दो बच्चे वालों को ही वोट का अधिकार दिया जाए। साध्वी ऋतंभरा ने कहा कि शादी बंधन में बंधने से पहले सुनिश्चित करें तन और मन कोरा और पवित्र हो। हिंदुओं के बच्चों को तुलसी के पौधे, गंगाजल से सींचा जाए।

आगरा के पूर्व विधायक भगवान सिंह कुशवाहा हुए भाजपाई, लखनऊ में ली पार्टी की सदस्यता

आगरा। विधानसभा चुनाव का बिगुल अभी बजा नहीं है, लेकिन रणबांकुरे अपने-अपने खेमे तलाशने में जुट गए हैं। खेरागढ़ विधानसभा क्षेत्र का दो बार प्रतिनिधित्व कर चुके पूर्व विधायक भगवान सिंह कुशवाह ने बुधवार को लखनऊ में भाजपा का दामन थाम लिया है। वे लंबे समय से पार्टी के संपर्क में थे। पूर्व विधायक भगवान सिंह कुशवाह लंबे समय से भाजपा के संपर्क में थे। गत माह भी उनकी पार्टी की सदस्यता लेने की खबरें चर्चा में आई थीं, लेकिन बात कहीं अटकी हुई थी। पूर्व विधायक कुशवाह ने खेरागढ़ सीट से वर्ष 2007 और 2012 में बसपा से जीत दर्ज की है। इसके बाद वे बसपा से किनारा करने कर दूसरे दलों में प्रयास करते रहे थे। पिछले दिनों पीएल पैलेस में आधा दर्जन से अधिक पूर्व विधायक कांग्रेस की सदस्यता लेने के लिए जुटे थे, लेकिन उसके बाद भगवान सिंह कुशवाह ने इससे

इन्कार किया था। सूत्रों के अनुसार पूर्व विधायक भगवान सिंह कुशवाह खेरागढ़ सीट पर दावेदारी कर रहे हैं। खेरागढ़ विधानसभा सीट भाजपा के कब्जे में है और महेश गोयल यहां से विधायक है। पूर्व विधायक कुशवाह भी इसी सीट से अपनी दावेदारी कर रहे हैं। बताया जाता है भाजपा इस पर उनको कोई ठोस आश्वासन नहीं दे रही थी, जिस कारण सहमति नहीं बन पा रही थी। अभी भी कोई ठोस सहमति नहीं बनी है, लेकिन भगवान सिंह कुशवाह ने सदस्यता ले ली है।

बांग्लादेश व म्यांमार के घुसपैठियों को दिल्ली में शरण देने वाला गिरफ्तार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश से लेकर दिल्ली व अन्य राज्यों में सक्रिय मानव तस्कर गिरोह के एक-एक कर नए भेद सामने आ रहे हैं। उत्तर प्रदेश आतंकवाद निरोधक दस्ता (यूपी एटीएस) ने अब बांग्लादेश व म्यांमार के नागरिकों की घुसपैठ कराकर उन्हें हिंदू नामों से विदेश भेजने वाले गिरोह के दिल्ली में सक्रिय एजेंट मु. कय्यूम सिकदर को गिरफ्तार किया है। कय्यूम घुसपैठियों को दिल्ली में शरण दिलाने के साथ-साथ उन्हें टूरिस्ट वीजा भी उपलब्ध कराता था। एयरपोर्ट पर भी उनकी मदद करवाता था। दूसरी ओर एटीएस ने मानव तस्कर गिरोह के सदस्यों की आतंकी गतिविधियों में संलिप्तता की जांच शुरू की है। अन्य जांच एजेंसियां भी इस दिशा में पड़ताल कर रही हैं। आइजी एटीएस जीके गोस्वामी के अनुसार 22 ए कटवारिया सराय, दक्षिण दिल्ली में रह रहा मु.कय्यूम खुद भी मूलरूप से बांग्लादेश का नागरिक हैं। वह दिल्ली में पहचान बदलकर खोखन सरदार के नाम से रह रहा था। खोखन सरदार के नाम से ही उसने फर्जी दस्तावेज बनवाए थे। वह पांच-छह वर्षों से दिल्ली में सक्रिय था और कटवारिया सराय क्षेत्र में ही किराये का कमरा लेकर बांग्लादेशी व रोहिंग्या घुसपैठियों को ठहराता था। इसके बाद उनके टूरिस्ट वीजा का बंदोबस्त करता था। हालांकि एटीएस अभी टूरिस्ट वीजा दिलवाने में उसके मददगारों तक नहीं पहुंच सकी है। उनकी छानबीन की जा रही है। आइजी का कहना है कि कय्यूम का दिल्ली एयरपोर्ट के कई कर्मियों से सीधा संपर्क होने की बात भी सामने आई है। इसकी गहनता से छानबीन कराई जा रही है।

यूपी में गांवों के 17 लाख से ज्यादा निवासियों को मिलने जा रहा बड़ा उपहार, पीएम नरेन्द्र मोदी करेंगे वितरित

लखनऊ। चुनावी साल में उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार गांवों में निवास करने वालों को बड़ा उपहार देने जा रही है। उत्तर प्रदेश के 12 हजार से ज्यादा गांवों के 17.68 लाख निवासियों को उनकी आवासीय संपत्तियों के स्वामित्व प्रमाणपत्र (ग्रामीण आवासीय अभिलेख यानि घरौनी) देने की तैयारी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वाराणसी में 23 दिसंबर को आयोजित होने वाले कार्यक्रम में ग्रामीणों को घरौनी सौंपेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वाराणसी में कुछ लोगों को स्वयं और बाकी को डिजिटल मोड से घरौनी वितरित करेंगे। अपर मुख्य सचिव राजस्व मनोज कुमार सिंह ने आयुक्त एवं सचिव राजस्व परिषद को वाराणसी के जिला प्रशासन से समन्वय कर घरौनी वितरण की तैयारियां समय से पूरी करने का निर्देश दिया है। ग्रामीणों को उनकी आवासीय संपत्ति के स्वामित्व का अभिलेख उपलब्ध कराने के लिए केंद्र सरकार का पंचायती राज मंत्रालय स्वामित्व योजना

संचालित कर रहा है। योजना के तहत गांवों के आबादी क्षेत्र का ड्रोन के जरिये हवाई सर्वेक्षण कराकर उसके आधार पर तैयार की गई घरौनी लोगों को दी जा रही है। प्रदेश के 82913 गांव योजना के तहत ड्रोन से हवाई सर्वेक्षण के लिए अधिसूचित किये जा चुके हैं। जिन गांवों में हवाई सर्वेक्षण का काम पूरा हो चुका है, अब तक उनमें से 14,346 गांवों की 20.42 लाख आवासीय संपत्तियों की घरौनी तैयार की जा चुकी है। इनमें से 2006 गांवों के 2.74 लाख संपत्तियों के मालिकों को पहले ही घरौनी बांटी जा चुकी है। अब 12,340 गांवों की 17.68 लाख संपत्तियों के स्वामियों को घरौनी वितरण होना है। पिछले साल 11 अक्टूबर को उत्तर प्रदेश के 346 गांवों में घरौनी वितरण का शुभारंभ करने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बीते सितंबर में संयुक्त राष्ट्र आम सभा को संबोधित करते हुए भारत के ग्रामीणों को प्रापर्टी कार्ड वितरण का उल्लेख किया था। स्वामित्व योजना में उत्तर प्रदेश का प्रदर्शन अन्य राज्यों से अच्छा है।

सर्राफा की कार और 27 लाख का जेवर लेकर भागे चालक को लखनऊ पुलिस ने दबोचा

लखनऊ। आइआइएम रोड पर जागर्स पार्क चौराहे के पास से हरदोई के सर्राफ चंद्रप्रकाश गुप्ता को झांसा देकर कार से उतारकर आधा किलो से अधिक सोने की ज्वैलरी और करीब डेढ़ लाख की नकदी लेकर दो दिन पहले कार चालक पिंटू उर्फ मानवेंद्र भाग गया था। चालक की तलाश में लगी एसीपी काकोरी आशुतोष कुमार टीम ने मंगलवार तड़के चालक पिंटू को धर दबोचा। यह जानकारी एडीसीपी राजेश कुमार श्रीवास्तव ने दी। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपित पिंटू मूल रूप से हरदोई के राजेपुर गांव का रहने वाला है। आरोपित पिंटू के पास से पुलिस टीम ने करीब 27 लाख रुपये कीमत की ज्वैलरी, कार और नकदी समेत सारा माल बरामद कर लिया। कार में हवा डलवाने का बहाने सर्राफ को उतारा और भाग निकला थाः एसीपी काकोरी ने बताया कि रविवार को हरदोई निवासी सर्राफ चंद्रप्रकाश कार से चालक पिंटू के साथ चौक सराफा बाजार गए थे। वहां से करीब 530 ग्राम सोने के जेवर लेकर लौट रहे थे। बैग में 1.40 लाख रुपये भी थे। वापस जाते समय आइआइएम रोड जागर्स पाक के पास चालक ने चंद्रप्रकाश से कहा कि वह पहिए में हवा कम है। बहाने से चंद्रप्रकाश को पिंटू ने कार से उतार दिया और कहा कि वह हवा डलवाकर आ रहा है। इस बीच चालक कार और उसमें रखी ज्वैलरी और नकदी लेकर भाग निकला। काफी देर तक पिंटू के न लौटने पर चंद्रप्रकाश ने उसे फोन किया मोबाइल स्विच आफ मिला। इसके बाद रिपोर्ट दर्ज कराई।

विधान भवन के सामने ठेकेदार व उसके साथी ने किया आत्मदाह का प्रयास

लखनऊ। लखनऊ में विधान भवन के सामने मंगलवार दोपहर खनन ठेकेदार शिव मिलन सिंह ने अपने साथी हरिराम के संग आत्मदाह का प्रयास किया। दोनों ने शरीर पर पेट्रोल डालकर आग लगाने की कोशिश की। इसी बीच प्रभारी निरीक्षक हजरतगंज की नजर पड़ गई। दौड़कर हाथ से माचिस व पेट्रोल का डिब्बा छीन लिया। पुलिस ने दोनों को सिविल अस्पताल में भर्ती कराया। ठेकेदार व उसके साथी मोहनलालगंज पुलिस पर रुपये मांगने का आरोप लगा रहे हैं। मोहनलालगंज पुलिस ने चार दिसंबर की देर रात अवैध खनन के आरोप में ठेकेदार के तीन डंपर व एक पोकलैंड मशीन सीज कर दी थी। पुलिस के मुताबिक इसकी रिपोर्ट खनन विभाग को भेजी गई है लेकिन वहां से कोई कार्रवाई नहीं हुई है। डंपर व पोकलैंड मशीन थाने में ही पड़ी है। प्रभारी निरीक्षक मोहनलालगंज पर वसूली का आरोप लगते ही पुलिस कमिश्नर डीके ठाकुर ने लाइन हाजिर कर दिया। उनके स्थान पर अखिलेश कुमार मिश्रा को प्रभारी बनाया गया है।

यूपी-हरियाणा समेत 14 राज्यों में फैला था सरकारी नौकरी पेपर साल्व करने का रैकेट, एक नेता का भी नाम आ रहा सामने

सोनीपत। कंप्यूटर रिमोट पर लेकर सरकारी नौकरियों का पेपर साल्व कराने वाले गैंग का सरगना एसटीएफ ने दबोच लिया।वह दिल्ली पुलिस में सिपाही था और दो साल से अवकाश पर चल रहा था। आरोपित रोबिन सोनीपत के गांव शामड़ी का रहने वाला है। वह एक राजनीतिक दल का सक्रिय सदस्य है और जिला पंचायत व विधानसभा चुनाव की तैयारी कर रहा था। वह 2013 से पेपर साल्व कराकर युवाओं की सरकारी नौकरी लगवा रहा था। वह अभी तक 12 सौ से ज्यादा युवाओं की नौकरी लगवा चुका है। इनमें से 450 को एसटीएफ ने चिह्नित कर लिया है। आरोपित के गैंग में आइटी एक्सपर्ट व इंजीनियर से लेकर प्रोफेसर तक के 200 सक्रिय सदस्य शामिल हैं। एसटीएफ आरोपित को न्यायालय में पेश करके रिमांड पर लेगी। एसटीएफ के डीएसपी महेश श्यौराण ने बताया कि शामड़ी गांव का रहने वाला रोबिन 2009 में दिल्ली पुलिस में भर्ती हुआ था। वह 2012 से पेपर साल्व कराने का गैंग चलाने लगा। वह ज्यादातर सरकारी नौकरियों के पेपर साल्व कराकर

करोड़ों रुपयों की कमाई कर चुका है। नौकरी के हिसाब से वह पांच लाख से 25 लाख रुपये प्रति सदस्य से वसूलता था। उसकी हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, पंजाब, दिल्ली, राजस्थान, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश व गुजरात सहित 14 राज्यों में कंप्यूटर लैब हैं।पेपर के दौरान वह कंप्यूटर को रिमोट पर ले लेता था और अपनी लैब में साल्वर यूनिट के सदस्यों के साथ पेपर को हल कराता था। रोबिन ने बताया कि उसके गैंग में 200 से ज्यादा सदस्य हैं। वह 12 सौ से ज्यादा युवाओं की नौकरी लगवा चुका है। वह एसएससी, एमटीएस, आरपीएफ, फोरेस्ट, यूजीसी नेट, बैंक प्रमोशन व दिल्ली फोरेस्ट गार्ड आदि में सरकारी नौकरी लगवाता था। एसटीएफ सहित कई राज्यों की पुलिस उसकी गिरफ्तारी का प्रयास कर रही थी। उसके बाद से वह एक राजनीतिक दल का सदस्य बन गया था और खुलेआम राजनीति कर रहा था। उसने एसटीएफ पर रंजिशन कार्रवाई करने की शिकायत शासन को पहले ही भेज रखी थी। पुलिस अधिकारियों की टीम आरोपित से पूछताछ कर चुकी है।

बालिका से छेड़खानी में पांच साल की कैद, विशेष न्यायाधीश ने सुनाई सजा

कानपुर। औरैया के अछल्दा थाना क्षेत्र के ढाई साल पुराने छेड़खानी के एक मामले की सुनवाई के दौरान विशेष न्यायाधीश ने पॉक्सो एक्ट के तहत दोषी को पांच साल की कैद की सजा सुनाई। इस दौरान न्यायाधीश ने दोषी पर 20 हजार रुपये का अर्थदंड भी किया। मामले की अभियोजन की ओर से पैरवी कर रहे जिला शासकीय अधिवक्ता अभिषेक मिश्रा, विशेष लोक अभियोजक जितेंद्र सिंह तोमर व मृदुल मिश्रा ने बताया कि वादी की ओर से थाना अछल्दा में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। जिसमें बताया था कि उसकी 10 साल की पुत्री कक्षा छह की छात्रा है। 18 जुलाई 2019 को दोपहर लगभग एक बजे वह स्कूल से पैदल घर आ रही थी। तभी स्कूल के पास बीच रास्ते में आरोपी बृजेंद्र सिंह उर्फ कुकू निवासी नल्हूपुर ने उसे अपनी बाइक पर बैठा लिया। आरोप लगाया था कि नाला के पास उसे उतार कर खेत की झाड़ी में बुरी नीयत से ले जाकर अश्लील हरकतें कर छेड़खानी की।

ग्राम पंचायत सचिव ने विकास कार्यों में की अनदेखी

मैनपुरी। जिला की ब्लॉक बरनाहल की ग्राम पंचायत उरथान मैं बने सामुदायिक शौचालय चालू न होने पर गांव के ही प्रेमचंद्र ने जानकारी देते हुए बताया कि हमारे उरथान में सामुदायिक शौचालय का निर्माण कराया गया वह आज तक अधूरा पड़ा है जिसमें जरूरतमंद सामग्री जैसे कि समरसेवल पानी की टंकी नलकी न लगाने से सामुदायिक शौचालय अधूरा पड़ा हुआ है जबकि सरकार ने विकास कार्य के लिए ग्राम पंचायत उरथान में करोड़ों की धनराशि पंचायत में विकास कराने के लिए दी है जिसमें उरथान में बनवाए गए शौचालय के लिए साडे 400000 दिए थे फिर भी सचिव अरुण पांडे के द्वारा आज तक अधूरा शौचालय पडा हुआ है जबकि कागजों में उसे चालू दिखाया जा रहा होगा जबकि धरातल पर कार्यपूर्णनही है।शौचालय के निर्माण होने के बाद से शौचालय की साफ-सफाई देख रेख के लिए उरथान की ही महिला अंगूरी देवी को तैनात किया गया उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि पानी की सप्लाई बाधित होने के कारण गांव के लोग शौच करने के लिए आते है परन्तु शौचालय चालू न होने के कारण वापस लौट जाते है। सबसे बड़ी बात यह है के अरुण पांडे सचिव के द्वारा हर उनकी ग्राम पंचायत में शौचालयों का निर्माण तो किया गया परंतु आज तक अधूरे पड़े हुए हैं जबकि अन्य ग्राम पंचायतों में भी जिस में तैनात रहे हैं उसमें गांव के लोगों द्वारा बराबर सूचनाएं मिल रही हैं कि ऐसे कई अन्य विकास कार्य कराए गए जिसमें ज्यादातर अधूरे पड़े हुए हैं सीसी निर्माण कार्य कराए गए किन्तु उत्थान से जुड़ा हुआ एक मजरा नगला अनियाँ जिसमें ग्रामीणों ने सचिव अरुण पांडे का जमकर विरोध किया और कहा उन्होंने कार्य तो कराए हैं परंतु जैसे सीसी निर्माण किए गए हैं उसमें मानक के आधार पर घटिया किस्म की सामग्री लगाई जाने के कारण और सीमेंट की मात्रा कम होने से सीसी बिल्कुल टूट कर ध्वस्त हो रही हैं अन्य कई शीशी निमार्णों में साइड से कोई नालियां भी नहीं बनाई गई है किसी जगह तो सीसी का निर्माण कार्य कराने के लिए सामग्री को डलवा दिया गया फिर बाद में वहां से सामग्री को उठा लिया गया।

नामित अधिकारी ने परीक्षा केंद्रों का किया भौतिक सत्यापन

मैनपुरी। शासन के निर्देश पर यूपी बोर्ड परीक्षा केंद्रों का भौतिक सत्यापन प्रदेश स्तरीय अधिकारियों से कराने का कार्य शुरू हो गया है। जिले के केंद्रों का भौतिक सत्यापन कराने के लिए प्रशासनिक अधिकारी मेरठ को जिम्मेदारी सौंपी गई है। मंगलवार को प्रशासनिक अधिकारी मैनपुरी पहुंचे। वे यहां दो दिनों में 15 स्कूलों का भौतिक सत्यापन करना होगा। प्रदेश सरकार ने यूपी बोर्ड परीक्षा 2022 केंद्र निर्धारण के लिए ऑनलाइन जानकारियां फीड कराने के बाद प्रदेश स्तरीय अधिकारी से जांच कराने का निर्णय लिया है। जिले का जांच अधिकारी मेरठ के प्रशासनिक अधिकारी राजीव भारद्वाज को बनाया गया है। मंगलवार को राजीव भारद्वाज मैनपुरी पहुंचे। उन्होंने जिले के सात कॉलेजों में ऑनलाइन दर्ज जानकारियों का भौतिक सत्यापन किया। मंगलवार को उन्होंने कुरावली, बेवर और किशनी के स्कूलों का निरीक्षण किया। उन्हें दो दिन में जिले के 15 कॉलेजों मे बोर्ड परीक्षा के मानकों के साथ ही जियो टेगिंग आदि सहित सारी जानकारी की जांच करनी है।

गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण करें निर्माण कार्य अन्यथा होगी कार्रवाई- डीएम

मऊ। मंगलवार को जिलाधिकारी अमित सिंह बंसल द्वारा एनएच-29 का निमार्णाधीन फोरलेन चैड़ीकरण कार्य (भदसा मानोपुर से बदुआ गोदाम बाईपास) का निरीक्षण किया गया। मार्ग में बन रहे पुल/अण्डरपास आदि का भी

निर्माणाधीन फोरलेन चौड़ीकरण कार्य का किया निरीक्षण

निरीक्षण किया गया। कार्य की प्रगति एवं गुणवत्ता अपेक्षित न पाए जाने के कारण घोर अप्रसन्नता व्यक्त की गयी। कार्यदायी संस्था के अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए कि कार्य शीघ्रातिशीघ्र गुणवत्तापूर्ण ढ़ंग से कराना सुनिश्चित किया जाए। ताकि मार्ग का उपयोग जन सामान्य द्वारा किया जा सके। कार्य की गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए। यह भी निर्देशित किया गया

कि किसी भी दशा में कार्य की गुणवत्ता प्रभावित नहीं होनी चाहिए। निरीक्षण के दौरान श्री केहरि सिंह, मुख्य राजस्व अधिकारी, आशुतोष कुमार राय उपजिलाधिकारी एवं कार्यदायी संस्था के अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित थे। जिलाधिकारी अमित सिंह बंसल द्वारा सभी कार्यदायी संस्थाओं को यह निर्देशित किया गया कि जनपद में चल रहे समस्त निर्माण कार्यो को निर्धारित समय सीमा के अन्तर्गत गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। अन्यथा की दशा में सम्बन्धित ठेकेदार एवं संस्था के विरूद्ध नियमानुसा कठोर कार्यवाही अमल मे लायी जाएगी।

दो दिन के अन्दर कर्मचारियों का डेटा इन्ट्री का कार्य करे पूर्ण अन्यथा होगी कार्रवाई- जिलाधिकारी

मऊ। आगामी विधान सभा सामान्य निर्वाचन-2022 के दृष्टिगत निर्वाचन को सकुशल एवं शांतिपूर्वक सम्पन्न कराने हेतु आवश्यक मतदान कार्मिको की डेटा इन्ट्री के सम्बन्ध में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी विस्तृत दिशा निदेर्शों के अनुपालन में मंगलवार को कलेक्टेज्ट सभागार में सभी कार्यालय के कार्यालयाध्यक्षों एवं वरिष्ठ सहायक स्थापना की बैठक जिलाधिकारी अमित सिंह बंसल की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक के दौरान जिलाधिकारी द्वारा सभी कार्यालयाध्यक्षों को स्पष्टरूप से निर्देशित किया गया कि अगले दो दिन के अन्दर अपने अधिनस्थ समस्त कार्यरत कर्मचारियों के डेटा इन्ट्री का कार्य पूर्ण करायें। इस सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की लापरवाही बरतने पर कठोर कार्यवाही की जायेगी।

भूमि क्रय-विक्रय करने वालों को जारी हुआ नोटिस, दी गई चेतावनी

मऊ। मंगलवार को सिटी मजिस्ट्रेट त्रिभुवन द्वारा अवैध प्लाटिंग कर भूमि का क्रय विक्रय अवैध तरीके से करने वाले बिचैलियों को नोटिस जारी किया गया है। इस नोटिस के तहत कहाकि भू संपदा विनियमन एवं विकास अधिनियम 2016 के अंतर्गत अपना अपना रजिस्ट्रेशन प्रस्तुत करें। अवैध रूप से भूमि क्रय विक्रय के कारण भूमि विवाद में वृद्धि होती है तथा सरकारी राजस्व की भी चोरी होती है, साथ ही अवैध कालोनियां विकसित कर आम लोगों को अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। नक्शा पास करने में भी अनेक समस्याएं उत्पन्न होती है। ऐसे अवैद्य भूमि का अवैध कारोबार करने वाले व्यक्तियों को थाने के माध्यम से नोटिस जारी करते हुए चेतावनी दी गई है कि रजिस्ट्रेशन प्रस्तुत करें यदि अवैध रूप से भूमि का क्रय विक्रय अथवा भवन का क्रय विक्रय किया जाता है तो

सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज किया जाएगा और कठोर कार्रवाई की जाएगी। नगर क्षेत्र के अंदर कॉलोनियों को विकसित करते समय रास्तों की चैड़ाई पर्याप्त नहीं है जिसके कारण वाहन निकलने में समस्याएं उत्पन्न होती हैं ऐसी स्थिति में नक्शा पास करते समय भवन निर्माण स्वामियों को चेतावनी दी गई है कि रास्ता छोड़ कर के ही निर्माण करें अन्यथा अवैध अतिक्रमण अथवा नक्शे के विपरीत होने के कारण अवध अवैध अतिक्रमण हटवा दिया जाएगा ताकि आमजन को वाहन आवागमन एवं यातायात असुविधा का सामना न करना पड़े। इस दौरान सिटी मजिस्ट्रेट द्वारा निर्मला एवं सतीश सहित 8 व्यक्तियों का मौके पर निरीक्षण कर नक्शा पास किया गया परंतु चेतावनी दी गई कि रास्ते पर किसी भी तरह से सीढ़ी आदि न बनाएं जिससे यातायात किसी तरह का प्रभावित न हो और नक्शे के मुताबिक ही कार्य करें अन्यथा अवैध अतिक्रमण को हटा दिया जाए जाएगा।

विराट के दक्षिण अफ्रीका में वनडे खेलने पर असमंजस बरकरार

बीसीसीआई ने कहा- विराट ने आधिकारिक तौर पर नहीं मांगी छुट्टी

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए विराट कोहली ने अब आधिकारिक तौर पर छुट्टी के लिए आवेदन नहीं किया है। वो टेस्ट सीरीज में भारतीय टीम की कप्तानी करेंगे, जो 26 दिसंबर से शुरू होकर अगले साल 15 जनवरी तक चलेगी।

इसके बाद भारत को 19 जनवरी से वनडे सीरीज खेलनी है, जिसमें रोहित भारत की कप्तानी करेंगे। रोहित हैमस्ट्रिंग की चोट के चलते टेस्ट सीरीज से बाहर हैं, लेकिन वनडे सीरीज तक वो फिट हो जाएंगे। उनके चोटिल होने के बाद खबरें आई थी कि विराट ने भी अपने परिवार के साथ समय बिताने के लिए छुट्टी मांगी है और वो वनडे सीरीज में शामिल नहीं होंगे। अब बीसीसीआई अधिकारी का कहना है कि कोहली ने छुट्टी के लिए आधिकारिक आवेदन नहीं दिया है। बीसीसीआई के अधिकारी ने कहा, अब तक विराट ने वनडे सीरीज के दौरान छुट्टी को लेकर बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली और सचिव जय शाह को कोई आधिकारिक आवेदन नहीं दिया है। अगर भविष्य में कोई फैसला लिया जाता है, या उन्हें कोई चोट लग जाती है तो यह अलग मामला होगा। उन्होंने आगे कहा कि अब तक के हालातों के अनुसार वो 19, 21 और 23 जनवरी को वनडे मैच खेलेंगे। बीसीसीआई अधिकारी ने यह भी बताया कि खिलाड़ियों का परिवार भी उनके साथ अफ्रीका जा रहा है। बायो बबल की पाबंदियों के चलते सभी खिलाड़ी और उनका परिवार एक ही फ्लाइट से अफ्रीका जाएंगे। उन्होंने कहा, कप्तान कोहली अपने परिवार के साथ अफ्रीका जा रहे हैं। लेकिन हां, अगर उन्हें टेस्ट सीरीज के बाद बायो बबल की वजह से थकान महसूस होती है और वो ब्रेक चाहते हैं तो निश्चित रूप से चयन समिति के अध्यक्ष और सचिव को इस बारे में जानकारी देंगे, जो चयन समिति के संयोजक हैं। कई रिपोर्ट में यह कहा गया था कि विराट वनडे सीरीज में छुट्टी ले रहे हैं। अफ्रीका के बाद भारत को श्रीलंका के खिलाफ घर में टेस्ट और टी-20 सीरीज खेलनी। इसकी वजह से खिलाड़ियों को फिर से तीन हफ्तों तक बायो बबल में रहना पड़ेगा। शायद इसी वजह से विराट के ब्रेक लेने की खबरें सामने आई थीं। विराट कोहली की बेटी वामिका 11 जनवरी को एक साल की हो रही है। इसी दिन से विराट अपने करियर का 100वां टेस्ट मैच खेलेंगे। इस दौरान अनुष्का, विराट और वामिका साथ रहेंगे। इसके बाद 19 जनवरी से उन्हें वनडे सीरीज भी खेलनी है। टी-20 वर्ल्डकप के दौरान विराट ज्यादा वर्कलोड के बारे में बात कर चुके हैं। इसी वजह से उन्होंने टी-20 की कप्तानी भी छोड़ी है। ऐसे में विराट वनडे सीरीज से आराम ले सकते हैं।

दक्षिण अफ्रीका दौरे के बाद दोनों कप्तानों से बात करेंगे: बीसीसीआई अधिकारी

भारतीय क्रिकेट टीम की वनडे और टेस्ट कप्तानी को लेकर रोहित शर्मा और विराट कोहली के बीच टकरार की खबरें लगातार आ रही हैं। भारतीय टीम को दक्षिण अफ्रीकी दौरे पर इसी सप्ताह रवाना होना है, जहां टीम को तीन टेस्ट और इतने वनडे मैचों की सीरीज खेलनी है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के एक अधिकारी ने कहा कि टीम में इस समय जो कुछ भी हो रहा है, वह सही नहीं है और दक्षिण अफ्रीकी दौरे के बाद दोनों कप्तानों से इसको लेकर बात की जाएगी। बीसीसीआई अधिकारी ने कहा, विराट ने इस बात को (वनडे कप्तानी से हटाए जाना) हल्के में नहीं लिया है। बीसीसीआई अधिकारी ने कहा, दक्षिण अफ्रीका दौरे के बाद हम दोनों कप्तानों के साथ बैठेंगे और आगे का रास्ता निकालेंगे। विराट को वनडे टीम से हटाना टीम के भले के लिए किया गया है और इस पर विराट को ऐसे खुदगर्ज होकर नहीं रिऐक्ट करना चाहिए। उन्होंने टीम में बड़ा योगदान दिया है और हमेशा टीम को आगे रखा है। जो कुछ हो रहा है, वह काफी दुर्भाग्यपूर्ण है। दक्षिण अफ्रीका दौरे पर रवाना होने से पहले टेस्ट सीरीज में चुने गए सभी खिलाड़ियों को मुंबई में एकत्रित होना था। विराट टीम से तब तक नहीं जुड़े, जब तक रोहित चोट के चलते टेस्ट सीरीज से बाहर नहीं हुए। इसके बाद खबर आई कि विराट अपने परिवार के साथ समय बिताने के लिए वनडे सीरीज से नाम वापस लेने के लिए बीसीसीआई से गुजारिश की है। दोनों का इस तरह से टेस्ट और वनडे टीम से बाहर होना इस तरफ इशारा कर रहा है कि टीम इंडिया में सबकुछ ठीक-ठाक नहीं है।

सिंधु, लक्ष्य और सात्विक-चिराग की जोड़ी ने प्री-क्वॉर्टर फाइनल में किया प्रवेश

बीडब्लूएफ विश्व चैंपियनशिपः सिंधु ने महज 24 मिनटों में मार्टिना को 21-7, 21-9 से हराया

हुएल्वा। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय पुरुष युगल जोड़ी और विश्व चैंपियन पीवी सिंधु तथा लक्ष्य सेन मंगलवार को दूसरे दौर के अपने-अपने मुकाबले जीत कर स्पेन के हुएल्वा में जारी बीडब्लूएफ विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप के राउंड ऑफ-16 यानी प्री-क्वॉर्टर फाइनल में पहुंच गए।

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधु ने महिला एकल के दूसरे दौर के मुकाबले में स्लोवाकिया की मार्टिना रेपिस्का को एकतरफा अंदाज में हराकर अगले दौर में जगह बनाई। उन्होंने अपने शानदार फॉर्म को जारी रखते हुए महज 24 मिनटों में ही मार्टिना को सीधे सेटों में 21-7, 21-9 से पराजित कर दिया। सिंधु ने पहला गेम केवल 10 मिनटों में जीता और इसके बाद मैच में दबदबा बनाए रखा। दूसरे गेम में उन्होंने 14 मिनटों में मार्टिना को 21-9 से शिकस्त दी। दूसरी ओर लक्ष्य ने कांटे के मुकाबले में रूस ओपन ग्रां प्री के उप विजेता जापान के केंता निशिमोतो को 22-20, 15-21, 21-18 से मात दी। दोनों खिलाड़ियों ने शुरुआत से ही एक-दूसरे को कड़ी चुनौती दी। परिणामस्वरूप पहला गेम बहुत लंबा चला, लेकिन अंततः यह 22-20 से लक्ष्य के नाम रहा। जापानी खिलाड़ी ने हालांकि दूसरे गेम में वापसी की और लक्ष्य को 21-15 से हराया, लेकिन लक्ष्य ने तीसरे और आखिरी गेम में दबदबा बनाते हुए इसे 21-18 से जीत लिया और अगले दौर में प्रवेश किया।

भारतीय पुरुष युगल जोड़ी ने ताईवानी जोड़ी को हराया

इस बीच सात्विक और चिराग की भारतीय पुरुष युगल जोड़ी ने ली जे-हुई और यांग पो-हुआन की ताईवानी जोड़ी को 43 मिनट तक चले मुकाबले में सीधे सेटों में 27-25, 21-17 से हरा दिया। दोनों जोड़ियों के बीच पहले गेम कड़ी स्पर्धा हुई, लेकिन भारतीय जोड़ी जीत हासिल करने में कामयाब रही। सात्विक और चिराग ने इसी तरह दूसरे गेम में विपक्षियों को 21-17 से धूल चटाई और मैच जीत कर प्री-क्वॉर्टर फाइनल में प्रवेश किया। चैंपियनशिप के दूसरे दिन मंगलवार को हालांकि सौरभ शर्मा और अनुष्का पारिख की भारतीय मिश्रित युगल जोड़ी को हार का सामना करना पड़ा। राउंड ऑफ 32 के मुकाबले में भारतीय जोड़ी को टैन कियान मेंग और लाई पी जिंग की मलेशियाई जोड़ी ने सीधे सेटों में 21-8, 21-18 से पराजित किया।

स्टोक्स ने डरहम के साथ तीन साल तक बढ़ाया अनुबंध

एडिलेड । इंग्लैंड के स्टार ऑलराउंडर बेन स्टोक्स ने डरहम काउंटी क्रिकेट क्लब के साथ मौजूदा अनुबंध तीन वर्ष के लिए बढ़ा लिया है। वह अब कम से कम 2024 सीजन तक क्लब का प्रतिनिधित्व करते दिखाई देखेंगे। स्टोक्स ने कहा, मुझे डरहम के साथ और तीन साल के लिए प्रतिबद्ध होने की खुशी है। पिछले कुछ वर्षों में क्लब के लिए खेलते हुए मेरी कुछ शानदार यादें रहीं हैं और मैं भविष्य में इसका और अधिक अनुभव करने के लिए उत्सुक हूं। क्लब के क्रिकेट निदेशक मार्कस नॉर्थ ने इस पर कहा, बेन दुनिया के बेहतरीन खिलाड़ियों में से एक हैं। भले ही हम उन्हें उतना न देख पाएं जितना हम चाहेंगे, लेकिन क्लब के आसपास उनका प्रभाव बहुत बड़ा है। बेन को क्रिकेट से ब्रेक के बाद फिट और एशेज में इंग्लैंड के लिए खेलते हुए देखना शानदार है। हम बेहद खुश हैं कि बेन ने डरहम को अपने और तीन वर्ष देने के लिए सहमति दे दी है। उल्लेखनीय है कि स्टोक्स ने पिछले कुछ महीनों पहले मानसिक स्वास्थ्य की बेहतरी के चलते क्रिकेट से ब्रेक लेने के बाद हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले एशेज टेस्ट मैच में क्रिकेट में वापसी की थी।

इंग्लैंड के सामने दूसरे टेस्ट के लिए चयन की उलझन

एंडरसन व ब्रॉड दोनों के पिंक बॉल टेस्ट में खेलने की उम्मीद

एडिलेड। इंग्लैंड के सामने गुरूवार से होने वाले दिन रात्रि टेस्ट मैच के लिए चयन की उलझन आने वाली है। कप्तान जो रूट ने स्वीकार किया है कि इंग्लैंड को एडिलेड में डे-नाइट टेस्ट के लिए अपनी टीम में कुछ मुश्किल फैसलों का सामना करना पड़ सकता है, जो काफी हद तक आक्रमण के संतुलन और स्पिन की भूमिका को बनाएगा।

ब्रिस्बेन में तीन तेज गेंदबाजों क्रिस वोक्स, मार्क वुड और ऑली रॉबिंसन ने मैच के दूसरे दिन ट्रेविस हेड के आने से पहले काफी प्रभावित किया था। हालांकि, एंडरसन और ब्रॉड दोनों के पिंक बॉल टेस्ट में खेलने की उम्मीद है, जबकि जैक लीच को शामिल करने पर निर्णय लिया जाएगा क्योंकि उन्होंने पहले टेस्ट में 13 ओवर में बिना कोई विकेट लिए 102 रन लुटाए थे। चार साल पहले इंग्लैंड के पास मोईन अली थे, जो स्पिन का विकल्प देते थे और चार विशेषज्ञ तेज गेंदबाज खेलते थे, जो सभी इस दौरे का हिस्सा हैं। चाहे वे लीच या ऑफ स्पिनर डोम बेस को शामिल कर सकते हैं, लेकिन देखना होगा कि घुटने टेकने के बाद बेन स्टोक्स कैसे गेंदबाजी करते हैं।

वेस्टइंडीज के खिलाफ टी-20 सीरीज में पाक को अजेय बढ़त

वेस्टइंडीज को दूसरे टी-20 में नौ रन से हराया

कराची। पाकिस्तान ने दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में मंगलवार को यहां वेस्टइंडीज को नौ रन से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला में 2-0 से अजेय बढ़त बनायी।

पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया और आठ विकेट पर 172 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया। इसके जवाब में वेस्टइंडीज की टीम 20 ओवर में 163 रन बनाकर आउट हो गई। पाकिस्तान की तरफ से सलामी बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान (30 गेंदों पर 38 रन), हैदर अली (34 गेंदों पर 31 रन), इफ्तिखार अहमद (19 गेंदों पर 32 रन) और शादाब खान (12 गेंदों पर नाबाद 28) ने उपयोगी योगदान दिया। वेस्टइंडीज के लिए ओडियन स्मिथ ने 24 रन देकर दो विकेट लिए जबकि अकील हुसैन ने चार ओवर में 16 रन देकर एक विकेट हासिल किया। उनके अलावा हेडन वाल्श, रोमेरियो शेफर्ड और ओशाने थॉमस ने भी एक - एक विकेट लिया। वेस्टइंडीज की तरफ से ब्रेंडन किंग ने 43 गेंदों पर छह चौकों और तीन छक्कों की मदद से 67 रन बनाये जबकि रोमेरियो शेफर्ड ने आखिरी क्षणों में 19 गेंदों पर 35 रन की पारी खेली लेकिन इससे हार का अंतर ही कम हो पाया। पाकिस्तान की तरफ से शाहीन शाह अफरीदी ने 26 रन देकर तीन जबकि मोहम्मद नवाज, मोहम्मद नसीम और हारिस राऊफ ने दो - दो विकेट लिए। पाकिस्तान ने पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच 63 रन से जीता था। तीसरा और अंतिम मैच गुरुवार को खेला जाएगा जिसके बाद तीन वनडे मैचों की श्रृंखला होगी।

एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी: कोरिया ने भारत को ड्रॉ पर रोका

ललित कुमार उपाध्याय व हरमनप्रीत सिंह ने दागे गोल

ढाका। पुरुष एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी टूर्नामेंट में डिफेंडिंग चैंपियन और ओलंपिक ब्रॉन्ज मेडलिस्ट भारत को कोरिया ने 2-2 से ड्रॉ पर रोक दिया। यह टोक्यो ओलंपिक के बाद भारत का पहला टूर्नामेंट है।

भारत के लिए ललित कुमार उपाध्याय (चौथे मिनट) और उपकप्तान हरमनप्रीत सिंह (18वें मिनट) ने गोल दागे। भारत ने मैच की शानदार शुरुआत की। शुरुआती दो क्वॉर्टर में दो गोल कर टीम इंडिया ने मैच पर मजबूत पकड़ बना ली थी। इसके बाद तीसरे क्वॉर्टर में कोरिया ने वापसी की और 41वें मिनट में जोंगयुन जांग ने गोल कर स्कोर 2-1 कर दिया। 46वें मिनट में संगयुन किम ने गोल दाग स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। चौथे क्वॉर्टर में कोरिया ने भारतीय डिफेंस पर काउंटर अटैक करना शुरू कर दिया। हालांकि, डिफेंस ने जमकर मुकाबला किया। कप्तान मनप्रीत सिंह और उनकी टीम ने कई पेनल्टी कॉर्नर और कई मौके गंवाए। कोरिया के गोलकीपर जेहियोन किम मैच के बेस्ट प्लेयर रहे। उन्होंने कई बेहतरीन गोल बचाए। दोनों टीमें इसी टूर्नामेंट में पिछली बार भिड़ी थीं। तब भी मैच 1-1 से ड्रॉ रहा था। भारत को अब अपना अगला मैच बांग्लादेश के खिलाफ बुधवार को खेलना है।

हम वापसी करेंगे: मनप्रीत

भारतीय कप्तान मनप्रीत सिंह ने मैच के बाद ने निराशा जताई, लेकिन साथ ही उन्होंने भरोसा जताया कि टीम वापसी करेगी। उन्होंने कहा, कोरिया आज अपने डिफेंस में अच्छा था और उसका गोलकीपर काफी उत्कृष्ट था। हमें उम्मीद थी कि वे हमें कड़ी चुनौती देंगे और इसलिए यह महत्वपूर्ण था कि हमने अच्छी शुरुआत की, लेकिन हम उस लय को तीसरी और चौथे क्वॉर्टर में जारी नहीं रख सके। बहरहाल यह टूर्नामेंट का पहला मैच था और हम निश्चित रूप से बांग्लादेश के खिलाफ वापसी करेंगे।

सचिन तेंदुलकर ने धर्मेंद्र के साथ शेयर की तस्वीर

नई दिल्ली। दिग्गज क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने मंगलवार को अभिनेता धर्मेंद्र के साथ मुलाकात की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर शेयर की। इस तस्वीर को शेयर कर मास्टर ब्लास्टर ने पूर्व विस्फोटक ओपनर विरेंद्र सहवाग को टैग कर उनसे मजे लेने की कोशिश की है। सचिन ने जो तस्वीर अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पेज पर अपलोड किया है उसमें उनके साथ धर्मेंद्र भी बड़ी मुस्कान के साथ नजर आ रहे हैं। इंटरनैशनल क्रिकेट में 100 शतक जड़ने वाले तेंदुलकर ने इस तस्वीर का कैप्शन लिखा, आज सबसे बड़े वीरू धर्मेंद्र जी के साथ मुलाकात हुई। वीरुओं की बात ही अलग है। सभी उनके फैन हैं। इसके बाद सहवाग को टैग करते हुए सचिन ने लिखा, क्या कहता है, वीरू।

सिमोन बिलेस बनीं वर्ष की सर्वश्रेष्ठ एथलीट

न्यूयॉर्क। मशहूर जिम्नास्ट सिमोन बिलेस को टाइम पत्रिका ने वर्ष 2021 की सर्वश्रेष्ठ एथलीट चुना है। महानतम जिम्नास्ट में शामिल बिलेस ने मानसिक स्वास्थ्य को तरजीह देते हुए तोक्यो ओलंपिक में चार स्पर्धाओं के फाइनल से नाम वापिस ले लिया था। चार बार की ओलंपिक पदक विजेता बिलेस द टविस्टीज की शिकार हो गई थी जिसमें हवा में जगह और दिशा का भान नहीं रहता । इसके बावजूद उन्होंने आल राउंड टीम स्पर्धा में रजत और बैलेंस बीम में कांस्य पदक जीता था। टोक्यो ओलंपिक के एक महीने बाद उन्होंने जिम्नास्टिक टीम के पूर्व डॉक्टर लैरी नासार के खिलाफ यौन उत्पीड़न के मामले में अमेरिकी सीनेट के सामने गवाही दी थी।

31वीं अंतर क्षेत्रीय खेल प्रतियोगिता 16 से

भोपाल। मध्य प्रदेश सिंचाई जल संसाधन विभाग स्पोर्ट्स क्लब भोपाल द्वारा 31वीं अंतरक्षेत्रीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन 16 से 22 दिसंबर तक ओल्ड कैम्पियन खेल मैदान भोपाल एवं तात्या टोपे स्टेडियम भोपाल में किया जा रहा है। इस विभागीय प्रतियागिता में छह क्षेत्रों के लगभग 660 खिलाड़ी पुरुषों के ग्यारह खेल स्पर्धायें, क्रिकेट, फुटबाल, व्हालीबाल, शूटिंग बाल, कबड्डी, लॉनटेनिस, बैडमिंटन, टेबलटेनिस, कैरम, शतरंज तथा 100-200 मीटर दौड़ में अपने खेल कौशल का प्रदर्शन करेंगे। साथ ही महिलाओं के चार खेल स्पर्धाओं बैडमिंटन, टेबलटेनिस, कैरम तथा शतरंज में अपने खेल का आयोजन किया जाएगा। पहली बार विभाग के निशक्तजनों के लिए दो खेल कैरम तथा शतरंज का आयोजन किया जाएगा। प्रतियोगिता के आयोजक मनोज मिश्रा, कार्यपालन यंत्री, लाइट मशीनरी भोपाल एवं उपआयोजक एलएस सिसोदिया, अनुविभागीय अधिकारी लाइट मशीनरी नलकूप द्वारा बताया गया कि उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि एसएन मिश्रा, अपर मुख्य सचिव, मप्र शासन, जल संसाधन विभाग, विशेष अतिथि राजीव कुमार सुकलीकर, सदस्य अभियांत्रिकी, नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण एवं मुख्य ट्रस्टी स्पोर्ट्स क्लब भोपाल रहेंगे। उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता क्लब के प्रांतीय अध्यक्ष प्रवीण कुमार शर्मा करेंगे।

फेथ क्रिकेट क्लब ने जीता खिताब

भोपाल। मास्टर्स ग्रुप के ओपन ग्रुप इंटर क्लब टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबले में फेथ क्रिकेट क्लब ने बी एम सी सी को हराकर खिताब अपने नाम किया। फेथ क्रिकेट क्लब ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 18 ओवर में 6 विकेट खोकर 213 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। अनिकेत वर्मा ने 87, सुनील विश्नोई ने 41 और गौरव पिचोंनिया ने 16 गेंद में ताबड़तोड़ 53 रनों की पारी खेली। गौतम रघुवंशी ने तीन, मृदुल और नवीन ने 1-1 विकेट लिया। जवाबी पारी खेलने उतरी बी एम सी सी की पूरी टीम प्रियांशु शुक्ला की घातक गेंदबाजी के आगे ढेर हो गई और 11.2 ओवर में 79 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। फेथ क्रिकेट क्लब के प्रियांशु शुक्ला ने 6, राहुल और कृष मल्हौत्रा ने 2 2 विकेट लिए। मेन ऑफ द मैच प्रियांशु शुक्ला रहे। इस मौके पर मुख्य अतिथि आलोक संजर ने पुरस्कार वितरण किया।

दक्षिण अफ्रीका दौरे से पहले भारत को बड़ा झटका, रोहित शर्मा हुए चोटिल, टेस्ट सीरीज से बाहर

भारतीय टीम के दक्षिण अफ्रीका दौरे की शुरूआत होने वाली है। 16 दिसंबर को भारतीय टीम दक्षिण अफ्रीका के लिए रवाना होगी। इन सब के बीच भारतीय टीम को बड़ा झटका लगा है। दरअसल, टेस्ट में भारतीय टीम के उप कप्तान और वनडे तथा टी20 टीम के नियमित कप्तान रोहित शर्मा चोटिल हो गए हैं। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने बताया कि रोहित शर्मा को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज से चोट के कारण बाहर हो गए हैं। प्रियांक पांचाल भारत की टेस्ट टीम में चोटिल रोहित शर्मा की जगह लेंगे। रोहित को कल मुंबई में अपने प्रशिक्षण सत्र के दौरान बाएं हैमस्ट्रिंग में चोट लग गई थी। आपको बता दें कि भारतीय टीम को दक्षिण अफ्रीका में पहले तीन टेस्ट मैच खेलने हैं। तीन टेस्ट मैचों के लिए टीम इंडिया का ऐलान किया जा चुका है। रोहित शर्मा को इसके लिए उपकप्तान बनाया गया था। इसके साथ ही रोहित शर्मा टीम में नियमित ओपनर के तौर पर शामिल थे। ऐसे में कहीं ना कहीं भारत के लिए यह बड़ा झटका है। रोहित शर्मा केएल राहुल के साथ टेस्ट में टीम इंडिया के लिए ओपनिंग करते है। रोहित की अनुपस्थित रहने पर केएल राहुल के साथ मयंक अग्रवाल ओपनिंग करते दिखाई दे सकते हैं। इससे पहले क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने भारतीय टीम के दौरे का नया शेड्यूल जारी किया था। जिसके मुताबिक पहला टेस्ट 26 दिसंबर से सेंचुरियन में होगा। ओमीक्रोन के बढ़ते खतरे को देखते हुए सीएसए और बीसीसीआई के अधिकारियों के बीच सीरीज को लेकर लगातार बातचीत हो रही थी और दक्षिण अफ्रीका की मौजूदा परिस्थिति का भी आकलन किया जा रहा था। अब इस दौरे पर टेस्ट और वनडे सीरीज ही खेली जाएगी। दौरा 26 दिसंबर से 23 जनवरी तक चार स्थानों पर होगा। चार मैचों की टी20 सीरीज अगले साल सही समय पर खेली जाएगी। दूसरा टेस्ट 3 से 7 जनवरी के बीच वांडरर्स पर और तीसरा 11 से 15 फरवरी के बीच केपटाउन में खेला जाएगा। तीन वनडे मैच होंगे। जिनमे से 19 और 21 जनवरी को बोलैंड पार्क में और 23 जनवरी को केपटाउन में खेला जाएगा।

ऋतुराज गायकवाड़ के चौथे शतक के बावजूद महाराष्ट्र बाहर

विजय हजारे ट्रॉफी: केरल व मप्र ने नॉकआउट में जगह बनाई

राजकोट। शानदार फॉर्म में चल रहे ऋतुराज गायकवाड़ के चौथे शतक से महाराष्ट्र ने मंगलवार को यहां विजय हजारे ट्रॉफी एकदिवसीय टूर्नामेंट के ग्रुप डी के करीबी मुकाबले में चंडीगढ़ को पांच विकेट से हराया लेकिन नॉकआउट में लिए क्वॉलीफाई करने में नाकाम रहा।

केरल (+0.974), मध्य प्रदेश (+0.485) और महाराष्ट्र (+0.104) के समान 16 अंक रहे। केरल और मध्य प्रदेश ने बेहतर नेट रन रेट के कारण नॉकआउट में जगह बनाई जबकि महाराष्ट्र चूक गया। चंडीगढ़ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए मनन वोहरा के 141 रन की मदद से सात विकेट पर 309 रन बनाए। महाराष्ट्र ने 310 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए कप्तान गायकवाड़ की 132 गेंद में 168 रन की पारी की मदद से 48.5 ओवर में पांच विकेट पर 313 रन बनाकर जीत दर्ज की। छठे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे आजिम काजी ने भी 79 गेंद में 73 रन बनाकर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई।

घरेलू टूर्नामेंट में 600 से अधिक रन बनाने वाले पहले बल्लेबाज बने गायकवाड़

महाराष्ट्र के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने घरेलू टूर्नामेंट में चौथा शतक जड़ एक सीजन में सर्वाधिक शतक के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। इससे पहले भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान विराट कोहली, देवदत्त पडीक्कल और पृथ्वी शॉ इस उपलब्धि को हासिल कर चुके हैं। कोहली ने सबसे पहले इस टूर्नामेंट में 2009-10 के सीजन में चार शतक जड़े थे। उसके बाद शॉ और पडीक्कल ने इसे दोहराया। दोनों ने पिछले साल यह उपलब्धि हासिल की थी। गायकवाड़ इस बेहतरीन पारी की बदौलत मौजूदा टूर्नामेंट में 600 से अधिक रन बनाने वाले पहले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने 5 मैचों में अभी तक 603 रन बनाए हैं जिसमें 4 शतक शामिल है। इस दौरान उनका औसत 150.75 रहा है। ऋतुराज ने पांच पारियों में 168, 21, 124, 154 और 136 का स्कोर किया है। मौजूदा टूर्नामेंट में वह इस समय सर्वाधिक रन, बेस्ट औसत, व्यक्तिगत स्कोर, सर्वाधिक चौके और छक्कों और सबसे अधिक शतकों के मामले में टॉप पर है।

मध्यप्रदेश ने छत्तीसगढ़ को तीन रन से हराया

मध्य प्रदेश ने रोमांचक मुकाबले में छत्तीसगढ़ को तीन रन से हराकर प्री क्वॉर्टर फाइनल के लिए क्वॉलीफाई किया जहां उसका सामना 19 दिसंबर को जयपुर में उत्तर प्रदेश से होगा। मध्य प्रदेश की टीम शुभम शर्मा (56) के अर्धशतक और रजत पाटीदार (47) की उम्दा पारी के बावजूद 45.5 ओवर में 191 रन पर सिमट गई। छत्तीसगढ़ की ओर से रवि किरण और सुमित रुइकर ने तीन-तीन जबकि अजय मंडल ने दो विकेट चटकाए। मध्य प्रदेश ने इसके बाद पार्थ सहानी (21 रन पर दो विकेट), कुमार कार्तिकेय (29 रन पर दो विकेट), शुभम शर्मा (35 रन पर दो विकेट) और आवेश खान (46 रन पर दो विकेट) की धारदार गेंदबाजी से छत्तीसगढ़ को 49.3 ओवर में 188 रन पर समेट दिया। छत्तीसगढ़ की ओर से संजीत देसाई ने 47 जबकि अजय मंडल ने 42 रन बनाए। एक अन्य मुकाबलों में प्रेरक मांकड़ (73) और समर्थ व्यास (52) के शानदार अर्धशतकों से सौराष्ट्र ने दिल्ली को विजय हजारे ट्रॉफी के ग्रुप सी के पांचवें राउंड के मैच में मंगलवार को चार विकेट से हराकर नॉक आउट दौर में प्रवेश कर लिया। दिल्ली ने 50 ओवर में आठ विकेट पर 201 रन बनाये जबकि सौराष्ट्र ने 38.1 ओवर में छह विकेट पर 204 रन बनाकर जीत अपने नाम की। सौराष्ट्र की यह लगातार पांचवीं जीत रही जबकि दिल्ली को पांच मैचों में तीसरी हार का सामना करना पड़ा। प्रेरक ने 63 गेंदों पर 73 रन की पारी में 10 चौके और दो छक्के लगाए। व्यास ने 72 गेंदों पर 52 रन में पांच चौके और एक छक्का लगाया।

पीएम के प्रस्तावित सभा स्थल का प्रदेश सह प्रभारी ने किया निरीक्षण, दिए निर्देश

प्रखर पिंडरा वाराणसी। पीएम नरेंद्र मोदी की करखियाव स्थित अमूल प्लांट के शिलान्यास के अवसर पर होने वाली सभा स्थल काबुधवार को प्रदेश के सह प्रभारी सुनील ओझा ने निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश दिए और समय सीमा में कार्य पूर्ण करने का अधिकारियों को निर्देश दिए। वही प्रदेश सह प्रभारी ने पूर्व में निर्धारित मंच के दिशा में भी परिवर्तन कराया। प्रदेश सह प्रभारी दोपहर एक बजे के लागभग करखियाव पहुचे और पूरे सभा स्थल की चहलकदमी करते हुए एक एक प्वाइंट का निरीक्षण कर पुलिस, प्रशासनिक अधिकारियों के साथ अमूल से जुड़े अधिकारियों से चर्चा की। इस दौरान सूर्य की रोशनी सीधे मंच पर पड़ने की बात कह मंच की दिशा को बदलने का निर्देश दिए। वही पार्किंग, पेयजल, शौचालय के साथ मैदान में कम से कम एक लाख लोगों की कुर्सी लगने के साथ उतने ही लोगों के खड़े होने की व्यवस्था करने, हैलीपैड, सेफ हाउस के बाबत जानकारी ली। पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों से तीन हैलीपैड तैयार

करने के साथ वीआईपी कॉटेज बनाने के निर्देश दिए। वही सभा स्थल के आसपास तीन बड़े पार्किंग स्थल भी चिन्हित किये गए। सभा स्थल में प्रवेश के लिए दो सामान्य व एक विशिष्ट लोगों के प्रवेश द्वार बनाने तथा पार्किंग व्यवस्था का निर्देश दिया। इस दौरान उन्होंने करखियाव गांव के इतिहास व भगौलिक स्थिति के बारे में जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान भाजपा नेता धर्मेंद्र सिंह, रैली संयोजक नागेंद्र सिंह मुन्ना, सह संयोजक उदयप्रताप सिंह, डॉ जेपी दुबे, अभिषेक राजपूत, पूर्व ब्लॉक प्रमुख संदीप सिंह, तहँसीलदार न्यायिक रामनाथ, पीडब्ल्यूडी के भगवान दास, अमूल के प्रोजेक्ट मैनेजर अलोक मिश्रा त्रिपाठी, इंस्पेक्टर फूलपुर मुन्ना राम , पूर्व ग्राम प्रधान विक्रमादित्य सिंह के अलावा दर्जनो अधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।। आईजी व एसपी ने भी किया निरीक्षण करखियाव स्थित सभा स्थल का बुधवार को सुबह आईजी व एसपी ग्रामीण अपने अधीनस्थों संग निरीक्षण कर सुरक्षा के बिंदुओं पर चर्चा कर विस्तृत जानकारी लेने के साथ आवश्यक निर्देश दिया। वही मंगलवार को सायंकाल में विधायक डॉ अवधेश सिंह, मंडलायुक्त दीपक अग्रवाल, जिलाधिकारी कौशलराज शर्मा,एसडीएम राजीव कुमार राय ने भी निरीक्षण कर मातहतों को आवश्यक निर्देश दिया। बताते चलें कि कुल 65 एकड़ क्षेत्रफल में से 30 एकड़ में सभा स्थल का निर्माण होगा।

किसानों की समस्याओं को लेकर भाकियू ने डीएम को दिया पत्रक

प्रखर मिजार्पुर। जिला अध्यक्ष कंचन सिंह फौजी के नेतृत्व में जिला मुख्यालय पर किसानों की समस्याओं को लेकर जिलाधिकारी प्रवीण कुमार लक्षकार से मिलकर किसानों की समस्याओं को रखा जिसमें सबसे प्रमुख समस्या धान खरीद और बोरे की कमी तथा धान में नमी को दिखाकर किसानों को

परेशान किया जा रहा है ,साथ ही साथ अहरौरा सहकारी संघ पर पीएफ एफ का क्रय केंद्र खुलवाया जाए, नहरों की सफाई हेड से टेल तक कराया जाए और विगत वर्ष 2019-20 में 23 किसानों का लगभग ?42 लाख का भुगतान नहीं हुआ है उसको कराया जाए व रेलवे कॉरिडोर से प्रभावित किसानों का पुनर्वास, इजी मेंट व क्षतिग्रस्त फसलों का बाकी मुआवजा दिलाया जाय, राजकीय रक्षा कृषि इकाइयों पर खरपतवार नाशक व कीटनाशक दवाएं उपलब्ध कराई जाए साथ ही साथ छुट्टा पशुओं से फसलों को बर्बाद होने से बचाया जाए। जिसमें प्रदेश सचिव प्रहलाद सिंह, सिद्धनाथ सिंह पूर्व प्रदेश सचिव, वीरेंद्र सिंह जिला महासचिव, अनिल सिंह मंडल अध्यक्ष, अवधेश सिंह जिला उपाध्यक्ष, सुखनंदन दुबे जिला उपाध्यक्ष, राजेश कुमार सिंह युवा जिला अध्यक्ष, शिव प्रसाद सिंह जिला उपाध्यक्ष, छन्नू सिंह प्रचार मंत्री, धर्मेंद्र सिंह तहसील अध्यक्ष चुनार, श्यामलाल मौर्य तहसील अध्यक्ष सदर, बीडी सिंह तहसील अध्यक्ष, लालगंज बृजराज सिंह, राजू राम, सिंगार सिंह, विश्वनाथ सिंह युवा जिला महासचिव, ओमप्रकाश सिंह आदि उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

पतरही बाजार हनुमान मंदिर से सेनापुर शहीद स्मारक तक किया गया अमृत महोत्सव तिरंगा यात्रा का आयोजन

प्रखर पतरही जौनपुर। स्थानीय क्षेत्र के पतरही बाजार हनुमान मंदिर से सेनापूर शहीद स्मारक तक अवनीश सिंह विश्व हिंदू परिषद (प्रखंडअध्यक्ष)काशी प्रांत के नेतृत्व में कर्नाटक के कुन्नूर में हुए हेलीकॉप्टर हादसे में शहीद देश के प्रथम सीडीएस जनरल बिपिन रावत एवं 12 अन्य जवानों को श्रद्धांजलि देने के उपरांत निकाली गई अमृत महोत्सव तिरंगा यात्रा।बता दें कि अमृत महोत्सव तिरंगा यात्रा पतरही बाजार हनुमान मंदिर से प्रारम्भ करते हुए गाजेबाजे के साथ भारत मां की जय का नारेबाजी करते हुए कोपा, काकरापार, बिरिबारी, चन्दवक के रास्ते सेनापूर शहीद स्मारक में सम्पन्न हुई।इस दौरान समाजसेवी आशु सिंह ने कविता के माध्यम से कहा कि दुश्मन के घर में घुसकर मारा,रहा ताकता पाक बेचारा, इसीलिए तो जग कहता है, विजयी विश्व तिरंगा प्यारा।।इस अवसर पर पंकज सिंह,अरुण सिंह,राहुल सिंह,ग्राम प्रधान चन्द्रकेश जायसवाल,आशू सिंह, संजय पाण्डेय, रमेश यादव, रामआसरे गिरी,आशू यादव, लालमन यादव पूर्व प्रधान,विवेक सिंह डब्बू एवं सुरक्षा के मद्देनजर चौकी के एसआई सुदिस्त नारायण सिंह,कांस्टेबल ओपी यादव आदि लोग मौजूद रहे।

तिरंगा यात्रा निकाल शहीदों को किया नमन

प्रखर चन्दवक जौनपुर। स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में वर्षभर चलने वाले अमृत महोत्सव कार्यक्रम के कड़ी में डोभी भाजपा मंडल की ओर से कार्यकताओं ने मंडल अध्यक्ष संजय पांडेय के नेतृत्व में पतरही बाजार से सेनापुर शहीद स्मारक स्थल तक तिरंगा यात्रा निकाल कर शहीदों को नमन करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की गई। तिरंगा यात्रा में सैकड़ों की संख्या में भाजपा कार्यकर्ता व युवा ।भारत मां का जयकारा व देशभक्ति का नारा लगाते हुए अति उत्साह से चल रहे थे।तिरंगा यात्रा में तिरंगा, भारत माता की तैल चित्र के साथ शहीद सीडीएस बिपिन रावत की प्रतिमा भी शामिल थीं। तिरंगा यात्रा में जिला उपाध्यक्ष रमेश यादव,जिला मंत्री डॉ. महेन्द्र प्रजापति,अरुण सिंह,पिंटू सिंह दादा,विनोद कुमार सिंह, वरुण सिंह, पूर्व मंडल अध्यक्ष नन्दलाल प्रजापति, ब्रम्हदेव सिंह,अवनीश सिंह,बृजेन्द्र विक्रम सिंह,शैलेंद्र चौबे,चंदन पाठक,अनिल सिंह, भुवर जी सहित अन्य लोग सम्मिलित थे।

भैंस चुरा ले गए मवेशी चोर

प्रखर चंदवक, जौनपुर। क्षेत्र के थुन्ही गांव निवासी ध्रुव नारायण चौरसिया का एक भैंस बीती रात मवेशी चोर चुरा ले गए जब कि एक भैंस नहीं ले जा पाए क्योंकि वह छुड़ाकर भाग गई।भुक्तभोगी ने घटना की सूचना पुलिस को दे दी।

लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल को दी गई श्रद्धांजलि

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। अखंड भारत के निमार्ता,भारत के प्रथम उप प्रधानमंत्री व गृहमंत्री,भारत रत्न,लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल जी के 71वें पुण्य तिथि पर अन्न दाता मंच के संयोजक चौधरी रमेश सिंह द्वारा स्कूल के बच्चों के साथ लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल जी के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए श्रद्धांजलि दिया गया। इस अवसर पर चौधरी रमेश सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि जिस से तरह सरदार पटेल जी ने खंड-खंड भारत को एकत्रित कर अखंड भारत का निर्माण किया है उसी तरह से आप लोग भी जात-पात, ऊंच-नीच,अमीर-गरीब जैसे भेदभाव से ऊपर उठकर आपस में भाईचारा कायम करते हुए अच्छी शिक्षा ग्रहण कर सभ्य समाज का निर्माण करें। उन्होंने कहा कि आप लोग सरदार पटेल जी के आदर्शों को अपने जीवन में उतार कर उनके बताए हुए रास्ते पर चलते हुए अच्छा नागरिक बनने का प्रयास करें।

शुभम जायसवाल को छात्र सभा का नगर अध्यक्ष बनने पर कार्यकताओं ने दी बधाई

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। समाजवादी छात्र सभा के जिलाध्यक्ष दीपक मौर्य ने शुभम जायसवाल के कर्मठता,संगठन के कुशल संचालन तथा छात्रों में मजबुत पकड़ को देखते हुए उन्हें समाजवादी छात्र सभा का नगर अध्यक्ष मनोनीत किया है। इस अवसर पर सपा के नगर अध्यक्ष ने समाजवादी नेताओं के बीच आज शुभम जायसवाल का जोरदार स्वागत किया और उन्हें हृदय से बधाई दिया।बधाई देने वालों में पुर्व नगर अध्यक्ष समेत लोहिया वाहिनी के नगर अध्यक्ष के साथ भारी संख्या में कार्यकताओं ने बधाई दी है ।छात्र सभा से भी कार्यकर्ता सहित सैकडों छात्र उपस्थित रहे ।इस अवसर पर नगर अध्यक्ष शुभम जायसवाल ने कहा कि मैं समाजवादी कारवाँ को आगे बढ़ाउंगा ।फिलहाल 2022 में सपा की सारकार बनने और अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनवाने में पूरा योगदान दूँगा ।

सभी सरकारों ने हमेशा चौहान समाज की उपेक्षा की : कमलेश चौहान

मऊ। जनपद के हलधरपुर में आगामी 15 दिसंबर को जनता क्रांति पार्टी राष्ट्रवादी के 5 वें स्थापना दिवस पर पार्टी द्वारा ऐतिहासिक चैहान एकता महारैली व पृथ्वीराज चैहान महायज्ञ देश व प्रदेश की राजनीति को एक नई दिशा देगा वही चैहान समाज के साथ अन्य पिछड़े वर्ग का भी भविष्य तय करेगा। यह बातें जनता क्रांति पार्टी राष्ट्रवादी के राष्ट्रीय अध्यक्ष कमलेश चैहान ने मंगलवार को महारैली के बाबत पत्रकारों से वार्ता में कही। उन्होंने कहाकि आजादी के पहले व बाद में चैहान समाज में बढ़-चढ़कर योगदान दिया किंतु विडंबना इस बात की है जिसको भी सत्ता की बागडोर सौंपी गयी सभी ने चैहान समाज के पूर्वज के इतिहास व उनके योगदान को दबाकर उनकी उपेक्षा की। नतीजा है कि यह समाज आज भी बेरोजगारी, अशिक्षा, गरीबी का दंश झेल कर राजनैतिक, शैक्षणिक व आर्थिक रूप से पिछड़ा चला गया किंतु पार्टी ने चैहान समाज सहित सभी गरीबों उपेक्षित को जगाना शुरू कर दिया है। जिसकी ताकत 15 दिसंबर के पृथ्वीराज चैहान महायज्ञ में देखने को मिलेगी। जो समाज को तोड़ने में लगे हैं और उनकी नियत साफ नहीं है समाज के प्रति वे लोग जनता क्रांति पार्टी राष्ट्रवादी के ताकत से घबराए हुए हैं क्योंकि इस समाज ने भी संकल्प ले लिया है कि अब वह किसी के महफिल में दरबारी बनकर नहीं बल्कि अपने दरबार में सबको आने पर मजबूर करेगी।

विकास कार्यो का पालिकाध्यक्ष ने किया लोकार्पण

मऊ। नगर पालिका क्षेत्र स्थित वार्ड नं0 25 मुहल्ल प्यारे पुरा मलिन बस्ती में लगभग 5.42 लाख रुपए की लागत से निर्मित नाली एवं सीसी इण्टरलाकिंग व शीतला मन्दिर के उ0 लगभग 7.55 लाख की लागत से निर्मित मिट्टी भराई, कवर्ड नाली व सोलिंग कार्य एवं वार्ड नं0 18 मु0 पठान टोला में लगभग 5.91 लाख रुपए की लागत से निर्मित ट्रैन्च, रबर मोल्ड इण्टरलाकिंग एवं वार्ड नं0 38 विश्वनाथपुरा में लगभग 5.68 लाख रुपये की लागत से निर्मित गली को ऊंचा करके जिक-जैक इण्टरलाकिंग तथा वार्ड नं0 09 मु0 निजामुद्दीनपुरा में लगभग 5.17 लाख रुपए की लागत से निर्मित आंशिक नाली व इण्टरलाकिंग कार्यों का लोकार्पण पालिकाध्यक्ष तैयब पालकी के हाथों सम्पन्न हो गया। यह कार्य संयुक्त रूप

से लगभग 29.73 लाख रुपए की लागत से पूर्ण हुये हैं। लोकार्पण के इस अवसर पर लोगों को सम्बोधित करते हुये पालिकाध्यक्ष मु0 तय्यब पालकी ने नगर वासियों को आश्वासन देते हुये कहा कि मैं विशेष रूप से नगर को बुनियादी एवं आवश्यक सुविधायें उपलब्ध कराने के क्रम में काम कर रहा हूँ और इसके लिये नागरिक सुविधाओं पर आधारित योजनायें क्रिया रूप ले रही हैं जिससे दिन प्रति दिन नगर का विकास हो रहा है। उन्होंने बताया कि इसी क्रम में आपके क्षेत्र में जो कार्य जरूरी होंगे उन्हें भी जल्द पूरा किया जायेगा। उन्होने बताया कि नगर में नाली/नाला निर्माण, रास्ता निर्माण एवं लाईट लगाने का कार्य युद्ध स्तर पर जारी है। श्री पालकी ने बताया कि नगर की आवाम को हर प्रकार से राहत प्रदान करते हुये नगर के विकास पर मेरी नजर केन्द्रित है।

स्वच्छ सर्वेक्षण 2022 के लिए सभासद कुमार आनंद बने ब्रांड एंबेसडर

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। नगर पालिका द्वारा स्वच्छ सर्वेक्षण-2022 की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। इसके तहत विशेष क्षेत्रों में कार्यरत व्यक्तियों को ब्रांड एंबेसडर बनाना शुरू कर दिया गया है।इसी कड़ी में नगर पालिका ने सामाजिक कार्यकर्ता कुमार आनंद को स्वच्छ सर्वेक्षण-2022 के लिए ब्रांड एंबेसडर बनाया है।

वॉकल फॉर लोकल ब्रांड एंबेसडर की भूमिका- स्वच्छ सर्वेक्षण-2022 के तहत वॉकल फॉर लोकल ब्रांड एंबेसडर की भूमिकाएं भी निर्धारित की गई हैं। इनमें मासिक आधार पर स्वच्छ भारत मिशन की टीम के साथ बैठक में सहभागिता और गतिविधियों के आयोजन के लिए सुझाव एवं परामर्श देना, वार्ड स्तर पर स्वच्छता विषय पर आयोजित गतिविधियों का आयोजन करना, श्रमदान कार्यक्रमों, गार्बेज रन, स्वच्छता शपथ जैसे कार्यक्रमों में

भागीदारी, दूसरे व्यक्तियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना, कचरा अलगाव के प्रति जागरूकता फैलाना, होम कंपोस्टिंग, स्वच्छता एप आदि के उपयोग एवं 3आर सिद्धांतों के बारे में जनसमुदाय को जागरूक करना तथा निकाय स्तर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में स्वच्छता संबंधी विचारों से जनमानस को जागरूक करना होता है। ईओ नवनीत सिंह ने बताया कि समाजसेवी कुमार आनंद के स्वच्छता संबन्धित कार्यों व सामाजिक कार्यों में विशेष रुचि रखने के आधार पर उन्हें ब्रांड एंबेसडर बनाया गया है। इस दौरान स्वच्छ भारत मिशन के जिला प्रबन्धक संजय सिंह,शिवकुमार, नीतीश कुमार,मृत्यंजय, विनोद, दर्शन सिंह, माता सिंह, प्रेम नाथ,राजकुमार, चंदन सहित अन्य उपस्थित रहे।

जहां कुछ लोग सिर्फ और सिर्फ खुद के लिए जीते हैं वहीं कुछ लोग अपनी जिंदगी दूसरों के लिए खपा देते हैं : डॉ के के गुप्ता

प्रखर कुशीनगर। जहां कुछ लोग सिर्फ और सिर्फ खुद के लिए जीते हैं. वहीं कुछ लोग अपनी जिंदगी दूसरों के लिए खपा देते हैं. तमकुही के डॉ के के गुप्ता एक ऐसा ही नाम हैं. अपना ई सी एच एस केयर ऑफ एयरफोर्स हॉस्पिटल की नौकरी छोड़कर यह इंसान सालों से अपने शैक्षिक ज्ञान के जरिए झुग्गी झोपड़ी , मुशहरबस्ति , हरिजनबस्ति में रहने वाले गरीब बच्चों को निशुल्क पढ़ा रहा है. पेशे से चिकित्सक की बस यही कोशिश है कि झुग्गियों के बच्चों की प्रतिभा संसाधनों के अभाव में दम न तोड़े. इसके लिए वो न सिर्फ झुग्गियों में जाते हैं, बल्कि खुद बच्चों के हाथों से कूड़ा छीनकर उन्हें किताबें पकड़ाते हैं.डॉ के के गुप्ता का यह सफर कब शुरू हुआ, यह जानने के लिए बहुत सारे न्यूज चैनल वालो ने उनके साथ खास बातचीत की, जिसमें उन्होंने अब तक का सफर साझा किया है. साथ ही बताया कि वो कैसे किताबों के जरिए बच्चों के चेहरों पर मुस्कान ला रहे हैं।12 जनवरी 1985 को तमकुही विधानसभा के एक छोटे से गांव अहिरौली हनुमान सिंह में पैदा हुए डॉ के के गुप्ता का बचपन आम बच्चों की तरह नहीं बीता. पिता प्रयाग गुप्ता पेशे से एक समाजसेवी थे. हर पिता की तरह वो अपने बच्चे को एक बेहतर जिंदगी देना चाहते थे, मगर समाजसेवी होने के कारण बच्चों पर समय नही दे पाते. यही वजह रही कि डॉ के के गुप्ता की इंटर स्तर की पढ़ाई गांव में ही हुई.किसी तरह उन्होंने पढ़ाई जारी रखी और गांव से निकलकर ग्रेजुएशन की शिक्षा के लिए गाजियाबाद के कालेज में दाखिला लिया और जिंदगी में आगे बढ़े । डॉ के के गुप्ता बताते हैं कि यह उनके लिए कठिन समय था। पिता आर्थिक संकट से जूझ रहे थे. ऐसे में उनके सामने बड़ा सवाल था कि वो परिवार की मदद कैसे करें. इसके लिए उन्होंने शुरूआत में कई छोटी-मोटी कोचिंग में पढ़ाया और कम से कम पैसों में खर्च चलाया और आगे चलकर अपनी कड़ी मेहनत से गेट आई आई टी कानपुर और नाइपर भारत सरकार द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर का एग्जाम पास किया और सरकारी कोटे से अपनी आगे की पढ़ाई की साथ मे सरकार से जो वजीफा मिलता था उसे गरीब बच्चों में खर्च करते थे। धीरे-धीरे उनके परिवार की गाड़ी ट्रैक पर आ गई. सबकुछ ठीक ठाक होने लगा मगर कुछ था जो डॉ के के गुप्ता को परेशान कर रहा था. दरअसल, जिस तरह का संघर्ष कर वो आगे बढ़े थे, वो सहज नहीं था.डॉ के के गुप्ता कहते हैं, "मैं अक्सर इस बात को सोचकर परेशान होता था कि मेरे पास तो माता-पिता थे. दिक्कते थीं, मगर मेरे पास पढ़ने के संसाधन थे. मगर, उन बच्चों का क्या जिनके पास मां-बाप नहीं हैं. वो बच्चे कैसे पढ़ाई करते होंगे, जिनके पास संसाधन नहीं हैं. यही कारण रहा कि मैंने नौकरी छोड़ दिया ताकि झुग्गियों , गरीब असहाय परिवार के बच्चों को पढ़ा सकूं और उन्हें अधिकारों के प्रति जागरूक कर सकूं।

साइबर सेल का नेक कार्य वापस कराये 29900 रुपये

मऊ। पुलिस अधीक्षक के समक्ष प्रस्तुत होकर साइबर पीड़िता द्वारा आनलाईन फ्राड के सम्बन्ध में शिकायती प्रार्थना पत्र दिया गया। महोदय के निदेर्शानुसार चलाये जा रहे साइबर अपराध पर नियंत्रण के क्रम में साइबर सेल मऊ द्वारा जांच की गई। आवेदक अबूहोजैफ ग्राम कुथीर्जाफर थाना कोपागंज जनपद मऊ द्वारा 30 नवम्बर को फर्जी फोन काल कर के बताया गया कि बैंक मैनेजर बोल रहा हुँ, फोन पर भ्रम में आकर ओटीपी बताने के कारण 25000 व 4000 व 900 रुपए तीन बार में पीड़ित के बचत खाते से 29900 रुपए की धोखाधड़ी कर लिया गया। जिस पर त्वरित विधिक कार्यवाही करते हुये पीड़िता के बचत खाते में 29900 रुपए वापस कराया गया। शेष अन्य कार्यवाही प्रचलित है। पीड़िता द्वारा पुलिस अधीक्षक महोदय को धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

जनपद कुशीनगर की लक्ष्मीगंज बन्द चीनी मिल को चलवाने के लिये अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन 24वें दिन जारी

प्रखर कुशीनगर। पिछले 13 वर्षों से जनपद कुशीनगर की लक्ष्मीगंज बन्द चीनी मिल को चलवाने के लिये भारतीय किसान यूनियन (अ) का अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन पुनः भारतीय किसान यूनियन (अ) के जिलाध्यक्ष रामचन्द्र सिंह के नेतृत्व में 22 नवम्बर 20 21 से जारी है और आज दिनाँक 15 दिसम्बर 2021 को धरना प्रदर्शन का 24वां दिन है। आज धरना प्रदर्शन के दिन किसानों को सम्बोधित करते हुए जिलाध्यक्ष रामचन्द्र सिंह ने कहा की चीनी मिल गेट पर लक्ष्मीगंज क्षेत्र के बेरोजगार नौजवानों का जमघट लगना शुरू हो गया है। नौजवानों का कहना है कि, केन्द्र और राज्य की सरकारें बेरोजगारों को रोजगार देने के लिए कहकर सत्ता में आयी मगर देश मे छोटे मोटे कल कारखानों को बन्द कर रोजगार ही छीन लिया। जनपद कुशीनगर रोजगार विहीन जनपद है ऊपर से यहाँ की पांच चीनी मिलें बन्द पड़ी है उसमें से लक्ष्मीगंज बन्द चीनी मिल को चलवाने की माँग 2017 से हो रहा है यदि यह मिल चल गया तो किसानों के साथ साथ बेरोजगार नौजवानों को रोजगार का अवसर भी प्रसस्त हो जाएगा। अन्त में जिलाध्यक्ष श्री सिंह ने कहा कि, जबतक योगी सरकार लक्ष्मीगंज बन्द चीनी मिल को चलवाने के लिये घोषणा नही करती है तबतक यह अनिश्चितकालीन घरना प्रदर्शन ऐसे ही चलता रहेगा। इस मौके पर हमारे साथी चेतई प्रसाद, चांदबली, हरीलाल जयसवाल, आदित्य कुमार, राम अवतार, जवाहर, दीपक, मोनू, हरी प्रसाद, रमजान, राधे, श्रीकान्त, मैना देवी, बिन्दु देवी, अर्जुन, शकीम, सुशील, लालबच्ची देवी, रामबृक्ष, सूरज, कबूतरी देवी, इसरावती देवी, बलेशर, नाथू,किशोर, जवाहर लाल, चन्द्रदेव के साथ साथ सैकड़ों किसान सहभागिता दिया।

पीएम स्वनिधि योजना में तीन नगर निकाय फिसड्डी

आजमगढ़। जिलाधिकारी राजेश कुमार की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक हुई, जिसमें प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना की समीक्षा की गई। नगर पालिका आजमगढ़ व मुबारकपुर एवं नगर पंचायत कटघर लालगंज की प्रगति बहुत की कम मिली। नाराजगी व्यक्त करते हुए लाभार्थियों को योजना का लाभ दिलाने के निर्देश दिए। नगर पंचायत अतरौलिया, मेंहनगर, फूलपुर व माहुल की प्रगति अच्छी होने पर सराहना की। शेष नगर पंचायतों की प्रगति 90 फीसद मिली। डीएम ने निर्देश दिए कि 14,15, 28 व 29 दिसंबर को नगर निकायों में लगने वाले मेगा कैंप के माध्यम से शतप्रतिशत लक्ष्य पूरा कराना सुनिश्चित करें। शासन की प्राथमिकता वाले इस कार्य में लापरवाही अक्षम्य होगी। पीओ डूडा अरविद कुमार पांडेय ने बताया कि 11 मार्च तक 5628 लाभार्थियों को योजना से आच्छादित करने का लक्ष्य है, जिसके सापेक्ष अब तक 5952 की आनलाइन आवेदन किया गया है। इसमें 5218 की स्वीकृति के बाद 4,889 को बैंकों के माध्यम से धनराशि वितरित की जा चुकी है। इस मौके पर एलडीएम अग्रणी बैंक मिथिलेश कुमार, सभी बैंकों के प्रतिनिधि व नगर निकायों के अधिशासी अधिकारी थे।

चोरी की मोबाइल बरामद, एक गिरफ्तार

पीडीडीयू नगर। अपर पुलिस महानिदेशक रेलवे पियूष आनन्द पुलिस महानिरीक्षक रेलवे एस0के0सिंह,पुलिस अधीक्षक रेलवे प्रयागराज सिद्धार्थ शंकर मीणा द्वारा चलाये जा रहे संदिग्ध व्यक्तियों/ वस्तुओं की चेकिंग व तलाश वांछित अपराधीगण के अभियान के अन्तर्गत क्षेत्राधिकारी रेलवे वाराणसी सुनिल कुमार सिंह के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक जीआरपी डीडीयू के नेतृत्व में गठित टीम के द्वारा थाना जीआरपी डीडीयू द्वारा चेकिंग रेलवे स्टेशन प्लेटफार्म 5/6 से एक अभियुक्त अंकित बिहार निवासी को गिरफ्तार किया गया।

शराब बरामद तस्कर गिरफ्तार

पीडीडीयू नगर। अपर पुलिस महानिदेशक रेलवे पियूष आनन्द पुलिस महानिरीक्षक रेलवे एस के सिंह पुलिस अधीक्षक रेलवे प्रयागराज सिद्धार्थ शंकर मीणा द्वारा चलाये जा रहे संदिग्ध व्यक्तियो/ वस्तुओं की चेकिंग व तलाश वांछित अपराधीगण के अभियान के अन्तर्गत क्षेत्राधिकारी रेलवे वाराणसी सुनिल कुमार सिंह के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक जीआरपी डीडीयू के कुशल नेतृत्व में गठित टीम के द्वारा चौकी जीआरपी मझवार चन्दौली द्वारा चेकिंग अभियान के दौरान रेलवे स्टेशन मझवार चन्दौली के पीएफ 4/5 के पश्चिमी छोर पानी टंकी के पास से एक अभियुक्त भीम चौरसिया वार्ड नं 6 महावीर स्थान कोराइच सासाराम जिला रोहतास बिहार को गिरफ्तार किया जिसके पास से 48 ट्रैटा पैक अंग्रेजी शराब फुटी बरामद हुआ। पकड़ा गया अभियुक्त ट्रेनव रेलवे स्टेशनों पर अवैध शराब की तस्करी कर बिहार प्रान्त में ले जाकर ऊचे दामों में बेचता था जिस पर पुलिस संबंधित धारा लगाते हुए अग्रिम कार्रवाई करने में जुट गई।

मनरेगा में फर्जी कार्य दिखाकर 1.45 लाख का हुआ भुगतान

आजमगढ़। विकास खंड महराजगंज की ग्राम पंचायत रुद्रपुर में मनरेगा योजना के अंतर्गत फर्जी कार्य दिखाकर 1,45,656 भुगतान कराने की पुष्टि जांच में हुई है। वित्तीय दुरुपयोग में तत्कालीन ग्राम पंचायत सचिव(ग्राम पंचायत अधिकारी) प्रशांत यादव, तकनीकी सहायक खिरोधन और ग्राम प्रधान सुमन संयुक्त रूप से दोषी पाए गए हैं। जांच आख्या के आधार पर डीएम राजेश कुमार ने ग्राम प्रधान को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। निर्देशित किया है कि 15 दिन के अंदर स्पष्टीकरण प्रस्तुत करें। संतोषजनक जवाब मिलने पर पंचायती राज अधिनियम की धारा-95 (एक) छह के प्रावधानों के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। डीएम ने उपायुक्त श्रम रोजगार (संयुक्त जिला कार्यक्रम समन्वयक) तकनीकी सहायक और डीपीपीआरओ को ग्राम पंचायत अधिकारी के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। विकास खंड महरागंज की ग्राम पंचायत रुद्रपुर के शिवप्रसाद सिंह पुत्र महातम सिंह और महवीखास सिघवारा निवासी सुनील कुमार सिंह पुत्र रामचरन सिंह के शिकायती पत्र को डीएम ने गंभीरता से लिया। प्रकरण की जांच के लिए सीडीओ के निर्देश पर डीडीओ एवं सहायक अभियंता ग्रामीण अभियंत्रण विभाग की दो सदस्यीय जांच टीम गठित की गई। जांच आख्या के अनुसार ग्राम पंचायत रुद्रपुर के मिश्रपुर सुरजा में सरकारी ट्यूबवेल से मनोज के खेत तक चकबंध निर्माण में समान मस्टररोल संख्या पर दो अलग-अलग स्थानों पर मापी दशार्यी गई है। जबकि प्रस्तावित मार्ग सरकारी ट्यूबवेल से मनोज के खेत तक पहले से ही खड़ंजा लगा हुआ पाया गया। तथ्यों के आधार पर बिना कार्य कराए ही कार्य की मापी किए जाने और अभिलेख के अनुसार परियोजना पर 1,45,656 रुपये के वित्तीय दुरुपयोग के प्रति तत्कालीन ग्राम पंचायत सचिव, तकनीकी सहायक एवं ग्राम प्रधान संयुक्त रूप से दोषी पाए गए हैं। इसके अतिरिक्त प्रकरण में प्रस्तावित कार्य में नाम बदलकर कटिग की गई है।

जलालपुर विधायक का हुआ जोरदार स्वागत

मऊ। जनपद अंबेडकरनगर के जलालपुर विधानसभा के विधायक सुबाष राय का जनपद आगमन पर सपा नेताओं ने जोरदार स्वागत किया। बताते चलें कि बलिया जनपद में ब्रम्हर्षि समाज के स्वागत समारोह में शामिल होने जाते वक्त जनपद मऊ में सपा प्रवक्ता राजीव राय के कैंप कार्यालय पर सुबाष राय का समाजवादी कार्यकताओं ने माल्यार्पण कर स्वागत किया तथा सपा प्रवक्ता राजीव राय ने बुके प्रदान किया तथा कहा कि सुबास राय राजनीति में एक उदाहरण हैं, जहां चारो ओर घोर जातिवादी व्यवस्था चल रही वहीं अपनी विधानसभा में अपनी विरार का मात्र 50 वोट होने के बावजूद इन्होंने उपचुनाव में अपनी जीत दर्ज कराकर एक मिशाल पेश किया है इनसे सभी नेताओं को सीख लेनी चाहिए और ऐसा काम करना चाहिए कि जनता जाति पर नहीं काम पर वोट दे।इस अवसर पर सुबाष राय ने अपने अभिनंदन पर सभी कार्यकताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह जोश आप विधानसभा तक कायम रखिएगा।

अखिलेश बोले- लाल टोपी बीजेपी का सफाया करेगी

अखिलेश यादव के दुसरे दिन विजय यात्रा में उमड़ा जन सैलाब

प्रखर जौनपुर (संवाददाता-मोहम्मद अरशद) । सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव जौनपुर के दौरे पर हैं। दूसरे दिन बुधवार को अखिलेश ने बदलापुर में जनसभा की। भारी भीड़ देख अखिलेश यादव उत्साहित नजर आए। उन्होंने ऐलान किया कि अगर दिल्ली सरकार जातिगत जनगणना नहीं करती है तो 2022 में सपा सरकार बनने पर तीन महीने के भीतर जनगणना कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि लाल टोपी और साइकिल इस बार बीजेपी का सफाया कर देगी। किसानों को खाद के लिए लाइन में लगना पड़ता है। सीएम को टैबलेट चलाना नहीं आता। अखिलेश ने कहा कि बीजेपी के लोगों ने कहा था कि हवाई चप्पल पहनकर आम आदमी हवाई जहाज की यात्रा कर सकता है। पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ने से गरीब आदमी बाइक से नहीं चल पा रहा है। सपा सरकार ने अपने कार्यकाल में लैपटॉप बांटा था। लैपटॉप अभी तक चल

रहा है। बाबा मुख्यमंत्री ने वादा किया था कि लोगों को टैबलेट बांटा जाएगा। 5 साल बीतने को हैं, लेकिन अभी तक किसी के हाथों टैबलेट नहीं आया है। उन्होंने कहा कि जब बाबा खुद लैपटॉप, स्मार्टफोन और टैबलेट चलाना नहीं जानते हैं तो वह जनता को क्यों बांटेंगे?

बीजेपी का हर वादा जुमला निकला : अखिलेश यादव- अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा के इस कार्यकाल में व्यापारी, किसान, आम आदमी और छोटे दुकानदारों की कमाई आधी हो गई है। उन्होंने कहा कि जब कमाई आधी हो जाए और महंगाई दोगुनी हो जाए तो फिर खुशहाली कैसे आएगी। बीजेपी का हर वादा जुमला निकला। चुनाव आते ही बीजेपी के लोग धार्मिक चश्मा लगा लेते हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि ने कहा कि जिस वक्त लोगों को दवाई, बिस्तर और ऑक्सीजन की सबसे ज्यादा जरूरत थी, उस वक्त प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपनी जनता को अनाथ छोड़ दिया था, जो एंबुलेंस उस वक्त चल रही थी, वह सारी समाजवादी पार्टी की दी हुई थी । अखिलेश यादव ने कहा कि बाबा ने 100 नंबर को 112 करके पुलिस का भी कबाड़ा कर दिया है। ठोको राजनीति ने बेगुनाह लोगों की जान ले ली है। कस्टोडियल डेथ के मामले में यूपी नंबर एक है। प्रदेश की जनता ने अपने आपको इतना अपमानित कभी महसूस नहीं किया। बाबा ने लोगों का रोजगार छीन लिया है। सपा सरकार सबको नौकरी देने का काम करेगी।

यात्रा में मोबाइल पर्स गायब उचक्का गिरोह सक्रिय- जौनपुर । पूर्व सीएम अखिलेश यादव के विजय यात्रा के दौरान उचक्का गिरोह सक्रिय रहा । इस दौरान विभिन्न स्थानों में सिपाह पचहटिया धमार्पुर सिद्धिकपुर कोरिडीहा, मल्हनी गुलालपुर जनसभा में उचकको ने 100 से अधिक लोगों के मोबाइल पर्स पर हाथ साफ कर दिए। जिससे बाद में लोगों लाउडस्पीकर पर भी बुलवाते नजर आए ।लेकिन कुछ मिला नहीं।

परिषदीय प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों के संचालन हेतु समय परिवर्तन किया जाना आवश्यक है- सनत कुमार सिंह

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। सनत कुमार सिंह जिला वरिष्ठउपाध्यक्ष एवं अध्यक्ष उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ काशी विद्यापीठ वाराणसी ने पत्र देकर जिलाधिकारी वाराणसी एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी वाराणसी को अवगत कराया है कि परिषदीय प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों के संचालन की अवधि प्रातः 9:00 बजे से 3:00 बजे तक शासन द्वारा निर्धारित है । वर्तमान समय में आदेश दिनांक 04.12.2021 के द्वारा 3:00 बजे के पश्चात आधे घंटे तक शिक्षकों को विद्यालय में ही रुकने हेतु निर्देशित किया गया है,जो उचित नहीं है और इसे लेकर शिक्षकों ने रोष जताया है सनत कुमार सिंह ने बताया कि विगत वर्षो पहले विद्यालय 01 अप्रैल से 20 मई तक प्रातः 07:00 बजे से 11:00बजे तक और 01 जुलाई से 31 मार्च तक प्रातः 10:00बजे से 04:00बजे तक संचालित होता था`दूरदराज क्षेत्र में महिला शिक्षकों की नियुक्ति होने व उन्हे शाम को लौटते समय उत्पन्न जटिलताओं एवं उनके साथ घटित दुर्घटनाओं को दृष्टिगत रखते हुए शासन द्वारा विद्यालय अवधि 01 अप्रैल से 30 सितम्बर तक प्रातः 08 से 01:00 बजे तक तथा 01 अक्टूबर से 31 मार्च तक प्रातः 09:00बजे से 03:00 बजे तक निर्धारित की गयी है । सनत कुमार सिंह ने मांग की है कि वर्तमान समय में ठंड व कोरोना वायरस के नये वेरियेन्ट के संक्रमण के फैलने की सम्भावना दिन प्रतिदिन बढ़ती ही जा रही है,ऐसी स्थिति में विद्यालय संचालन की अवधि प्रातः10:00 से 03:00 तक निर्धारित किया जाना उचित होगा।

योगी बताए जनपद के माफियाओं पर कब चलेगा बुलडोजर: अखिलेश

प्रखर जौनपुर(संवाददाता-मोहम्मद अरशद)। मल्हनी विधानसभा के बाबूपुर गांव स्थित राष्ट्रीय राज्यमार्ग पर विजय यात्रा बस में सवार पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी को लाल रंग से चिढ़ हो गई है उन्हें नही पता है कि यह क्रांति का रंग है। दुनिया में ज्यादातर क्रांति लाल रंग से आई है। कहा कि डॉक्टर राम मनोहर लोहिया ने भी लाल रंग की टोपी पहन कर क्रांति ला दिया था। इसलिए समाजवादी पार्टी ने यह टोपी धारण की है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की बुलडोजर वाली गाड़ी बिना पेट्रोल के चल रही है। अखिलेश यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश के बड़े माफियाओं की सरकार सूची नही जारी कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार बताए कि जौनपुर के माफियाओं पर बुलडोजर चलेगी की नही यह

क्रांति का रंग लाल भाजपाई हुए भयभीत: अखिलेश

हम लोग भी देखे। उन्होंने कहा भाजपा ने धर्म एवं जाति में लोगों को बांटने का प्रयास कर रही है। सपा सरकार बनने पर बदलाव लाने का प्रयास करेगी। उन्होंने पूर्व में मल्हनी उपचुनाव जीत पर कहा कि पूर्व मंत्री स्वर्गीय पारसनाथ यादव की अनुपस्थिति में लकी यादव को जीत दिलाकर ऐतिहासिक कार्य किया है। इस दौरान मंच पर मल्हनी विधायक लकी यादव मुंगराबादशाहपुर विधायक सुषमा पटेल, रामयश यादव, संघर्ष यादव, बक्शा ब्लॉक अध्यक्ष महाबीर यादव, पवन यादव, बच्चा यादव सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे। संचालन रामधारी पाल ने किया। इसी क्रम में खेतासराय के सपा वरिष्ठ नेता अशोक यादव , खुशी ढाबा के पास ज्योति यादव प्रधान उटरुकला, अरूण यादव अध्यापक,अनुपम यादव मंटू यादव, के साथ सैकड़ों सपा कार्यकर्ता ने माल्यार्पण कर स्वागत किया।

पीएम के रैली के बाबत कार्यकर्ताओ संग की बैठक

प्रखर पिंडरा वाराणसी। पीएम मोदी की करखियाव में 23 दिसम्बर को होने वाली सभा को लेकर प्रदेश के सह प्रभारी सुनील ओझा ने बुधवार को अपराह्न में फूलपुर स्थित ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल में कार्यकताओं संग बैठक कर जनसभा के बाबत कार्यकर्ताओ को आवश्यक निर्देश दिया। उन्होंने कहाकि पहली बार वाराणसी जिले के अंतिम छोर व पिंडरा विस क्षेत्र में सभा होने जा रही है। इसके कारण कार्यकर्ताओ को डोर टू डोर जाकर आम जनता को आमंत्रित करने की जिम्मेदारी निभानी होगी। उन्होंने इस दौरान सभी कार्यकताओं से कार्यक्रम की सफलता के लिए जुट जाने का आह्वान किया। इस दौरान

उनका अंगवस्त्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। स्वागत पूर्व ब्लॉक प्रमुख व भाजपा नेता संदीप सिंह व धन्यवाद ज्ञापन संजीव सिंह ने दिया। इस दौरान रैली संयोजक नागेंद्र सिंह मुन्ना, जिला मंत्री जेपी दुबे, मण्डल प्रभारी अभिषेक राजपूत, संदीप सिंह, सुनील सिंह, दीपक सिंह, गौरीश सिंह, भूपेंद्र दुबे, विक्रमादित्य सिंह समेत अनेक कार्यकर्ता रहे।

औंगारी धाम में आयोजित शादी समारोह में शामिल हुए हिन्दू नेता रोशन पाण्डेय

वैदिक मंत्रोच्चार के साथ काशी के विद्वानों द्वारा विवाह कार्यक्रम संपन्न हुआ

प्रखर नालंदा। औंगारी धाम में आयोजित एक शादी समारोह में भाग लेने राष्ट्रीय हिन्दू दल अध्यक्ष हिन्दू नेता रोशन पाण्डेय पहूंचे जहां उन्होंने वर विकास पाण्डेय और वधु छोटी पाण्डेय को शादी की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए आशीर्वचन दिया। औंगारी धाम के निवासी राकेश रंजन पाण्डेय का पूत्र विकास पाण्डेय का विवाह एरुरी (पकरीबर्मा) नवादा के निवासी सत्य नारायण मिश्र की पुत्री के साथ काशी के विद्वानों द्वारा संपन्न हुआ। इस अवसर पर राष्ट्रीय हिन्दू दल अध्यक्ष हिन्दू नेता रोशन पाण्डेय के साथ सुभाष पाण्डेय, अखिलेश शर्मा, श्रीराम शर्मा, दिवाकर पाण्डेय, राकेश पाण्डेय, मुन्ना पाण्डेय,टन

पाण्डेय,आशिष कुमार, हरिओम पाण्डेय, हरिशंकर पाण्डेय के साथ सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

चुनाव की सभी प्रकार की तैयारी पूर्ण कर ली जाय : जिला निर्वाचन अधिकारी

प्रखर जौनपुर। जिला निर्वाचन अधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने विधानसभा निर्वाचन-2022 को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराए जाने के लिए मंगलवार को देर सायं कलेक्ट्रेट सभागार में प्रभारी अधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि चुनाव से संबंधित सभी प्रकार की तैयारी पूर्ण कर ली जाये,जो भी जिम्मेदारी दी गयी हैं, ईमानदारी के साथ कर्तव्यों का निर्वहन करें। जिला विद्यालय निरीक्षक को निर्देशित किया कि शत-प्रतिशत मतदान के लिए स्वीप के तहत जागरूकता कार्यक्रम कराये जाए। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि व्यय लेखा, प्रशिक्षण, मतपत्र व्यवस्था, डाक मतपत्र, कोविड प्रबंधन, यातायात व्यवस्था आदि के संबंध में भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार कार्य योजना तैयार कर कार्य कराया जाए।

बस्ती में शुरू हुई कृष्णा कुमार, देवेन्द्र कुमार, रूपा मिश्रा, पल्लवी की फिल्म भईया जइसन केहू ना की शूटिंग

प्रखर दानगंज वाराणसी। बस्ती में शूटिंग हब बनाने के लिए अपनी सब फिल्मों की शूटिंग बस्ती में ही करूँगा देवेन्द्र कुमार पीआरएस फिल्म प्रोडक्शन बैनर के तले बन रही भोजपुरी फिल्म "भईया जइसन केहू ना" की शूटिंग उत्तर प्रदेश के जिला बस्ती में शुरू हो गई है। यह एक साफ सुथरी, सम्पूर्ण पारिवारिक फिल्म है। केन्द्रीय भूमिका में बतौर हीरो कृष्णा कुमार और देवेन्द्र कुमार हैं। उनकी नायिका रूपा मिश्रा और पल्लवी गिरी हैं।भोजपुरी फिल्म भईया जइसन केहू ना के निमार्ता देवेन्द्र कुमार हैं। वे समाज में संदेश देने एवं बस्ती में शूटिंग के हब बनाने के लिए इस फिल्म का निर्माण कर रहे हैं। इस फिल्म के लेखक एवं निर्देशक जितेन्द्र गुप्ता हैं। जिन्होंने बेहतरीन फिल्म की मेकिंग व टेकिंग का जिम्मेदारी उठाई है। फिल्म के कर्णप्रिय संगीत को सजाया है अशोक राव ने। फिल्म के डीओपी ओम मिश्रा हैं जो खूबसूरती से फिल्म के दृश्यों को कैमरे में कैद कर रहे हैं। फिल्म के कलाकार

कृष्णा कुमार, देवेन्द्र कुमार, रूपा मिश्रा, पल्लवी गिरी, समर्थ चतुर्वेदी, रोहित सिंह मटरू, जे नीलम, साहेब लाल धारी, पीयूष श्रीवास्तव, संजू सोलंकी, प्रदीप मिश्रा, मुश्ताक अहमद आदि हैं।निमार्ता देवेन्द्र कुमार ने बताया कि भोजपुरी फिल्म भईया जइसन केहू ना जैसा कि नाम से लग रहा है, भाई से प्रेम की कहानी है। यह एक सोशल और फैमिली फिल्म है, जो समाज को एक मैसेज भी देगी। इस फिल्म से बस्ती में शूटिंग हब बनने का बल मिलेगा। मैं बस्ती में शूटिंग हब बनाने के लिए अपनी सब फिल्मों की शूटिंग बस्ती में ही करूँगा। जिसकी शुरूआत मैंने कर दी है। मुझे शासन-प्रशासन एवं स्थानीय लोगों का बहुत सपोर्ट मिल रहा है। फिल्म के लेखक एवं निर्देशक जितेन्द्र गुप्ता ने कहा कि बस्ती जिला में हम इस फिल्म की शूटिंग जोर शोर से कर रहे हैं। इसकी कहानी और इसका ट्रीटमेंट काफी अलग है। दर्शकों के लिए यह सिनेमा एक उपहार से कम नहीं होगा। इस फिल्म से दर्शकों का फुल इंटरटेनमेंट होने के साथ ही साथ उन्हें मैसेज भी दिया जाएगा।

समाजवादी पार्टी का झंडा लगाओ अभियान चलाओ कार्यक्रम हुआ शुरू

प्रखर जौनपुर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल के आहवान पर दिनाँक 15 से 25 दिसम्बर तक समाजवादी झंडा लगाओ अभियान चलाने का निर्देश जारी हुआ है । आज युवजनसभा प्रदेश सचिव वरुण सिंह , युवजनसभा महानगर उपाध्यक्ष संजय यादव , शिक्षक सभा महानगर अध्यक्ष आलोक गुप्ता और व्यापार सभा महानगर उपाध्यक्ष वीरेन्द्र यादव के नेतृत्व में आज दुगाकुंड , कबीरनगर में घरों और प्रतिष्ठानों पर समाजवादी झंडा लगाया गया और लोगों को समाजवादी नीतियों से अवगत कराते हुए 2022 में सत्ता परिवर्तन के लिए आगे आने का आहवान किया ।

झंडा लगाने के बाद हुई सभा मे अपने विचार व्यक्त करते हुए युवजनसभा प्रदेश सचिव वरुण

सिंह ने कहा जब लोगों को धर्म और जाति के जाल में उलझा कर मूल समस्याओं से दूर किया जा रहा हो तभी समाजवादियों की जिम्मेदारी बनती है समाजवाद को लोगों तक पहुँचाते हुए सार्थक बहस करानी चाहिए । बेरोजगारी , महंगाई ,भ्रष्टाचार , अत्याचार ने जनजीवन को अस्त व्यस्त किया है इससे निजात के लिए लाल हर झंडे को मजबूत करना बहुत जरूरी है

शिक्षक सभा महानगर अध्यक्ष आलोक गुप्ता और युवजनसभा महानगर उपाध्यक्ष संजय यादव ने कहा वाराणसी धर्म , संस्कृति की नगरी है लेकिन यह नगरी राजनीत को धर्म या धर्म को राजनीति मानने वालों में अंतर समझती है । व्यापार सभा महानगर उपाध्यक्ष वीरेन्द्र यादव और युवजनसभा महानगर सचिव रवि कुमार बिन्द उर्फ भानु ने कहा जब नौजवान , किसान ,बुनकर , व्यापारी , महिलाएं सरकार के दोहन से त्रस्त हो गए हैं तो 22 में बदलाव की बयार अवश्य बहेगी । अन्य वक्ताओं ने कहा अहंकारी सत्ता के अहंकार को समाजवादी विचारों से ही अंत किया जा सकता है ।

झंडा लगाने व सभा मे प्रमुख रूप से -वरुण सिंह , वीरेन्द्र यादव , संजय यादव , आलोक गुप्ता , रवि बिन्द भानु , नीरज सेठ , कृपाशंकर यादव , रमेश यादव , पिन्टू बिन्द , विवेक शाही , राहुल बिन्द , सुमित भट्ट , मनीष बंशल , मौजुद रहे ।

श्री अग्रसेन कन्या पीजी कॉलेज परमानन्दपुर के नवीन परिसर का भूमि पूजन समपन्न

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। छात्राओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए यह जरूरी है कि उन्हें व्यवसायिक शिक्षा भी दी जाए। जिसके लिए श्री अग्रसेन कन्या पीजी कॉलेज परमानंदपुर स्थित व्यवसायिक शिक्षा के लिए नवीन परिसर का भूमि पूजन बुधवार को किया गया। इस मौके पर महाविद्यालय के प्रबंधक अनिल कुमार जैन ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत के लिए यह जरूरी है कि आधी आबादी भी आत्मनिर्भर हो। जिसके लिए व्यावसायिक शिक्षा महत्वपूर्ण है और जिसके निमित्त महाविद्यालय द्वारा व्यवसायिक पाठ्यक्रमों के अध्यापन के लिए नवीन परिसर की स्थापना की जा रही है। मुख्य यजमान के रूप में महाविद्यालय के अध्यक्ष अरुण कुमार अग्रवाल एवं प्राचार्या प्रोफेसर मिथिलेश सिंह ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पंडित रतन मालवीय के सानिध्य में व्यवसायिक परिसर के लिए भूमि पूजन किया। इस मौके पर महाविद्यालय प्रबंध समिति के उपाध्यक्ष श्रीनाथदास अग्रवाल

(वृंदावन वाले), आरसी जैन, सहायक प्रबंधक हरीश कुमार अग्रवाल, श्री काशी अग्रवाल समाज के प्रधानमंत्री अशोक अग्रवाल, श्री अग्रसेन कन्या इंटर कॉलेज के सहायक प्रबंधक अनिल बंसल, दीपक अग्रवाल लायंस, अग्रवाल समाज के पदाधिकारियों सहित अग्रबंधु मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

सीपीसी पावर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड वेस्ट मैनेजमेंट कंपनी के नवीन कार्यालय का राज्यमंत्री दयाशंकर मिश्रा ने फीता काटकर किया उद्घाटन

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। सीपीसी पावर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड वेस्ट मैनेजमेंट कंपनी के नवीन कार्यालय का उद्घाटन गांधी नगर सिगरा में संपन्न हुआ। कंपनी के निर्देशक सचिन मिश्रा एवं प्रिय मित्र द्वारा उद्घाटन के कार्यक्रम पर भोले बाबा का रुद्राभिषेक एवं पूजन कार्यक्रम संपन्न हुआ।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्यमंत्री दयाशंकर मिश्रा दयालु गुरु ने उद्घाटन के अवसर पर फीता काटकर नवीन कार्यालय के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि कंपनी के निर्देशक सचिन मिश्रा द्वारा मेडिकल कचरा निस्तारण और प्लास्टिक मुक्त का नारा देकर पर्यावरण की दृष्टि से भागीरथ प्रयास शुरू किया गया है। उनके द्वारा सामाजिक और रचनात्मक कार्य से काशी को पर्यावरण की दृष्टि से निरंतर लाभ मिलता रहेगा। स्वच्छता के मिशन को आगे बढ़ाने में माननीय नरेंद्र मोदी जी के सपनों को साकार करने में मदद मिलेगी। कार्यक्रम में काशी क्षेत्र विधि प्रकोष्ठ के पूर्व अध्यक्ष देवेंद्र नाथ मिश्र भ्रम राष्ट्रीय कब के प्रधान अध्यक्ष रविंद्र नाथ मिश्र, संस्कार अध्यक्ष श्री श्री दिवाकर जी महाराज, संचालन अध्यक्ष सतीश चंद्र मिश्र, एवं रजनी जायसवाल, कुशाग्र मिश्रा, संतोष कश्यप, राकेश गुप्ता, राजू राजभर, अनिल सिंह, सूर्यप्रकाश सेठ, सुजित, सुधीर मिश्र आदि सम्मानित बंधु उपस्थित रहे।

वारंटी को भेजा गया न्यायालय

प्रखर केराकत जौनपुर। पुलिस अधीक्षक जनपद जौनपुर के द्वारा अपराध एवं अपराधियों एवं वाँछित वारण्टी अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये गये विशेष अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक नगर व क्षेत्राधिकारी केराकत के पर्यवेक्षण एवं दिशा निर्देशन में थाना केराकत जौनपुर पुलिस द्वारा प्र0नि0 केराकत लक्ष्मण पर्वत के नेतृत्व मे आज दिनांक 15.12.2021 को माननीय न्यायालय द्वारा जारी एनबीडब्लू वारण्ट प्रोसेस सम्बन्धित मु0नं0 168/11 धारा 342/353 भादवि0 महंगू पुत्र लहरी नि0 मनियरा थाना केराकत जनपद जौनपुर न्यायालय मा0 सिविल जज (सी0डि0) /ऋछउ जनपद जौनपुर द्वारा जारी वारण्ट के तहत वारण्टी को उसके घर से समय 10.30 बजे प्रातः गिरफ्तार कर चालान सम्बंधित न्यायालय किया गया ' गिरफ्तार अभियुक्तगण महगूँ पुत्र लहरी नि0 मनियरा थाना केराकत जनपद जौनपुर प्र0नि0 लक्ष्मण पर्वत थाना केराकत जनपद जौनपुर ' उ0नि0 हैदर अली थाना केराकत जनपद जौनपुर हे0का0 लालबहादुर थाना केराकत जनपद जौनपुर का0 राजधरम थाना केराकत जौनपुर ।

चीफ इंजीनियर ने विद्यालय की रसोइयों को दिया कम्बल

प्रखर पिंडरा वाराणसी। पिंडरा ब्लॉक के कम्पोजिट विद्यालय पिंडराई में सांस्कृतिक मंच निर्माण कराने वाले जगदीशपुर निवासी तथा इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के चीफ इंजीनियर कैलाश कन्नौजिया ने सामुदायिक सहभागिता के तहत बुधवार को विद्यालय की रसोइयों को बढ़ती ठंड को देखते हुए कंबल वितरित किया। इस दौरान प्रधानाध्यापक संतोष सेठ, स0 अध्यापक मिल्लू राम, संजय कन्नौजिया, संतोष सिंह, अखिलेश मिश्रा, सतीश सिंह, श्री प्रकाश राव समेत अनेक अध्यापकगण उपस्थित रहे।

बाईक रैली निकाल कर सरकारी योजना के लिए लोगों को किया जागरूक

प्रखर जौनपुर। सरायख्वाजा सूचना और प्रौद्योगिकी मंत्रालय भारत सरकार की संस्था सीएससी ई- गवर्नेंस सर्विजेज इंडिया लिमिटेड द्वारा संचालित कॉमन सर्विस सेंटरों के माध्यम से विभिन्न लाभार्थी सेवाओं का अभियान चलाकर नागरिकों को पंजीकरण करने के क्रम मे बुधवार प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना अन्तर्गत एक बाईक रैली का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ जिला मुख्यालय से कृषि उपनिदेशक जयप्रकाश , जिला कृषि अधिकारी डङ सिंह, एवं विजय कुमार द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। कृषि उपनिदेशक जयप्रकाश ने बताया कि बाईक रैली करने का उद्देश्य किसान भाइयों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के संबंध मे जागरूक करना और हर लाभार्थियों तक लाभ पहुंचाना है ।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट https://prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं